धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

सुप्रभात

रांची, गुरुवार
27.02.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

खबर मन्त्र

khabarmantralive.com

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | फाल्गुन, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 226

12 प्रीति जिंटा ने तीसरी बार लगायी संगम में डुबकी

न्यूज डायरी

केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई से खुलेंगे

रूद्रप्रयाग। महाशिवरात्रि के अवसर पर बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने घोषणा की कि केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को सुबह 7 बजे भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे। घोषणा हुई कि बाबा केदार की पंचमुखी डोली 28 अप्रैल को ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ से केदारनाथ के लिए प्रस्थान करेगी।

कुंभ से लौट रांची-रामगढ़ के चार युवकों की मौत

रामगढ़। प्रयागराज कुंभ से स्नान कर लौट रहे सात दोस्तों की कार प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) के पास हादसे का शिकार हो गयी। हादसे में रामगढ़ और रांची के चार युवकों की मौत हो गयी जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे में घायल रोहित, आकाश और रूपेश को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्कूटी में ब्लास्ट हुआ, घर में लगी आग

जामताड़ा। इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक ब्लास्ट होने से सदर थाना क्षेत्र के बेना गांव में लगी आग में पूरा घर जल कर राख हो गया। परिवार वालों ने कहा कि आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही सारा सामान जलने लगा। लोग कुछ समझते तब तक घर में पूरी तरह आग फैल गयी। अग्निशामन की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग को बुझाया।

कोडरमा : नदी गिरी बाइक, महिला की मौत

कोडरमा। रांची पटना मुख्य मार्ग पर कोडरमा में गौरी पुल से नदी में गिरकर एक महिला की मौत हो गयी। इस घटना में उसका पति घायल हो गया। पति की हालत गंभीर है। दोनों मोटरसाइकिल से बरही की ओर जा रहे थे, इसी दौरान गौरी नदी पुल पर बने डिवाइडर से उनकी बाइक टकरा गयी और नदी में जा गिरी।

13 लाख का इनामी मोस्ट वांटेड नक्सली मारा गया

पटना। झारखंड-बिहार का मोस्टवांटेड 13 लाख इनामी नक्सली विवेक यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। हत्या के पीछे का कारण नक्सलियों की आपसी वर्चस्व की लड़ाई मानी जा रही है। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए गया के मगध मेडिकल कॉलेज भेज दिया। झारखंड में कई नक्सली घटनाओं में शामिल था। झारखंड पुलिस ने उस पर दस लाख का इनाम रखा था।

सीसीएल के गिद्दी सी प्रोजेक्ट में सीबीआई छापा

रामगढ़। रामगढ़ जिले के सीसीएल अरगड्डा के रेलीगढ़ा गिद्दी 'सी' परियोजना में सीबीआई के अधिकारियों ने बुधवार को छापेमारी की। सीबीआई की 15 सदस्यीय टीम रेलीगढ़ा गिद्दी सी पहुंची और चार स्थानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। जानकारी के अनुसार लोकल सेल, रोड सेल, कोयला डिस्पैच, कांटा उठाव में व्यापक भ्रष्टाचार को लेकर टीम जांच कर रही है।

देवघर आस्था का केंद्र, इसे आगे बढ़ायेगी राज्य सरकार : सीएम

देवघर में महाशिवरात्रि महोत्सव में शामिल हुए सीएम हेमंत सोरेन, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिव बारात को किया रवाना

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर देवघर में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर केएनएन स्टेडियम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य एवं आकर्षक झांकियों के साथ शिव बारात को रवाना किया। उन्होंने कहा कि यहां हम एक ऐसे समूह के साथ खड़े हैं। इसमें इंसान के साथ जीव जंतु भी शामिल हैं। ऐसे महोत्सव में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना यह दर्शाता है कि इससे ऊपर और कोई ताकत नहीं है।

उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि का महापर्व बाबा नगरी देवघर के लिए विशेष है। आज यह महोत्सव निरंतर बड़ा आयाम लेने की तैयारी में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देवघर की पावन धरती असीम आस्था का केंद्र है। इस पवित्र स्थल को और बेहतर करने के लिए सरकार मंथन करेगी और इसमें आपका सहयोग काफी मायने रखेगा। आने वाले समय में आस्था के इस केंद्र को और मजबूती के साथ आगे ले जाना है। इस अवसर पर राज्य सरकार के कई मंत्री और नेता समेत अधिकारीगण मौजूद रहे। उधर राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में शिवमंदिरों में आस्था की भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और अपनी अपनी मन्नतें मांगी।

बाबा वैद्यनाथ धाम, देवघर में महाशिवरात्रि के मौके पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

प्रयागराज महाकुंभ : अंतिम दिन 2 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे, वायुसेना ने फूल बरसाये

महाकुंभ ने बनाया महारिकार्ड 67 करोड़ ने लगायी डुबकी

पवित्र स्नान

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। महाशिवरात्रि पर अंतिम स्नान के साथ ही प्रयागराज महाकुंभ मेले का समापन हो गया। 45 दिन चले इस मेले में देश और दुनिया से करीब 67 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगायी, जो एक महारिकार्ड बन गया। ये आंकड़ा अमेरिका की कुल आबादी से दोगुना है। कुम्भ मेला प्रशासन के मुताबिक अंतिम दिन बुधवार देर रात तक 2 से 3 करोड़ श्रद्धालुओं के पवित्र स्नान करने का अनुमान है। महाकुंभ मेला 13 जनवरी पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ शुरू हुआ था। इसी के साथ दिव्य, भव्य और सुरक्षित महाकुंभ अगले कुम्भ के लिए विदा हो गया। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, फिल्म सितारों, उद्योगपतियों से लेकर आमजन तक ने सनातन के इस भव्य और दिव्य आयोजन में सहभागिता निभायी। अंतिम दिन फिल्म स्टार प्रीति जिंटा ने भी पवित्र स्नान किया।

आधी रात से ही लगने लगी डुबकी : बता दें कि आखिरी दिन पुण्यकाल और मुहूर्त का इंतजार किए बिना मंगलवार आधी रात से ही आस्था की डुबकी लगने लगी। इस बार भी आठ से 10 किमी पहले ही बैरीकेडिंग लगाकर वाहनों का प्रवेश रोक दिए जाने से श्रद्धालुओं को पैदल लंबी दूरी तय करनी पड़ी। हर मन में संगम में डुबकी लगाकर जीवन धन्य बनाने की आतुरता थी। महाशिवरात्रि पर ग्रहों के उत्तम संयोग की वजह से संगम पर स्नान के साथ ही दीपदान, पूजा, अर्घ्य और आरती की भी होड़ मची रही।

विमान से पुष्पवर्षा : महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान पर्व पर एयरशो में सुखोई विमान भी उड़े। श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश भी की गयी।

इन विशेष तिथियों में इतने श्रद्धालुओं ने संगम में लगायी डुबकी	
13 जनवरी (पौष पूर्णिमा)	1.70 करोड़
14 जनवरी (मकर संक्रांति)	3.50 करोड़
29 जनवरी (मौनी अमवस्या)	7.64 करोड़
03 फरवरी (वसंत पंचमी)	2.57 करोड़
12 फरवरी (माघ पूर्णिमा)	2 करोड़
26 फरवरी (महाशिवरात्रि)	2.50 करोड़

केंद्र ने कोर्ट में कहा- छह साल का बैन काफी

दागी नेताओं को ताउम्र बैन करना उचित नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र ने दोषी राजनेताओं पर सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि आजीवन अयोग्यता अत्यधिक कठोर होगा। केंद्र ने आजीवन प्रतिबंध लगाने की याचिका का सुप्रीम कोर्ट में विरोध किया। केंद्र ने कहा कि आजीवन प्रतिबंध की मांग 'संसद को एक खास तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने के बराबर है, जो न्यायिक समीक्षा की शक्तियों से पूरी तरह परे है। छह साल तक चुनाव लड़ने पर बैन ही काफी है।

यह संसद का क्षेत्राधिकार : सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए केंद्र ने कहा, दोषी राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध उचित होगा या नहीं, यह मुद्दा संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। केंद्र ने सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा दायर कर कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत प्रावधान संवैधानिक रूप से सुदृढ़ हैं। केंद्र

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि उनकी अयोग्यता को छह साल तक सीमित करने में कुछ भी असंवैधानिक नहीं है। हलफनामे में कहा गया है, यह एक सामान्य कानून है कि अदालतें संसद को कानून बनाने या किसी खास तरीके से कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकतीं। केंद्र की ओर से यह हलफनामा अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर आयी है। अश्विनी कुमार ने याचिका में देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे के अलावा दोषी ठहराये गये राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।

झारखंड में ट्राइबल एडवाइजरी कमेटी का हुआ गठन

सीएम टीएसी अध्यक्ष, चमरा लिंडा उपाध्यक्ष और बाबूलाल समेत 15 विधायक बने मेंबर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में ट्राइबल एडवाईजरी कमेटी का गठन कर लिया गया है। नयी कमेटी में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अध्यक्ष होंगे, जबकि समाज कल्याण मंत्री चमरा लिंडा पदेन उपाध्यक्ष होंगे। इससे संबंधित अधिसूचना एससी, एसटी, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के मुताबिक इस कमेटी में 15 विधायकों को कमेटी का सदस्य बनाया गया है।

बाबूलाल और चंपई बने मेंबर : ट्राइबल एडबाइजरी कमेटी का जिन विधायकों को सदस्य बनाया गया है, उनमें पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और चंपाई सोरेन का नाम भी शामिल है। इनके अलावा कमेटी में विधायक पूर्व मंत्री स्टीफन मरांडी, विधायक आलोक सोरेन, लुईस मरांडी, संजीव सरदार, सोनाराम सिंकु, जगत मांझी, दशरथ गगराई, सुदीप गुड़िया, राम सूर्य मुंडा, राजेश कच्छप, जिगा सुसारन होरो, नमन विक्सल कोंगाडी और रामचंद्र सिंह को भी सदस्य बनाया गया है।

हजारीबाग में महाशिवरात्रि पर लाउडस्पीकर लगाने पर झड़प

एजेंसी

हजारीबाग। महाविशवरात्रि के दिन लाउडस्पीकर लगाने के दौरान हिंदुस्तान चौक पर दो समुदायों के बीच झड़प हो गयी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शिवरात्रि पर गाना बजाने के लिए लाउडस्पीकर लगाने के दौरान यह घटना घटी। उपद्रवियों ने तीन बाइक, एक दुकान और एक कार को आग के हवाले कर दिया। एक ऑटो में भी तोड़ फोड़ की गयी है। वहीं, पूरी सड़क पर पत्थर के टुकड़े पड़े नजर आए। प्रशासन ने हल्का बल प्रयोग कर सभी को शांत करवाया। प्रशिक्षु आईएएस सह सदर अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश

बारंगे, प्रशिक्षु आईपीएस श्रुति अग्रवाल सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी समेत पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद हैं। समाचार लिखे जाने तक स्थिति नियंत्रण में थी। जिला प्रशासन ने आमलोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा शांति बनाए रखने की अपील की है। एसपी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि दोषियों को चिन्हित कर पुलिस कार्रवाई करेगी।

भ्रष्टाचार : झारखंड में अबुआ आवास आवंटन घोटाला

गिरिडीह जिले में संपन्न लोगों को आवंटित किया गया अबुआ आवास, जांच के आदेश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ग्रामीण विकास विभाग ने गिरिडीह जिले के सभी प्रखंडों में अबुआ आवास योजना की गड़बड़ी की शिकायत की जांच का आदेश गिरिडीह जिले के उपायुक्त को दिया है। इस संबंध में मुख्य सचिव को एक परिवाद मिला था, जिस पर अब जांच कराने का निर्णय लिया गया है। शिकायत में यह बात सामने आयी है कि गिरिडीह जिले के सभी प्रखंडों में अबुआ आवास योजना में भारी अनियमितता बरती गयी है। वैसे लोगों को योजना का लाभ दिया गया है, जो संपन्न हैं और अबुआ आवास योजना लेने की अर्हता पूरी नहीं करते हैं।

गरीब लोग लाभ से वंचित

यह बात भी सामने आयी कि इससे गरीब तबके के लोग आवास लेने से वंचित हो गये हैं। आवास आवंटन में पैसे का लेन-देन हुआ जिसमें मुखिया से लेकर पदाधिकारी की भी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। ऐसे में विभाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अबुआ आवास योजना से आवंटित आवास, निर्माण कार्य, लाभुकों की सूची इत्यादि की जांच कराने को कहा है। जांच रिपोर्ट भी मांगी गयी है।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	79700 रु./10 ग्राम
चांदी	:	97000 रु./प्रति किलो

तीसरी आंख

केंद्र ने फ्यूचर स्किल्स प्रोग्राम के तहत 20,000 इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने की बनायी योजना

भारत की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप 2025 तक उत्पादन के लिए हो जायेगी तैयार : अश्विनी वैष्णव

तकनीकी आत्मनिर्भरता

एजेंसी

भोपाल। भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के दूसरे दिन केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कई अहम घोषणाएं की। उन्होंने बताया कि भारत की पहली स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप 2025 तक उत्पादन के लिए तैयार हो जायेगी। उन्होंने इस बड़ी उपलब्धि के लिए पीएम मोदी और मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव को बधाई दी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में दो बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण केंद्र एक भोपाल में और दूसरा जबलपुर में विकसित किए जा रहे हैं। तकनीकी क्षेत्र में युवाओं को अवसर देने के लिए केंद्र सरकार ने फ्यूचर स्किल्स प्रोग्राम के तहत मध्यप्रदेश में 20,000 इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने की योजना बनायी है।

गौरतलब है कि पिछले 10 वर्षों में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में जबरदस्त उछाल आया है और इसकी कीमत 10 लाख करोड़ तक पहुंच गयी है। भारत अब 5 लाख करोड़ के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात कर रहा है, जिसमें मोबाइल फोन (4 लाख करोड़), लैपटॉप, सर्वर और टेलीकॉम उपकरण (75,000 करोड़) शामिल हैं।

भारत अब सेमीकंडक्टर निर्माण में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में, देश में पांच सेमीकंडक्टर निर्माण इकाइयां बन रही हैं और 2025 तक भारत की पहली स्वदेशी चिप बाजार में आ जाएगी। इस क्षेत्र में प्रतिभा को और विकसित करने के लिए सरकार 85,000 इंजीनियरों को सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में प्रशिक्षित कर रही है।

वहीं भोपाल में एक नया आईटी कैंपस खोला गया है जो 1 लाख वर्ग फुट में फैला हुआ है। इसमें सर्वर, डेस्कटॉप, मदरबोर्ड, लैपटॉप, टैबलेट, मॉनिटर, ड्रोन और रोबोट जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाए जाएंगे। अगले छह वर्षों में इस कैंपस में 150 करोड़ का निवेश होगा और लगभग 1,200 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

इस मौके पर अश्विनी वैष्णव ने एचएलबीएस नामक टेक्नोलॉजी कंपनी की भी सराहना की। यह कंपनी भोपाल में एक अत्याधुनिक निर्माण और अनुसंधान केंद्र स्थापित कर रही है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले दिन, भारतीय रेलवे और मध्य प्रदेश सरकार ने अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं पर समझौते किए जिससे राज्य में विकास को और गति मिलेगी।

सांसद महुआ माजी की हालत स्थिर, आर्किड में इलाज जारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सड़क हादसे में घायल झामुमो की राज्यसभा सांसद महुआ माजी की हालत स्थित बतायी जा रही है। रांची के ऑर्किड अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। बुधवार को सीएम हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे। जल्द स्वस्थ होने की कामना की। चिकित्सकों ने सीएम को बताया कि उनकी हालत स्थिर है। बता दें कि महुआ माजी अपने पुत्र सोमवित माजी और पुत्रवधु के साथ महाकुंभ में स्नान कर वापस रांची लौट रही थीं। तड़के लातेहार के होटवाग गांव के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। पुलिस ने लातेहार में प्राथमिक उपचार कराया। बाद में उन्हें रांची लाया गया।

आर्किड अस्पताल के पीआरओ के अनुसार महुआ माजी की बाई हाथ की कलाई में फ्रैक्चर आया है। लेफ्ट चेस्ट के रिब में भी तीन फ्रैक्चर है। कलाई में आये फ्रैक्चर को सर्जरी से ठीक किया जायेगा। डॉ ध्रुव पॉल और डॉ निशित कुमार उनका इलाज कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कार में सवार महुआ माजी के पुत्र, पुत्रवधु और चालक बिल्कुल ठीक हैं। उनको अस्पताल में भर्ती करने की जरुरत नहीं पड़ी। राहत की बात रही कि टक्कर होते ही कार का एयरबैग खुल गया। आशंका है कि चालक को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने नमो ई-लाइब्रेरी का किया लोकार्पण

शोधार्थियों के लिये बहुउपयोगी होगी यह लाइब्रेरी : संजय सेठ

- केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि दुनिया की सभी पुस्तकों का ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन उपलब्ध होगा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल संतोष गंगवार ने बुधवार को नमो ई लाइब्रेरी सह साइबर कम्युनिटी सेंटर का लोकार्पण किया। यह आयोजन सांसद संजय सेठ के अरगोड़ा स्थित कार्यालय में किया गया। राज्यपाल ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के रिसर्च और इनोवेशन के मंत्र का प्रमुख माध्यम यह केंद्र बनेगा। यहां शोध से जुड़े लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने संजय सेठ के इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि संजय सेठ के द्वारा सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में भी किया जा रहे पहल सराहनीय है। यह केंद्र युवाओं शोधार्थियों के लिये बहुत सहयोगी साबित होगा। समाज के अधिक से अधिक युवा, शोधार्थी और महिलाएं इस केंद्र का लाभ उठायेंगे। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूर्ण करने में टेक्नोलॉजी का महत्वपूर्ण योगदान होगा। इसी सोच के तहत यह सेंटर काम करेगा। राजनीति समाज सेवा का बड़ा माध्यम है। पीएम की प्रेरणा से पहले बुक बैंक, फिर टॉय बैंक और अब नमो ई लाइब्रेरी का शुभारंभ कर जनता को समर्पित कर रहा हूं। तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ साइबर शिक्षा के क्षेत्र में भी लोग स्किल्ड हों, रोजगार के अवसर सृजित हों, इस उद्देश्य से भी इस लाइब्रेरी का योगदान महत्वपूर्ण होगा। इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, साइबर पीस फाउंडेशन के प्रमुख मेजर विनीत, अजय मारू, वरुण साहू, धीरज महतो सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

ई-लाइब्रेरी की विशेषतायें

यहां पर पुस्तक, ऑडियो बुक, रिसर्च पेपर, एजुकेशनल पत्रिकायें और जर्नल उपलब्ध होंगी। दुनिया की सभी पुस्तकों को ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन उपलब्ध होगा। इस लाइब्रेरी में साइबर स्किल और साइबर सुरक्षा से जुड़े कई कार्यक्रम चलाये जायेंगे। इसमें इंडिया नेशनल क्वांटम मिशन, ड्रोन दीदी जैसे कार्यक्रम शामिल रहेंगे। इसके साथ ही महीने में एक बार परिचर्चा सत्र आयोजित किया जायेगा।

वर्ष 2026 से अब साल में दो बार होगी सीबीएसई 10वीं की बोर्ड परीक्षा

- बोर्ड परीक्षा के रिस्क को खत्म करने की योजना

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से पढ़ाई कर बच्चों के लिए अच्छी खबर है। सीबीएसई ने अगले वर्ष 2026 से साल में दो बार कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा आयोजित करने का फैसला किया है। नये नियम के ड्राफ्ट को सीबीएसई ने मंजूरी दे दी है। इसके तहत सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा का पहला चरण चरण फरवरी-मार्च में आयोजित की जीयेगी, जबकि दूसरा चरण मई 2026 में आयोजित किया जाएगा।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपनी परीक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव की घोषणा की है। इसके तहत वर्ष 2026 से 10वीं के लिए साल में दो बार बोर्ड की परीक्षाएं होंगी। सीबीएसई 2026-27 के सत्र के लिए 260 विदेशी स्कूलों के लिए एक वैश्विक पाठ्यक्रम भी तैयार करेगा। बताते चलें कि हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में इस निर्णय पर चर्चा की गई थी।

सप्लीमेंट्री परीक्षा का रोल : अधिकारी ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं का पहला और दूसरा चरण सप्लीमेंट्री परीक्षा के रूप में भी काम करेगा और किसी भी परिस्थिति में कोई विशेष परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। नई प्रणाली के तहत छात्रों के पास वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा देने और अपने सर्वश्रेष्ठ स्कोर को बनाए रखने का विकल्प होगा।

तनाव को कम करने का उद्देश्य : सीबीएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये योजना विद्यार्थियों में परीक्षा के दबाव को कम करने और छात्रों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर देगी। इसका उद्देश्य परीक्षा से संबंधित तनाव को कम करना है, साथ ही अधिक समग्र मूल्यांकन प्रणाली सुनिश्चित करना है। इसमें रटने की बजाय समझ और कौशल आधारित मूल्यांकन पर जोर देना है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार निर्णय : नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में सिफारिश की गई थी कि बोर्ड परीक्षा के रिस्क को खत्म करने के लिए सभी छात्रों को अधिकतम दो अवसरों पर परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी।

परीक्षा का पहला-दूसरा चरण कब होगा

बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीबीएसई बोर्ड 10वीं परीक्षा का पहला चरण 17 फरवरी से 6 मार्च तक आयोजित किया जाएगा, जबकि दूसरा चरण 5 से 20 मई तक आयोजित किया जाएगा।

सिलेबस पर आधारित होंगी दोनों परीक्षायें

बोर्ड के अधिकारी ने बताया कि दोनों परीक्षायें पूरी तरह सिलेबस के अनुसार आयोजित की जाएंगी और उम्मीदवारों को दोनों चरणों में एक ही परीक्षा केंद्र आवंटित किए जाएंगे। आवेदन दाखिल करने के समय दोनों परीक्षाओं के लिए परीक्षा शुल्क बढ़ाया जाएगा।

हाईकोर्ट से राज्य सरकार को झटका, सरकार पर लगाया 2 लाख का जुर्माना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने अत्यधिक टैक्स वसूली मामले में मेसर्स कैस्ट्रोल इंडिया लिमिटेड की याचिका पर बड़ा आदेश सुनाया है। कोर्ट ने एसेसमेंट ऑर्डर के खिलाफ अपीलेट अथॉरिटी के पास अपील कार्यवाही के दौरान प्रार्थी द्वारा 2 एसेसमेंट वर्षों (2013-14 एवं 2014-15) के टैक्स के मद में कुल डिमांड राशि का 15% जमा कराए गए राशि की वापसी प्रार्थी को नहीं किए जाने पर झारखंड सरकार पर 2 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना की यह राशि प्रार्थी के पैसे को सरकार द्वारा 4 वर्षों तक अपने पास रखने के कारण प्रार्थी को देने का निर्देश दिया है। साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार को 9 जनवरी 2021 की तिथि से उक्त दोनों असेसमेंट वर्षों की बकाया राशि की वापसी प्रार्थी को 9% प्रतिवर्ष ब्याज दर के साथ 6 सप्ताह के भीतर करने का निर्देश दिया है।

दरअसल, प्रार्थी ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपीलीय अथॉरिटी के पास दो एसेसमेंट वर्षों के एसेसमेंट ऑर्डर की कुल डिमांड राशि का 15% यानी वर्ष 2013-14 के लिए 26 लाख रुपए एवं वर्ष 2014-15 के लिए 24 लाख रुपए की वापसी का आग्रह किया था। उक्त दोनों असेसमेंट वर्षों के टैक्स के एसेसमेंट ऑर्डर को प्रार्थी द्वारा अपील दाखिल चुनौती दी थी। जिसमें अपीलेट अथॉरिटी ने 13 फरवरी 2019 को एसेसमेंट ऑर्डर एवं डिमांड नोटिस की कार्यवाही पर रोक के लिए कुल डिमांड राशि का 15% अपीलकर्ता को जमा करने को कहा था। जिसके आलोक में अपीलकर्ता ने दो असेसमेंट वर्ष के लिए 24 लाख एवं 26 लाख रुपए की राशि जमा की थी।

हालांकि बाद में अपीलेट अथॉरिटी ने इस मामले की सुनवाई पूरी कर इसे वापस फ्रेश एसेसमेंट के लिए एसेसिंग ऑफिसर के पास वापस भेज दिया था। लेकिन एसेसिंग ऑफिसर ने प्रार्थी द्वारा अपीलेट अथॉरिटी के पास जमा कराए गए 24 लाख एवं 26 लाख रुपए को नजर नजर अंदाज करते हुए एसेसमेंट ऑर्डर पास किया। अपीलेट अथॉरिटी के पास जमा कराए गए 24 लाख एवं 26 लाख रुपए भी प्रार्थी को वापस नहीं किए गए। जिसे वापस करने को लेकर प्रार्थी ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

रातू के पूर्व सीओ प्रदीप कुमार पर चलेगी विभागीय कार्यवाही

- भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा चुके हैं तत्कालीन सीओ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रातू के तत्कालीन अंचल अधिकारी प्रदीप कुमार पर अब, विभागीय कार्यवाही चलेगी। उनके उपर भ्रष्टाचार निवारण संशोधित अधिनियम के तहत अपराधों के लिए आरोप पत्र गठित किया गया है। इसी आलोक में सम्यक विचार के बाद प्रदीप कुमार पर विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया गया है। राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के मुताबिक विभागीय कार्यवाही के संचालन का जिम्मा सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी इकबाल आलम अंसारी को दिया गया है।

वहीं, अपर समाहर्ता रांची राम नारायण सिंह को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। बताते चलें कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा प्रदीप कुमार को 10 नवंबर 2023 को हिरासत में लिया गया था। बाद में हाइकोर्ट के आदेश के आलोक में उन्हें जमानत दी गयी थी। विभाग ने हिरासत में जाने की अवधि से उन्हें 18 फरवरी 2024 की तिथि तक निलंबित किया था और इसके बाद पुनः 19 फरवरी की तिथि से निलंबित किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते उनके खिलाफ अभियोजन चलाने की भी मंजूरी दी गयी है। अब डीसी रांची के रिपोर्ट पर विभागीय कार्यवाही चलाने का आदेश दिया गया है।

वक्फ के मुद्दे पर नीतीश, चन्द्रबाबू और चिराग के नाम गुजारिश नामा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। वक्फ अधिनियम 1995 में केन्द्र सरकार द्वारा लाये गए गैर जरूरी संशोधन, वक्फ संशोधन बिल 2024 को वापस लेने की मांग को लेकर बुधवार को अंजुमन इस्लामिया सभागार में आमया संगठन के द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान के नाम गुजारिश नामा जारी किया गया। गुजारिश नामा में केन्द्र सरकार द्वारा लाये गये वक्फ संशोधन बिल को संविधान की मूल भावना के साथ समानता के अधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ बताते हुए आमया संगठन के केन्द्रीय अध्यक्ष एस अली ने बताया कि देश में जो वक्फ की सम्पति है अधिकतर मुस्लिमों द्वारा दान की गयी है, जिसमें मस्जिद, मदरसा, ईदगाह, मजार, मकबरा, दरगाह, खानकाह, कब्रिस्तान, मुसाफिरखाना, शैक्षणिक संस्थान आदि हैं जो वर्षों से स्थापित है। वहीं बहुत सी वक्फ सम्पत्ति राजा, नवाब, जमींदार, ओहदार द्वारा भी दी गयी हैं। कार्यक्रम में आमया संगठन के पदाधिकारी जियाउद्दीन अंसारी, नौशाद आलम, मौलाना फजलूल कदीर, इमरान अंसारी, शाहिद अफरोज, एकराम हुसैन, अब्दुल गफ्फार, जावेद अख्तर, अंजुमन खान, सईद अंसारी, इमरोज अंसारी, अफसर आलम, इमरान जिलानी, फिरोज अंसारी, जुबैर अंसारी आदि शामिल थे।

हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन का आग्रह, पासओवर और एडजर्नमेंट की प्रकिया सुचारू रूप से लागू हो

रांची। झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन ने हाईकोर्ट से यह आग्रह किया है कि अदालतों में मुकदमों की सुनवाई के दौरान पासओवर और एडजर्नमेंट की प्रकिया सुचारू रूप से लागू की जाये। दरअसल झारखंड अधिवक्ता संघ की आम सभा 21 फरवरी को हुई थी, जिसमें पासओवर और एडजर्नमेंट एक बड़ा मुद्दा रहा। इस सभा में अधिवक्ताओं ने न्यायिक प्रथा से जुड़ी चिंताओं को देखते हुए दो प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये। विस्तृत चर्चा के बाद, अधिवक्ताओं और वादियों को जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें ध्यान में रखते हुए यह प्रस्ताव पारित किया गया। आम सभा में वकीलों की ओर से यहां मुद्दा रखा गया कि उच्च न्यायालय के कुछ माननीय न्यायाधीश जल्द पासओवर नहीं देते हैं, जिससे उन्हें और उनके क्लाइंट को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जबकि सुप्रीम कोर्ट में वकीलों को पूरे दिन के दौरान कम से कम एक पासओवर दिया जाता है। इसलिए, अधिवक्ताओं ने उच्च न्यायालय से इस प्रथा को अपनाने की मांग की है, ताकि सभी के लिए सुनवाई का काम आसान हो सके।

कोर्ट के आदेश पर झारक्राफ्ट ने किया भुगतान

रांची। झारक्राफ्ट ने जसीडीह देवघर स्थित निरंजन टैक्सटाइल्स लिमिटेड की बकाया राशि 95.93 लाख रुपये का भुगतान कर दिया है। कोर्ट के आदेश पर 1 फरवरी को झारक्राफ्ट के बैंक खाते को फ्रीज कर दिया गया था। मंगलवार को निरंजन टेक्सटाइल्स के सभी बकाया राशि लगभग 95.93 लाख रुपये का भुगतान झारक्राफ्ट ने कर दिया। यह कार्रवाई कमर्शियल कोर्ट के आदेश पर सिविल कोर्ट रांची की टीम ने झारक्राफ्ट के नेपाल हाउस डोरंडा स्थित बैंक खाते को अटैच कर दिया था। इससे पूर्व निरंजन टेक्सटाइल्स की ओर से कमर्शियल कोर्ट के विशेष न्यायाधीश चंद्रभानु कुमार की अदालत में बैंक खाता का अटैचमेंट करने का अनुरोध करते हुये आवेदन दिया गया था। मालूम हो कि झारखंड सिल्क टैक्सटाइल्स और हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, झारक्राफ्ट के साथ निरंजन टेक्सटाइल्स लिमिटेड का वर्ष 2010 में आपस में एकरारनामा हुआ था। एकरारनामा के अनुसार 6 वर्षों तक निरंजन टेक्सटाइल्स लिमिटेड को झारक्राफ्ट द्वारा कपड़े की रंगाई और डिजाइन का वर्क देना था। साथ ही, समय पर किये गये वर्क की राशि का भुगतान भी करना था। इसी बीच झारक्राफ्ट द्वारा एग्रीमेंट को निरस्त कर दिया। निरंजन टेक्सटाइल्स लिमिटेड की लंबित राशि का भुगतान भी बंद कर दिया। कंपनी ने अपनी लंबित राशि 63 लाख की मांग करते हुये आर्बिट्रेटर के समक्ष आवेदन दायर किया था। ब्याज के साथ 95.93 लाख रुपये हुआ था।

अफीम की खेती सरकार प्रायोजित संगठित अपराध : रमाकांत महतो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने झारखंड में अफीम की खेती को लेकर हेमंत सरकार पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने सरकार द्वारा बुलडोजर और ट्रैक्टर से अफीम की फसलों को नष्ट करने की कार्रवाई को महज आईवॉश करार दिया है। उनका कहना है कि राज्य में संगठित गिरोह बनाकर सरकार खुद अफीम की खेती करा रही है और उगाही का पैसा सीधे सीएम तक पहुंच रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस महकमा और सरकारी तंत्र इस अवैध खेती को बढ़ावा देने में शामिल है। उन्होंने खुफिया विभाग पर भी सवाल उठाते हुये पूछा कि जब लाखों एकड़ जमीन पर अफीम की खेती हो रही थी, तब सरकार का यह विभाग क्या कर रहा था। उनका दावा है कि अफीम की फसल तैयार होने के बाद माल पंजाब, राजस्थान समेत अन्य राज्यों में भेज दिया जाता है। इसके बाद सरकार जागती है और पुलिस से खेतों को नष्ट करा दिया जाता है, जो केवल दिखावे की कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि सरकार के इशारे पर पुलिस ग्रामीण इलाकों में गिरोह बनाकर भोले-भाले किसानों को अफीम की खेती के लिये उकसाती है और प्रति डिसमिल के हिसाब से उगाही करती है। उन्होंने सवाल किया कि यदि यह खेती सरकार प्रायोजित नहीं है तो अब तक दोषियों पर कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

सीएम हेमंत सोरेन ने आर्किड में घायल महुआ माजी से की मुलाकात, शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने एचबी रोड स्थित ऑर्किड अस्पताल पहुंचकर सड़क दुर्घटना में घायल राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी से मुलाकात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान अस्पताल के चिकित्सकों से महुआ माजी के स्वास्थ्य में सुधार और उनके उपचार से संबंधित जानकारी ली।

गौरतलब है कि महुआ माजी और उनके परिजन महाकुंभ स्नान कर लौटते समय दुर्घटना का शिकार हो गये थे। बुधवार की सुबह लातेहार जिले के होटवाग गांव के पास उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें वे और उनके परिजन घायल हो गये थे। मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन ने अस्पताल पहुंचकर न केवल सांसद के स्वास्थ्य की जानकारी ली। बल्कि उनके परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा भी दिलाया।

महुआ माजी का बायां हाथ टूट गया : महुआ माजी के बेटे सोमवित माजी ने बताया कि महाकुंभ से लौटने के दौरान यह दुर्घटना हुई। कार मैं खुद चला रहा था। नींद आने के कारण कार खड़ी गाड़ी से टकरा गयी। बताया कि डॉक्टरों का कहना है कि महुआ माजी का बायां हाथ टूट गया है और उनकी पसलियां हल्की क्षतिग्रस्त हैं। उनके हाथों की सर्जरी करनी होगी। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने एक्स पर लिखा कि महुआ माजी के सड़क हादसे में घायल होने की खबर दुखद है। पूरा झारखंड उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा है।

संजय सेठ ने महुआ माजी का हाल-चाल जाना

रांची। राज्यसभा सांसद डॉक्टर महुआ मांझी की प्रयागराज से आने के क्रम में लातेहार में एक्सीडेंट होने की सूचना पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने ऑर्किड हॉस्पिटल में जाकर उनसे मुलाकात की एवं उनका हाल जाना। उन्होंने डॉक्टर से बात कर उन्हें बेहतर इलाज की बात कही। उन्होंने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मिलने वालों में उनके साथ पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू भी उपस्थित थे। इधर, विधायक सीपी सिंह ने भी डॉ महुआ माजी से मिलकर उनका हाल-चाल जाना। उनके जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की।

सुबोधकांत मिले डॉ महुआ माजी से, हाल-चाल पूछा

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने आर्किड अस्पताल में भर्ती राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी से मुलाकात कर उनका कुशल क्षेम जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

आरोपी अभिषेक सिंह को नहीं मिली जमानत

रांची। रंगदारी मांगने के आरोप में जेल में बंद पलामू के चैनपुर लिधकी गांव निवासी अभिषेक राज उर्फ अभिषेक सिंह को अदालत ने जमानत देने से इनकार किया है। एटीएस के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका सुनवाई पश्चात खारिज कर दी है। वह उक्त आरोप में 20 जनवरी से जेल में है। आरोपी पर पलामू के चैनपुर थाना के करसो गांव में क्रशर चलानेवाला शशिकांत गुप्ता से खनन और क्रशर के काम के लिये 50 लाख रुपये रंगदारी मांगने का आरोप है। इसके अलावा उक्त आरोपी ने काम जारी रहने तक 1 लाख रुपए प्रति माह सुरक्षा राशि की भी मांग की और मांग पूरी नहीं करने पर सूचक को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। इस घटना को लेकर 28 नवंबर 2024 को टाउन थाना कांड संख्या 424/2024 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बाद में इस घटना को एटीएस ने टेक ओवर किया है।

मेडिकल-इंजीनियरिंग ही नहीं, स्टेट बोर्ड में भी मिलने लगे मुन्ना भाई

- मुन्ना भाई की मदद से अब झारखंड के अभ्यर्थी भी बोर्ड की बैतरनी पार करने की फिराक में लगे रहते हैं

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। एक समय था, जब मेडिकल-इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिला लेना विद्यार्थियों के लिए सपना होता था। तब, उनके लिए उन्हें काफी मेहनत करनी होती थी। रात-दिन प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में बच्चे लगे रहते थे। परंतु अब तो उनके सपने को साकार करने में उनके अभिभावकों की भूमिका उनसे ज्यादा हो गयी है। अभ्यर्थियों से ज्यादा उनके अभिभावक उनके प्रति चिंतित होते हैं और मुन्ना भाई जैसे लोग उनकी परीक्षा को निकालने में उन्हें मदद करते हैं। हद तो तब हो गयी, जब मेडिकल-इंजीनियरिंग की तर्ज पर अब, स्टेट बोर्ड की परीक्षा में भी मुन्ना भाई दिखने लगे। मुन्ना भाई की मदद से अब झारखंड के अभ्यर्थी भी बोर्ड की बैतरनी पार करने की फिराक में लगे रहते हैं।

इस संबंधित राज्य के बुद्धिजीवियों ने चिंता जाहिर की है। शिक्षकों का कहना है कि इसका मूल कारण बच्चों से ज्यादा अभिभावकों को उनके लिए चिंतित होना है। आज के अभिभावक अपने बच्चों को लेकर इतने तनाव में रहते हैं, कि उनकी सफलता के लिए आसान राह तलाशने लगते हैं। इसी कड़ी में मुन्ना भाई मिल जाते हैं। इसका प्रचलन अब बढ़ने लगा है। अगर समय रहते इस पर रोक नहीं लगायी गयी तो आने वाले दिनों में मेरिट खोजने पर भी नहीं मिलेगा।

शिक्षकों के 22 लाख कहां गये : सावरमल अग्रवाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व सिंडिकेट सदस्य सावंरमल अग्रवाल ने कहा है कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के 2010.11 में अवकाश प्राप्त विश्वविद्यालय शिक्षक के पेंशन राशि से काटे गये 22 लख रुपये इनकम टैक्स के कार्यालय में अब तक जमा नहीं किये गये हैं। उन्होंने कहा कि आखिर 22 लाख रुपये कहां चले गये। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। इतना ही नहीं वित्त विभाग झारखंड सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्वविद्यालय में 44 लाख रुपए से अधिक की राशि की हेरा-फेरी कर गबन करने का एक मामला भी काफी चर्चा में है। उन्होंने राज्यपाल सह कुलाधिपति से आग्रह किया है कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के वित्तीय मामलों की जांच पिछले 15 वर्षों का कराया जाना चाहिये। ताकि राज्य सरकार यूजीसी आदि संस्थाओं से मिलने वाली राशि कहां खर्च हुई और किस मद में हुई इसकी स्थिति स्पष्ट हो सके। यहां यह उल्लेखनीय है कि सिंडिकेट विश्वविद्यालय की वित्तीय मामलों के मुख्य रूप से संरक्षक समिति है और किसी भी प्रकार की खरीदारी या कार्यों के लिए वित्त समिति द्वारा उनके संबंध में प्राप्त सूचना के अनुसार पहले ऐसे खरीदारी पर स्पष्ट आदेश और उनकी आवश्यकताओं पर जांच कर कोई निर्णय देती है।

माहौल भक्तिमय हर हर महादेव के नारों से गूंज उठी राजधानी

भगवान शिव की बारात : ब्रम्हा और विष्णु ने की अगुवाई साथ में शामिल हुए भूत, पिशाच, अघोरी, नर और नारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी में महाशिवरात्रि के मौके पर बुधवार को गाजे-बाजे के साथ जगह-जगह शिव बरात निकाली गयी। इस दौरान बम-बम भोले और हर-हर महादेव के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। महिलाओं ने भगवान शिव का परछावन किया और मंगल गीत गाया। भगवान शिव की बारात में भूत, पिशाच, अघोरी शामिल हुए। बारात की अगुआई ब्रम्हा और विष्णु ने की। रीति रिवाज के साथ बारात निकाली गयी और फिर मंदिर में विवाह हुआ।

मंईयां सम्मान योजना पर आधारित झांकी रही मुख्य आकर्षण का केंद्र : श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति पहाड़ी मंदिर (मुख्य द्वार) द्वारा दोपहर 1.45 बजे शहर की पहली शिव बारात निकाली गई। शिव बारात पहाड़ी मंदिर के मुख्य द्वार में आरती के साथ आरम्भ हुई, जो वहां से हरमू रोड शनि मंदिर, बकरी बाजार, कार्ट सराय रोड, कोतवाली थाना रोड, शहीद चौक, अल्बर्ट एक्का चौक से वापस घूमते हुए शहीद चौक,गांधी चौक, महावीर चौक, ग्वाल टोली,न्यू मार्केट चौक, दुर्गा मंदिर रातु रोड होते हुए पिस्का मोड़ स्थित विश्वनाथ मंदिर पहुंची, जहां विश्वनाथ मंदिर समिति के द्वारा बारातियों का स्वागत किया गया एवं भगवान शिव और माता पार्वती के स्वरूप का विधिवत विवाह रात आठ बजे संपन्न हुआ। शिव बारात में मंईयां सम्मान योजना पर आधारित झांकी शहरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

झांकियों की विविधता

महाशिवरात्रि के अवसर पर भव्य रूप से शिव-पार्वती की बारात का आयोजन किया गया। इस समारोह में पहाड़ी मंदिर, इंद्रपुरी, अरगोड़ा, चुटिया शिव मंदिर और बड़गायीं से विभिन्न झांकियां निकाली गईं। बारात में शिव-पार्वती के अलावा नंदी, भूत-प्रेत, भगवान राम-सीता, राधाकृष्ण और भगवान बिरसा मुंडा की झांकियाँ भी शामिल की गई थीं। यह झांकियाँ रथ और ट्रकों में सवार थीं। जिनमें तासा और बैंड-बाजों की थाप पर श्रद्धालु थिरकते हुए आगे बढ़े।

इंद्रपुरी में 11 झांकियों का प्रदर्शन

श्री श्री शिव बारात आयोजन समिति इंद्र पुरी की अध्यक्षता रमेश सिंह ने 11 झांकियां निकाली। इनमें शिव-पार्वती की झांकी, नंदी की सवारी और देव-असुरों की झांकी शामिल थी। भव्य दृश्य के साथ दुमका के पारंपरिक वाद्य यंत्र भी शामिल किए गए।

शिव बारात समिति का भव्य स्वागत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बुधवार को श्री शिव बारात स्वागत समिति के सभी महादेव भक्तों का भव्य स्वागत समिति के मुख्य संरक्षक राजीव रंजन मिश्रा, शंकर दुबे, अध्यक्ष लंकेश सिंह एवं समस्त पदाधिकारियो ने किया। श्री मिश्रा ने बताया कि सभी शिव भक्तों को अंगवस्त्र देकर, माला पहनाकर एव पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। समिति के द्वारा शिव भक्तों के लिए जल एवं जूस का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गोपाल पारीक, राजीव सिंह, ज्योति शंकर साहू, टिंकू महतो, अरविंद कुमार लाल, वेणु गोपाल, इंदर सिंह, श्रवण कुमार, आकाश दुबे, विशाल कुमार, शशांक पाठक सहित दर्जनों सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

पहाड़ी मंदिर में बाबा का अलौकिक श्रृंगार

भक्तिमय हुई श्री कृष्ण नगर कॉलोनी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री राधा कृष्ण मंदिर, कृष्णा नगर कॉलोनी में भव्य शिवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रातः 6:00 बजे से ही भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना प्रारंभ की गई। जिसके उपरांत 7:00 बजे से भक्तों के द्वारा 251 किलो दूध से भोलेनाथ का अभिषेक कर पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण तथा विशेष श्रृंगार किया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर को विशेष तौर से सजाया गया। दिनभर मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहा। अरुण जसूजा ने बताया कि मां भवानी सेवा मंडल, दुर्गा जागरण मंडली एवं स्त्री सत्संग सभा के सदस्यों के द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गयी। मौके पर आरती अरदास एवं प्रसाद का वितरण किया गया। शाम 7:00 बजे से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ चार पहर की पूजा की गई। जिसकी अगले दिन प्रातः 4:00 बजे हवन के साथ पूर्ण समाप्ति हुई।

बाबा विद्यापति स्मारक समिति ने लगाया शिविर

रांची। बाबा विद्यापति स्मारक समिति के तत्वाधान में बुधवार को महाशिवरात्री के मौके पर पहाड़ी मंदिर परिसर में श्रद्धालु सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के अंतर्गत प्रयागराज स्थित त्रिवेणी संगम से लाए गए गंगाजल, कच्चा दूध, फुल, बेलपत्र, और धतूरा को भक्तजनों में निःशुल्क वितरित किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष जयन्त झा, महासचिव उदित नारायण ठाकुर, मृत्युंजय झा, ज्ञानदेव झा, अमरनाथ झा, हेमन्त कुमार झा, केतन कुमार झा, मनोज झा, समिति के कानूनी सलाहकार छवि झा, अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद के महासचिव अजय झा, इशांक झा, विमलेश झा, ऋतुनाथ झा, आर्यन मिश्रा, राजन कुमार महतो, रवि गुप्ता, पवन सोनी, विश्वाजीत झा आदि मौजूद थे।

मनमोहक और जीवंत झांकियों ने सबका मन मोहा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के द्वारा भव्य शिव बारात बुधवार को पहाड़ी मंदिर से निकाली गई। पिस्का मोड़ विश्वनाथ मंदिर में शिव-पार्वती का शुभ विवाह हुआ। पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार पर बने मंच से महासमिति के मुख्य संरक्षक सुबोधकांत सहाय, विधायक सी पी सिंह, संरक्षक कुणाल अजमानी , कुमार राजा, रंजन कुमार अध्यक्ष राजेश साहू, बादल सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं शिव-पार्वती के जीवंत स्वरूप को आरती कर बारात प्रस्थान हुआ। शिव भगवान अपने भूत प्रेतों के साथ कर्पूरगौरं करुणा अवतरं के रूप में नजर आये। भूत प्रेतों की टोली अपने स्वामी के बारात जाने की खुशी में नाचते और तांडव करते दिखे।

शिव तांडव ने सब का मनमोहा

इस बार मुख्य रूप से शिव तांडव, 21 लड़कियों के द्वारा काली तांडव, अघोरियों को तांडव नृत्य, भजन संध्या, छौ नृत्य, झारखंड का प्रसिद्ध ताशा पार्टी, मनमोहक प्रेम नृत्य ने सबका मनमोह लिया। पांच रथ जिसके घोड़ा सारथी थे, सभी में जीवंत रूप विराजमान रहे। सब मिला कर 14 से 15 गाड़ी के साथ हजारों हजार शिव भक्तों के साथ विश्वनाथ मंदिर पहुँचा।

बारात में ये लोग रहे शामिल

बारात में मुख्य संरक्षक सुबोधकांत सहाय, विधायक सी पी सिंह, संरक्षक कुणाल अजमानी, कुमार राजा, रंजन कुमार, सुमित सिंह, अध्यक्ष राजेश साहू, राजकुमार तलेजा, दीपक नंदा, बादल सिंह, गगन कुमार, शुभाशीष चटर्जी, उर्मिला चौधरी, स्वपना चटर्जी, पूनम जायसवाल, राजीव वर्मा, अमन सिंह, राम सिंह, कुमकुम गुप्ता, अनीश सिंह, कात्यानी जायसवाल, माही, प्रिया, अलका, अनुष्का,आयुष, प्रिंस, मयंक, श्रेया, रियांश आदि लोग साथ साथ चले। ये जानकारी प्रवक्ता बादल सिंह ने दी।

भक्तों पर पुष्प वर्षा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पहाड़ी मंदिर में राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव के नेतृत्व में आए हुए लाखों भक्तों पर सुबह 7:30 से लेकर दोपहर 3:00 तक पुष्प वर्षा कर पहाड़ी बाबा के दरबार में स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की शामिल हुए। कार्यक्रम में उमेश साहू, नितेश वर्मा, रंजन माथुर, अनुराग तिर्की, योगेश कुमार रॉक, रूपचंद केवट, आशीष प्रियदर्शी, नीरज गुप्ता, विकास सिंह, रोहित यादव उपस्थित थे।

रांची सदर अस्पताल में पहली बार ब्रेन की सफल जटिल सर्जरी

- बाहर में खर्च छह लाख के करीब आता, लेकिन सदर अस्पताल में उसे आयुष्मान के तहत निःशुल्क किया गया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सदर अस्पताल रांची में पहली बार ब्रेन की सर्जरी हुई। रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा। मरीज की उम्र 39 वर्ष है। अब वह अपना जीवन सामान्य रूप से व्यतीत करेगा। बतौर रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार दिसंबर 2024 में रांची के एक व्यक्ति की दुर्घटना में मस्तिष्क के ऊपर की हड्डी 15 सेंटीमीटर गुणा 15 सेंटीमीटर के एरिया में चकनाचुर हो गया था। उसने निजी अस्पताल में तब इलाज कराया था। लेकिन वह इलाज सफल नहीं रहा। उस व्यक्ति को परेशानी होने लगी। चक्कर आने लगा। जीवन असहज हो गया था। ऐसे में वह सदर अस्पताल में भर्ती हुआ। उसका आयुष्मान कार्ड था। आयुष्मान के तहत उसका इलाज किया गया। बाहर में खर्च छह लाख के करीब आता, लेकिन सदर अस्पताल में उसे आयुष्मान के तहत निःशुल्क किया गया।

रांची सिविल सर्जन में बताया कि मरीज को चोट के कारण खोपड़ी का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त था। उस हिस्से को कवर करते हुए टाईटेनियम प्लेट (जाली के रूप में) लगाया गया। टाईटेनियम बहुत मजबूत धातू है। सर्जरी के बाद अब रोगी कोई दिक्कत नहीं होगी। प्रभात कुमार ने बताया कि सदर अस्पताल रांची में किसी भी मरीज का आयुष्मान कार्ड तुरंत जनरेट हो जाता है और उन्हें इलाज में कोई खर्च नहीं आता। सर्जरी में डॉ अशोक मुंडा, डॉ नीरज, डॉ वसूधा (एनेस्थेटिस्ट), डॉ विकास वल्लभ, आनंद किशोर कुमार, लखन कुमार, प्रणव कुमार, नीरज, वसीम अकरम, सरिता, पूनम, नेली, रोज लकडा, स्नेहलता, रूंडा, सुशीता, मोहित आदि का सहयोग रहा। ऑपरेशन थियेटर में स्वयं रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार उपस्थित रहते हुए मॉनिटरिंग कर रहे थे।

तिसरी स्कूल में गया था प्रश्न पत्र का फटा बंडल

ठेकेदार फरार, 10 शिक्षकों से स्पष्टीकरण

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मैट्रिक परीक्षा का प्रश्नपत्र चोरी कर वायरल करने के मामले में हर दिन नये तथ्य सामने आ रहे हैं। यह भी बात सामने आयी है कि जिस बंडल से प्रश्नपत्र चोरी हुआ था, वह तिसरी गया था। इस मामले में मजदूर उपलब्ध कराने वाले ठेकेदार की पहचान कर ली गयी है। वह अभी फरार चल रहा है। प्रश्नपत्रों के बंडल को तिसरी के बीडीओ ने रिसीव किया और फिर तिसरी के बैंक में रखवा दिया। इसके बाद प्रश्नपत्रों के बंडल को तिसरी के अग्रवाला प्लस टू हाई स्कूल के केंद्राधीक्षक ने मजिस्ट्रेट के सामने रिसीव किया। बाद में बंडल को पूरा खोलकर परीक्षार्थियों के बीच प्रश्नपत्र बांटे गये। इस मामले में डीसी नमन प्रियश लकड़ा ने ब्रजगृह प्रभारी राहुल चंद्रा समेत दस शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा है। मामले की जांच पुलिस के साथ-साथ जिलाधिकारी द्वारा गठित एसआईटी भी कर रही है।

इस मामले में तिसरी के बीडीओ का कहना है कि बंडल काफी संख्या में थे, फिर प्रश्नपत्रों के बंडल को बैंक में जमा करा दिया गया। इस दौरान कोई बंडल फटा हुआ नहीं मिला। मामले को लेकर उक्त स्कूल के केंद्राधीक्षक घनश्याम गोस्वामी ने कहा कि उन्होंने शिक्षक चुनमुन यादव को बैंक से प्रश्नपत्र लाने के लिए अधिकृत किया गया था। जो प्रश्नपत्रों का बंडल मिला था, उसे सील कर दिया गया।

10 शिक्षकों से स्पष्टीकरण

डीसी ने ब्रजगृह प्रभारी राहुल चंद्रा से स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं डीसी के निर्देश पर जिला कोषागार पदाधिकारी ने स्ट्रांग रूम (शहरी जीविकोपार्जन केंद्र, गिरिडीह) में प्रश्नपत्र भंडारण के लिए तैनात 10 शिक्षकों से स्पष्टीकरण मांगा है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कार्यालय (जिला कोषागार) से जारी पत्र में कोषागार पदाधिकारी ने झारखंड बार काउंसिल, रांची द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक सैद्धांतिक परीक्षा से प्राप्त प्रश्नपत्रों को ब्रजगृह में भंडारण करने की जिम्मेदारी दी है। मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार वहां से प्रश्नपत्रों का पैकेट उतार कर भंडारण करने के दौरान एक मजदूर द्वारा प्रश्नपत्र की चोरी कर ली गयी है ऐसी स्थिति में स्पष्टीकरण दिया जाये कि क्यों न आपके विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाये।

ठेकेदार की पहचान कर ली गयी

इस मामले में मजदूर उपलब्ध कराने वाले ठेकेदार की पहचान कर ली गयी है। बताया जाता है कि नगर थाना क्षेत्र निवासी विक्की मिर्धा नामक व्यक्ति ने मजदूर उपलब्ध कराये थे। विक्की स्नान करने प्रयागराज गया था, उसी दौरान उसे मजदूरों द्वारा पेपर चोरी किये जाने की जानकारी मिली और वह गिरिडीह नहीं लौटा और अपना मोबाइल भी बंद कर लिया। पेपर लीक के इस मामले का खुलासा करने से पहले पुलिस विक्की की तलाश में उसके घर गयी थी। इसके बाद पुलिस ने झरियागादी, नगीना सिंह रोड और धनबाद में भी छापेमारी पर वह नहीं मिला।

केंद्रीय सरना समिति ने टीएसी मेंबर बनाये जाने पर नारायणा उरांव का किया स्वागत, दी बधाई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विभिन्न आदिवासी संगठनों के अगुवागणों ने केंद्रीय सरना समिति भारत के अध्यक्ष नारायण उरांव को टीएसी मेंबर बनाये जाने पर बधाई दी है। साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी टीएसी का गठन पर बधाई दी है। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि नारायण उरांव समाज के प्रति हमेशा संघर्षशील रहे हैं। वह सभी को साथ लेकर चलते हैं। टीएससी मेंबर बनाये जाने पर सभी जाति धर्म के लिए आशा की किरण बनेंगे। हम सभी आशा करते हैं कि वह सभी के हितों का ख्याल रखते हुए कल्याणकारी कार्य करेंगे। सभी समाज के अगुवागणों ने उन्हें बधाई दी है।

बधाई देने वालों में सुनील कच्छप, अमर उरांव, सोनू मुंडा, सोमनाथ उरांव, रजनी उरांव, सुखदेव उरांव, कुशल उरांव, हेमंत गाड़ी, बुधवा उरांव, सोमा लकड़ा, लक्ष्मण तिर्की, एतवा उरांव, चरकू उरांव इत्यादि शामिल हैं।

श्री श्याम मण्डल ने आयोजित किया शिवरात्रि महोत्सव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में बुधवार को श्री श्याम मण्डल के तत्वावधान में महाशिवरात्रि का भक्तिमय वातावरण में भव्य आयोजन किया गया। प्रातः से ही भक्तजनों की लंबी कतारें लग गयी। श्रद्धालु भक्त पंक्ति में खड़े होकर शिवलिंग पर जलाभिषेक कर मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए आतुर थे।

इस अवसर पर शंकर भगवान को दूध , शुद्ध जल , शहद , गन्ने का रस से अभिषेक कर शाम को उनका भव्य शृंगार किया गया।

संध्या 7 बजे श्री श्याम मण्डल के सदस्यों ने गणेश वंदना के साथ भक्तिमय संकीर्तन प्रारंभ किया। इस अवसर पर भोले बाबा को विभिन्न प्रकार के फल एवं मिष्ठान्न का भोग अर्पित किया गया। रात्रि 11 बजे आरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में चन्द्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, विवेक ढांढनीयां, प्रियांश पोद्दार, जितेश अग्रवाल, विकाश पाडिया, नितेश लखोटिया, राजेश सारस्वत, अमित जलान, अरुण धनुका का सहयोग रहा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी सुमित पोद्दार ने दिया।

रांची में नीट 2025 परीक्षा की तैयारी पर विशेष सेमिनार आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची के गोल संस्थान द्वारा आयोजित नीट-2025 परीक्षा की तैयारी पर केंद्रित सेमिनार ने छात्रों के समक्ष अंतिम दो महीनों की रणनीति स्पष्ट की। क्लासरूम में उपस्थित छात्रों ने इस महत्वपूर्ण सत्र में भाग लेकर परीक्षा के निर्णायक दौर में अपनी तैयारी को धार देने के गुर सीखें।

संस्थान ने स्पष्ट किया कि पाठ्यक्रम पूर्ण हो चुका है और स्कोर-अप द्वारा रिवीजन, टेस्ट सीरीज, एआईटीएस, स्पॉट और डीपीपी के द्वारा छात्रों की प्रगति का आकलन कर रही है। यह समय छात्रों के लिए अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन्हें दूर करने का है। गोल संस्थान के फाउण्डर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर बिपिन सिंह ने छात्रों को एनसीईआरटी पर केंद्रित रहने की सलाह दी। यह अंतिम समय नई पुस्तकों या अवधारणाओं को सीखने का नहीं, बल्कि पहले से सीखे गए ज्ञान को सुदृढ़ करने का है।

अंतिम दो माह छात्रों के लिए निर्णायक कदम

नियमित टेस्ट सीरीज : किसी प्रतिष्ठित संस्थान के मार्गदर्शन में टेस्ट सीरीज में भाग लेना अनिवार्य है। यह परीक्षा के दबाव को समझने और समय प्रबंधन को सुधारने में सहायक होगा।

विश्लेषण : केवल टेस्ट देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि टेस्ट पेपर और प्रैक्टिस बुक के प्रश्नों का विश्लेषण करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अपनी गलतियों से सीखें और उन्हें दोहराने से बचें।

पैटर्न के अनुसार अभ्यास : नीट के नवीनतम पैटर्न (180 प्रश्न) के अनुसार नियमित रूप से अभ्यास करें। इससे परीक्षा के दिन आप परिचित महसूस करेंगे।

अतिरिक्त सामग्री से बचें : अब नई अतिरिक्त पुस्तकों या एनसीईआरटी से बाहर के अध्यायों को पढ़ने से बचें। यह समय पहले से ज्ञात अवधारणाओं को मजबूत करने का है।

रिकॉल/मिस्टेक डायरी : अपनी रिकॉल या मिस्टेक डायरी को अपडेट रखें और नियमित रूप से उसका पुनरावलोकन करें।

विषयवार रणनीति

फिजिक्स : कॉन्सेप्चुअल प्रश्नों पर ध्यान केंद्रित करें और फॉर्मूला डायरी का नियमित रूप से पुनरावलोकन करें।

केमिस्ट्री : फिजिकल केमिस्ट्री में न्यूमेरिकल प्रैक्टिस और ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में रिएक्शन मैकेनिज्म, विशेषकर एनसीईआरटी में दिए गए नए रिएक्शंस का अभ्यास करें। इनऑरगेनिक कैमिस्ट्री में पीटी, केमिकल बॉन्डिंग और को-ऑर्डिनेशन कंपाउंड पर ज्यादा ध्यान दें।

बायोलॉजी : एनसीईआरटी आधारित प्रश्नों, डायग्राम, समरी और ब्लू बॉक्स में दिए गए जानकारी पर विशेष ध्यान दें।

* तीनों ही विषय (फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी) में असर्शन और रीजन, स्टेटमेंट आधारित और मैच द फॉलोइंग प्रश्नों का नियमित अभ्यास करें।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य : योग और प्राणायाम के माध्यम से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखें ।

श्री बिपिन सिंह द्वारा साझा की गई रणनीतियां अंतिम दो महीनों में छात्रों को अपनी तैयारी को सुव्यवस्थित करने में मदद करेंगी। परीक्षा में सफलता के लिए निरंतर अध्ययन, अभ्यास और मानसिक शांति आवश्यक है। छात्रों को इस महत्वपूर्ण समय में तनाव से बचकर सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए। यह अंतिम चरण है, और सही दिशा में किए गए प्रयास निश्चित रूप से सफलता दिलाएंगे

क्युरेस्टा हॉस्पिटल में बॉकडेलक हर्निया का सफल ऑपरेशन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डाल्टेनगंज निवासी रजिउल्लाह राजी को गंभीर अवस्था में रांची के क्युरेस्टा हॉस्पिटल मे जब लाया गया, तब वह असहनीय दर्द और पेट की पीड़ा से परेशान था। मरीज को सांस लेने में भी मुश्किल हो रहा था।

लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ रमेश दास और उनकी टीम ने तुरंत उपचार शुरू किया। सिटी स्कैन किया गया तब पता चला कि डायफ्राम में छेद है। जिसकी वजह से लंग्स पर काफी दबाव था और मरीज के पेट के अन्दर के हिस्से जैसे लीवर, किडनी और आंत ऊपर हृदय के तरफ घसक गये थे। जिससे फेफड़े पर दवाब बन रहा था और मरीज को सांस लेने में परेशानी हो रही थी।

लगभग 4 घंटे तक चले इस जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। इस जटिल सर्जरी मे लैपरोस्कॉपिक सर्जन डॉ ओम प्रकाश की अहम भूमिका रही। अब मरीज कि हालत पहले से काफी बेहतर है और स्वास्थ मे तेजी से सुधार हो रहा है।

खबर एक नजर में

राज्यपाल से मिले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा सदस्य बाबूलाल मरांडी ने राज भवन में भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच राज्य की बेहतरी पर चर्चा की गयी।

इलेक्ट्रो ब्लास्टर्स टीम प्रो सीताराम शर्मा मेमोरियल के सेमीफाइनल में

रांची। प्रोफेसर सीताराम शर्मा मेमोरियल ट्रॉफी, फैकल्टी क्रिकेट लीग- 2025 बीआईटी मेसरा में बुधवार को मैच 4 ग्रुप बी- इलेक्ट्रो ब्लास्टर्स बनाम कंप्यूटर सुपर किंग्स का आयोजन किया गया। इलेक्ट्रो ब्लास्टर्स के कैप्टन कार्तिक ने टॉस जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। कंप्यूटर सुपर किंग्स का स्कोर 12 ओवरों में 93/6 रहा। इसके जवाब में इलेक्ट्रो ब्लास्टर ने ओपनर अरविंद स्कोरिंग 17 के साथ अच्छी तरह से शुरूआत की। इलेक्ट्रो ब्लास्टर ने 5 विकेट से मैच जीता। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए इलेक्ट्रो ब्लास्टर्स के कप्तान कार्तिक महतो को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

शिव शिष्यों ने किया संकीर्त्तन का आयोजन

रांची। महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवशिष्यों द्वारा पुराना विधान सभा मैदान में भगवान शिव की पूजा-अर्चना के साथ अहर्निश शिव संकीर्त्तन अष्टयाम प्रारंभ हुआ। हर भोला,हर शिव के नाम की धूनी के साथ मंत्रोच्चार से माहौल सुवासित हो उठा। आयोजन समिति के अध्यक्ष शिव कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि आये हुए आगंतुकों और श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। वैश्विक शिवशिष्य परिवार की ओर से निःशुल्क चिकित्सा शिविर भी लगाया गया है। होमियोपैथीक चिकित्सा शिविर भी लगाया गया। इस आयोजन में शिवशिष्य हरीन्द्रानंद फाउंडेशन के अध्यक्ष बरखा आनन्द एवम शिवशिष्य परिवार के सचिव अभिनव आनन्द उपस्थित थे। कार्यक्रम के उपरान्त खिचड़ी का प्रसाद सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जाएगा। यह जानकारी कन्हैया सिंह ने दी।

बेड़ो में खुला आदर्श अकेडमी कोचिंग सेंटर

बेड़ो। बेड़ो थाना के सामने में बुधवार को आदर्श एकेडमी कोचिंग सेंटर का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के पूर्व कुलपति डा रविंद्र नाथ भगत ने फीता काट कर किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक के मार्गदर्शन व मेहनत से कोचिंग सेंटर छात्रहित में मील का पत्थर साबित होगा। कोचिंग सेंटर संचालक अभिजीत राज ने बताया की बेड़ो में सीबीएसई, आईसीएसई व जैक बोर्ड का कोचिंग सेंटर नही होने के कारण विद्यार्थियों को दूर जाना पढ़ता था, जिसको देखते हुए बेड़ो में कोचिंग सेंटर खोलने का निर्णय लिया। इस कोचिंग सेंटर के शिक्षकों में अभिजीत कुमार राज,आशीष रंजन, आशीष कुमार,दशरथ लकड़ा, प्रियंका राज,शिवेंद्र सौरभ होंगे। मौके पर प्रो इंद्र मोहन राय, राजेंद्र महतो, महेंद्र महतो, अफिंद्र महतो, राजकुमार महतो, प्रवीण कुमार, अंकित सोनी, राजेश कुमार, राधा देवी, प्रमिला देवी, गीता कुमारी सहित कई लोग मौजूद थे।

डिवाइडर से टकराकर बाइक नदी में गिरी, पत्नी की मौत पति गंभीर

कोडरमा। चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरी नदी पुल पर बुधवार सुबह करीब 10 बजे मोटरसाइकिल की टक्कर डिवाइडर से होने के बाद मोटरसाइकिल पर सवार पति-पत्नी पुल के नीचे नदी में जा गिरे। जिसमें पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घायलों की पहचान नालंदा जिला निवासी सर्वेश कुमार और व उनकी पत्नी संजू सिंह के रूप में हुई है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही चंदवारा पुलिस मौके पर पहुंच की घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज दौरान गंभीर रूप से घायल महिला संजू प्रसाद सिंह की मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप पति सर्वेश कुमार का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार मृतका बरही अनुमंडल अस्पताल में बतौर एएनएम कार्यरत थीं। वहीं बरही अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक प्रवीण कुमार ने बताया कि संजू पिछले हफ्ते महाकुम्भ जाने की छुट्टी ली थी। जिसके बाद उसे आज अपनी ड्यूटी वापस जॉइन करनी थी। वे अपने पति के साथ नालंदा से बरही ड्यूटी जॉइन करने आ रही थी, इसी बीच सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका के पति हेलमेट पहनकर मोटरसाइकील चला रहे थे, इसी कारण उसकी जान बच गई। वहीं ग्रामीणों का कहना था कि 108 नंबर पर कॉल करने के बाद एंबुलेंस व पुलिस लगभग एक घंटा विलंब से पहुंचने के कारण महिला की मौत हो गई।

महाशिवरात्रि के पहले दिन 50 हजार से अधिक शिवभक्तों ने किया जलाभिषेक

- महाशिवरात्रि का इतिहास काफी पौराणिक है : महामंडलेश्वर

उमा शंकर

कोडरमा। महाशिवरात्रि के मौके पर ध्वजाधारी धाम में आयोजित दो दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव के पहले दिन पहाड़ की चोटी से लेकर तलहटी तक शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। वहीं बम-बम भोले, हर-हर महादेव, जय भोलेनाथ का जय घोष करते हुए देर शाम तक भक्तों ने भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा अर्चना कर मंगल कामना की, तो वहीं 777 सीढ़िया चढ़कर पहाड़ की चोटी पर अवस्थित शिवलिंग का जलाभिषेक किया। एक अनुमान के मुताबिक शिवरात्रि के पहले दिन करीब 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया।

इसके पूर्व सुबह करीब 10 बजे दो दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव का उद्घाटन धाम के मुख्य महंत महामंडलेश्वर सुखदेव दास जी महाराज, केंद्रीय मंत्री महिला बाल विकास मंत्रालय अन्नपूर्णा देवी, कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव, जिप अध्यक्ष रामधन यादव ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष कांति देवी, भाजपा नेता रमेश सिंह, मनोज कुमार झुन्नू, गजेन्द्र राम, सुभाष बर्णवाल, जिप सदस्य महेंद्र प्रसाद यादव, काशी पंडित, विजय सिंह, यमुना यादव, विनोद कुमार मुन्ना, सुनील यादव, यमुना यादव, रामचंद्र यादव, मनीष कुमार, टींकू कुमार, पार्थ मिश्रा, इंद्रदेव यादव, अशोक यादव, राजकुमार साव, शशि सिंह, चंदन कुमार, मुरारी यादव, सहदेव यादव, सुरेश यादव, सुखदेव यादव, गोपाल यादव, गोबिंद यादव, सिकन्दर साव, संदिप साव, कारू सिंह, शुभम शर्मा, उत्तम चन्द्र, अंकुश सिंह, गौरी बर्णवाल सहित भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

महाशिवरात्रि का इतिहास काफी पौराणिक है : ध्वजाधारी धाम के मुख्य महंत महामंडलेश्वर सुखदेव दास जी महाराज ने कहा कि शिवरात्रि का इतिहास काफी पौराणिक है, सदियों से शिवरात्रि मनाने की परंपरा चली आ रही है। यह काफी सुखद अनुभूति है कि प्रयागराज में विश्व का सबसे बड़ा अनुष्ठान महाकुंभ का आज समापन हो रहा है, तो दूसरी ओर कर्दम ऋषि के तपोवन भूमि में शिवरात्रि का शुभारंभ हो रहा है। वहीं उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि विधि व्यवस्था बनाये रखते हुए महोत्सव का आनन्द लें, उन्होंने कहा कि देवों के देव महादेव को शिवरात्रि बेहद प्रिय है, ऐसे में सच्चे मन से जो भी भक्त इस दिन भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की पूजा अर्चना करते हैं तो उन्हें भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

आने वाले दिनों में ध्वजाधारी महोत्सव आयोजन करने का प्रयास किया जाएगा : कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि ध्वजाधारी पहाड़ की महिमा अपरंपार है, जो भी भक्त यहां सच्चे मन से मत्था टेकते हैं, उनका झोली खुशियों से भर जाती है। वहीं उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इटखोरी महोत्सव की तर्ज पर ध्वजाधारी महोत्सव मनाया जाएगा। इसके लिए वे प्रयासरत हैं, ताकि इस ऐतिहासिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। वहीं विधायक ने श्रद्धालुओं को शिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महोत्सव के दौरान शांति व्यवस्था बनाये रखें, उन्होंने महाकुंभ की चर्चा करते हुए कहा कि देश की आधी आबादी से अधिक लोगों ने प्रयागराज जाकर कुम्भ स्नान कर चुके हैं, हम सबों को अपनी संस्कृति और सभ्यता को बरकरार रखने की जरूरत है।

कई जिलों से पहुंचे श्रद्धालु, मुंडन संस्कार भी हुआ : महाशिवरात्रि के मौके पर कोडरमा समेत हजारीबाग, चतरा, गिरिडीह और बिहार राज्य के सीमावर्ती जिला नवादा और गया से भी भारी संख्या में श्रद्धालुगण पहुचे।

स्पीड न्यूज

महाशिवरात्री भक्ति भाव के साथ हुआ संपन्न

अनगड़ा। महा शिवरात्री का त्यौहार बुधवार को अनगड़ा के विभिन्न इलाकों में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ । इस मौके पर श्रद्धालुओं ने विभिन्न मन्दिरों पर भगवान शिव और पार्वती की आराधना की। रामदगा में रामदगा मन्दिर से शिव जी की बारात निकाली जो गेतलसूद गांव तक गया और पुनः रामदगा गांव वापस हो गया। मन्दिरों को अकर्षक ढंग साज सज्जा किए गए थे।

हर्षोउल्लास के साथ किया गया शिव पूजा

सोनाहातू। राहे प्रखंड क्षेत्र में धूमधाम से महाशिवरात्रि पर्व को मनाया गया। सभी शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। श्रद्धालु कतारबद्ध होकर शिवलिंग पर जलाभिषेक किये। राहे प्रखंड के प्रसिद्ध शिवटँगरा शिव मंदिर, विसना बाबा मंदिर, सोलह आना समिति मंदिर में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। सबसे अधिक भीड़ शिवटँगरा मन्दिर पुरानानगर-महेशपुर में रही। श्रद्धालुओं ने यहां मन्नत पूरी होने पर बकरे का बलि दिया। मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी मन्नत जरूर पूरी होती है। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालू बकरे की बलि देते है। मेला में कई सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा भक्तों के लिए चना का वितरण किया गया। रात में बंगाल के प्रसिद्ध छऊ नृत्य मंडली द्वारा नृत्य किया गया। आयोजन को लेकर मंदिर समिति के सभी सदस्य सक्रिय रहे। समाजसेवी के द्वारा श्रद्धालुओं के लिये सेड, शर्बत, चना, गुड़ आदि की व्यवस्था किया गया था। इधर सोनाहातू प्रखंड के काला महादेव सोनाहातू, नीलकंठ धाम जामुदाग, शिव मंदिर हारिन, त्रिवेणी संगम शिव मंदिर महातीर्थ सतीघाट, शिव मंदिर पातरीपीड़ी बिरडीडीह, महादेव बेड़ा पण्डाडीह, गेडिया महादेव बाबा मारांगकिरी, शिव मंदिर बारेंदा, शिव मंदिर उलीडीह, शिव मंदिर दुलमी आदि जगहों पर लोगो की काफी भीड़ रही।

रोड किनारे खडे ट्रक को बाइक सवार ने ठोका एक की मौत

सिल्ली। सिल्ली रांची मुख्य पथ पर बुधवार की शाम 7:30 बजे लोवापीड़ी गांव के पास सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक को मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक सिल्लीडीह निवासी दशरथ लोहरा एवं उनके दोस्त टुटकी निवासी सपन करमाली दोनों शिवरात्रि पुजा देख कर सिल्ली डीह वापस लौट रहे थे इस क्रम मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो कर खड़े ट्रक से जोरदार टक्कर मारी जिससे दशरथ दोहरा (21)की मौत हो गई। वहीं सपन करमाली गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका सिल्ली सामुदायिक अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर चिकित्सा के लिए रिम्स रेफर कर दिया।

शिव हनुमान मन्दिर का वार्षिकोत्सव कलश यात्रा के साथ प्रारम्भ

अनगड़ा। प्रखंड के सिरका गांव मे शिव-हनुमान मंदिर का तीन दिवसीय तृतीय वार्षिकोत्सव बुधवार को कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। इस मौके पर 501 महिलाओं ने कलश शोभा यात्रा निकाली। मुख्य अतिथि सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष जैलेन्द्र कुमार, जिप सदस्य अनुराधा मुंडा, सिरका मुखिया रौशनलाल मुंडा, पंसस सावित्री देवी, डॉ अमर कुमार ने कलश देकर यात्रा का शुभारम्भ किया। महिलाओं ने दस किलोमीटर की पैदल यात्रा कर गेतलसूद डैम स्थित स्वर्ण रेखा नदी से कलश में जल भरकर ग्राम भ्रमण करते हुए मंदिर परिसर पहुंचे। सभी धार्मिक अनुष्ठान आचार्य सूर्य नारायण पाठक व कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी के द्वारा कराया जा रहा है। तीन दिनों तक चलने वाले अनुष्ठान 28 फरवरी को पूणार्हुति व भंडारा के साथ सम्पन्न होगा। कलश यात्रा में भाजपा नेता अजय महतो, नरेश साहू, जयशंकर मुंडा, बलराम महतो, साहेबराम महतो, इत्यादि शामिल थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं. : टीआरडी-आरएसी-24-25-12, दिनांक 25.02.2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व रेलवे, राँची द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: कार्य का संक्षिप्त विवरण: राँची मंडल के तहत हाई रेटेड (1600V) द्वारा लो रेटेड आइसोलेटरों की बदली। कार्य का अनुमानित मूल्य: रु. 45,89,938.58, धरोहर राशि/बोली प्रतिभूति: रु. 91,800/-, अंतिम तिथि और समय: दिनांक 19.03.2025 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में देखा जा सकता है। निविदाकार/बोलीदाता के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट रहना चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल पर जरूर पंजीकृत रहें। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा प्रणाली में भाग लेते समय सभी संबंधित कागजात निविदाकार द्वारा निविदा कागजात के साथ अपलोड किए जाएं। (PR-1182)

भगवान शिव की बारात भूत पिशाच पर पुष्पवर्षा

तिलक लगाकर महिलाओं ने की शिव का स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

शिव बारात की स्वागत में उमड़ी महिलाएं।

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र में महाशिव रात्रि पूजा व शिव बारात धूमधाम से मनाा गया। क्षेत्र के सभी शिवालयों में पूजा व जलाभिषेक करने को लेकर सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी थी। वहीं शिवभक्ति समिति चुटूपालू खीराबेड़ा द्वारा भव्य शिवबारात निकाली गई। भागवान शिव के बारात में बराती बने भूत पिशाच बाजे-गाजे के साथ दोहाकातु स्थित शिव मंदिर से निकली और चुटूपालू बाजार चैक स्थित शिव मंदिर पहुंची। भगवान शिव के साथ राम, लक्ष्मण, हनुमान सहित अघोरी, भूत पिशाच सहित बारात में शामिल सभी लोगों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। वहीं महिलाओं द्वारा भगवान शिव की आरती तिलक कर स्वागत किया गया। वहीं बारात में शामिल भक्तों द्वारा हर हर महादेव की जयघोष की जा रही थी। शिव बारात को देखने व स्वागत में महिलाओं की भीड़ उमड़ी थी। इसके अलावे महा शिवरात्रि पूजा के अवसर पर कालेश्वर महाकालेश्वर धाम गगारी व ओरमांझी थाना में पूजा व भंगडारे का आयोजन किया गया। शिव बारात में बिनोद गुप्ता, सुरेंद्र सिंह सिंधी, धनंजय सिंह, अजय सिंहा, विजय कुमार मिश्रा, मनोज साहू, राजु सिंह, अध्यक्ष सुरेंद्र महतो, सचिव सुरेंद्र सिंह व कोषाध्यक्ष नितेश साहू, विनोद महतो, अक्षय ठाकुर, बासुदेव ठाकुर, कुलदीप महतो, बालकिशुन बेदिया, मंत्री प्रदीप महतो, किशोर बेदिया, संजय सिंह, अनुज शर्मा सहित काफी संख्या में महिलाए शामिल थें।

प्रखंड में महाशिवरात्रि पर उत्साहित दिखे सनातनी

भगवान शिव की बारात में उमड़ा आस्था का सैलाब

- भजन-कीर्तन से गुंज उठा क्षेत्र
- चारों तरफ भंडारे की रही धूम

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। महाशिवरात्रि को लेकर सनातन धर्मावलंबी उत्साहित दिखे। क्षेत्र के शिव मंदिरों को आकर्षक तरीके से सजाया गया था। रंग-बिरंगी विद्युत सजावट भी की गयी थी। झखराटांड़ से पावर हाउस शिव मंदिर और आमटांड़ में दो जगह से चिंताहरण शिव मंदिर, काठीटांड़ तक भगवान शिव की भव्य बारात निकाली गयी। इसमें आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। 24 घंटे के अखंड हरिकीर्तन से माहौल गुंज था। रुद्राभिषेक व श्रृंगार के बाद शिव-पार्वती का विवाह संपन्न हुआ। महाभंडारे में भारी भीड़ उमड़ी। इधर, शिवरात्रि पर थाना गुलजार रहा। भजन-कीर्त्तन पर लोग झूम उठे। प्रसाद का भी वितरण किया गया। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुये।

बारात में थे शामिल

महेश महतो, संजय सिंह, मोहन साहू, राजकिशोर केशरी, दिलबोधन साहू, मुन्ना साहू, प्रदीप पटेल, रामनरेश साहू, सर्वेश सिंह, बिंदेश्वरी पाठक, सुनिल प्रसाद, अमित कुमार, अभिषेक कुमार, अमित चौबे, राजेश सिंह, जितेंद्र शर्मा, संजय मिश्र, वी चतुर्वेदी, सोनू अग्रवाल, मनीष कुमार, सत्येंद्र सिंह, इंद्रनाथ साहू, परमानंद कश्यप, दीपक श्रीवास्तव, लाल सुनिल नाथ शाहदेव, गिरधारी अग्रवाल, पिंटू शर्मा, गुलशन हिंदुस्तानी, एसडी सिंह, उपेंद्र सिंह, विक्की सिंह, अभिषेक कुमार, शिवपूजन साहू, जेएन पांडेय, राजकुमार वर्मन, जगदीश साहू, हजारी प्रसाद व विक्रम कुमार आदि।

नेट परीक्षा पास करने पर इफ्फत आरा को आजसू ने दी बधाई

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। प्रखण्ड के हेसल गांव निवासी इफ्फत आरा पति मो अंसार अंसारी ने यूजीसी नेट पात्रता परीक्षा में शानदार सफलता अर्जित की है। उनकी इस कामयाबी पर मंगलवार को आजसू नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने घर जाकर उन्हें बधाई दी। और शॉल ओढ़ाकर नेताओं ने उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर आजसू बुद्धिजीवी मंच के जिलाध्यक्ष सज्जाद आलम ने कहा कि इफ्फत ने यह कामयाबी हासिल कर समाज और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मौके पर आजसू के केंद्रीय सचिव राजेन्द्र शाही मुण्डा, केंद्रीय सदस्य विरेंद्र सिंह भोगता, जगरनाथ महतो, सुनील करमाली, अर्जून राम, गोवर्धन महतो, आकाश कुमार आदि उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

पैथोलैब कर्मी था सेंपल कलेक्शन कर लौट रहा था

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। बीआईटी मेसरा थाना क्षेत्र बुधिया बागान के समीप रिंग रोड हुई एक सड़क दुर्घटना में एक 32 वर्षीय बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान हाई फैथोलेब बुटी के कर्मी गिरजा कुमार शुक्ला के रूप में हुई है। वह बिहार के जिला मधुबनी हरलाखी गांव निवासी सूर्यदेव शुक्ला बेटा था, और वर्तमान में वह बुटी में एक किराए की माकन में पत्नी संगीता कुमारी व दो छोटे-छोटे बच्चों के साथ रहता था। प्रत्येक दिन की तरह वह सैंपल कलेक्शन करने गया था, लौटने के दौरान एक टेंकर ओवरटेक करते हुए बाइक को ठोकर मार दिया। जिससे वह बाइक सहित टेंकर के आगे फेका गया। बताया गया कि दुर्घटना के बाद बाइक टंकर में फंस गया था, और कुछ दूर तक वह बाइक सहित घसिटता रहा। इस दुर्घटना में हेलमेट भी चूर हो गया और युवक का माथा बुरी तरह से कुचल गया था। जानाकरी मिलने पर पहुंची मेसरा थाना पुलिस द्वारा लोगों से घटना की जानकारी ली, और पंचनामा कर शव को पोस्मार्टम के लिए भेज दिया गया। थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया टोल गेट की सीसीटीवी की मदद से टेंकर का पता लगाने का प्रयास की जा रही है। साथ ही बाइक चलाने वालों से बेहतर कंपनी का हेलमेट पहनने की अपील करते हुए कहा दुर्घटना के बाद हेलमेट चूर हो गया था। बेहतर हेलमेट रहने से जान भी बच सकती थी।

श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का किया आराधना

महादानी मंदिर बेड़ो में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

महादानी मंदिर में पूजा करते हुए।

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को भगवान शिव की पूजा अर्चना व जलाभिषेक को लेकर मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मुख्यालय के प्रसिद्ध महादानी मंदिर, मुड़हर पहाड़ व हरिहरपुर जामटोली पहाड़ सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों के शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में लोगों ने व्रत रख कर आस्था पूर्वक भगवान शिव की पूजा व आराधना किया। वहीं श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक व दुग्धा भिषेक किया। इसके बाद अक्षत, चंदन व बिल्वपत्र आदि से पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि और मनो वांछित फल की कामना किया। प्रातः काल से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस अवसर पर शिवालयों व शिवलिंग को आकर्षक ढंग से सजाया गया। मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन ही भगवान शिव व मां पार्वती का विवाह हुआ था। मंदिर परिसर में भक्तों की काफी लंबी कतार देखी गई। महापर्व शिवरात्रि में प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में भक्तिमय माहौल बना रहा। इधर 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन व भंडारे का आयोजन किया गया। साथ ही संध्या में ढोल, नगाड़े व गाजे -बाजे के साथ भगवान शिव की आकर्षक व भव्य बारात निकाली गई। जो बेड़ो का नगर परिभ्रमण करते हुए महादानी मंदिर परिसर में पहुंचकर एक धार्मिक समारोह में बदल गया।

सरना समिति एवं आदिवासी बुद्धिजीवी मंच ने नए थाना प्रभारी का किया स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। सरना समिति एवं आदिवासी बुद्धिजीवी मंच के लोगों ने खलारी के नये थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जयदीप टोप्पो से बुधवार को शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान मंच के लोगों ने उन्हे पुष्प गुच्छ देकर एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। साथ ही पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। वहीं मंच की ओर से कहा गया कि नये थाना प्रभारी खलारी की जनता को भयमुक्त वातावरण देने एवं पुलिस प्रशासन एवं आमजन के बीच समन्वय स्थापित करने काम करेंगे। इस मौके पर चुरी मध्य पंचायत मुखिया सुनीता देवी, रंथू उराँव, बहुरा मुण्डा, राजकुमार उराँव, मंटू मुण्डा, किशुन मुण्डा, सुभाष उराँव, योगेन्द्र मुण्डा, लालचंद विश्वकर्मा, पंकज मुण्डा, अमर भोगता, सतीश गझू, बादल गझू, रंजीत उराँव सहित अन्य उपस्थित थे।

भक्तो ने की शिवालयों में पूजा अर्चना

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। इटकी क्षेत्र में बुधवार को महाशिवरात्रि के मौके पर शिवालयों में पूजा अर्चना की गई और शिव बारात निकाली गई। सुबह से ही इटकी के मुख्य शिवालय, नया तलब स्थित रुद्र महाकाल शिव मंदिर, हरही स्थित गंगा जल शिव मंदिर, नारी स्थित महादेव टंगरा शिवालय सहित अन्य मंदिरों में पूजा करने वालों की भीड़ लगी रही। रुद्र महाकाल मंदिर में रुद्राभिषेक और भंडारा का आयोजन किया गया। वहीं शाम में धर्म जागरण मंडली बनियाटोली द्वारा धूम धाम से शिव बारात निकाली गई। इधर मुख्य बूढ़ा शिवालय में पंडित शत्रुघ्न पांडे के नेतृत्व में भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।

मौके पर अमित महतो, दिवाकर साही, मनोज महतो, जितेंद्र महतो, कमेश बर्मन, कृष्णा राम तिवारी, अजीत केशरी, आलोक केशरी, शिशु गोप, अजय गोप, प्रकाश महतो सहित अन्य मौजूद थे।

रातू : नाबालिग समेत आरोपित गिरफ्तार

रातू। पुलिस ने 21 फरवरी की शाम डीएवी हेहल में परीक्षा लिखने के बाद प्रेमी संग फरार इंटर की छात्रा और आरोपित अनुज खलखो को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नगड़ी थाना क्षेत्र के सोपारम निवासी भगत खलखो का पुत्र है। मूलतः उसका परिवार हिंसरी के हैं। कुछ दिन पूर्व वह तिगरा गंगाटोली में रहते थे। छात्रा नाबालिग है। उसने पुलिस को बताया कि दोनों एक दूसरे को चाहते हैं और साथ जीने-मरने की कसमें खायी है। उसने आरोपी को निर्दोष बताते हुये कहा कि वह अपनी इच्छा से उसे लेकर गयी थी। मामले को लेकर छात्रा के पिता ने घटना के तीसरे दिन रातू थाने में आरोपी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है। उस पर नाबालिग को शादी का झांसा देकर अपहरण कर लिये जाने का आरोप है।

मंदिरो मे श्रद्धालुओं की लगी लंबी कतारे

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर/चान्हो। प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को महाशिवरात्रि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। मांडर प्रखंड के गौरी शंकर स्थित शिव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारे देखी गई। गौरी शंकर में पूजा करने पहुंचे भाजपा के युवा नेता सन्नी टोप्पो ने क्षेत्र वासियों के सुख समृद्धि खुशहाली और विकास की कामना की और महादेव से सब का कल्याण करने की प्रार्थना की। पौराणिक कथाओं में यह भी कहा गया है कि महाशिवरात्रि शिव और माता पार्वती के मिलन का प्रतीक है। फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवजी ने वैराग्य का त्याग कर गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया और माता पार्वती से विवाह किया। इसी कारण, हर वर्ष शिव-गौरी के विवाह उत्सव के रूप में महाशिवरात्रि का आयोजन किया जाता है।

पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाई गई महाशिवरात्रि

कोयलांचल मे गाजे बाजे के साथ निकाली गई शिव बारात

खबर मन्त्र संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आस पास के ग्रामीण इलाकों में बुधवार को महाशिवरात्रि का त्यौहार धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर क्षेत्र के मन्दिरो में श्रद्धालु भक्तों की काफी भीड़ देखी गई। बचरा सहित आसपास के सभी ग्रामीण इलाकों में महाशिवरात्रि का उत्साह देखा गया। जानकारी के अनुसार बुधवार की अहले सुबह से सभी मंदिरों में श्रद्धालु भक्तों की भीड़ देखी गई। श्रद्धालु भक्त मंदिर प्रांगण जाकर भगवान शिव की विधिवत पूजा अर्चना की। दोपहर में पूरे गाजे-बाजे के साथ शिव जी की बारात निकाली गई। बचरा चार नंबर चौक स्थित जय बाबा सिद्धेश्वर नाथ शिव मंदिर के प्रांगण में लोगों की काफी भीड़ पूजा अर्चना के लिए देखी गई। वहीं बचरा शिव मंदिर में चल रहे 24 घंटे का अखंड कीर्तन का समापन किया गया, जिसके बाद संध्या मे शिव बारात निकाली गई। शिव बारात में काफी संख्या में आसपास के लोग शामिल हुए। शिव बारात पिपरवार क्षेत्र के बचरा बसंत बिहार कॉलोनी, माईन्स कॉलोनी, टीएच कॉलोनी, अशोक विहार कॉलोनी, बचरा चार नंबर चौक, बस स्टैंड चौक, थाना चौक, पटेल चौक, बाजारटांड़ आदि जगहों का भ्रमण किया। जिसके के बाद देर रात को मंदिर प्रांगण में शिव विवाह का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर कमेटी के सभी सदस्य शामिल हुए। मंदिर कमेटी के द्वारा सभी श्रद्धालुओ के बीच प्रसाद का भी वितरण किया गया। कई सीसीएल अधिकारी, श्रमिक प्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि व स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए। इसके अलावा कोयलांचल क्षेत्र के राय शिव मंदिर से भी पूरे गाजे-बाजे व झांकी के साथ शिव बारात निकाली गई। कमेटी के द्वारा शिव बारात में झांकी भी प्रस्तुत की गई। शिव बारात में भारी संख्या में लोगों की भीड़ देखी गई। इसके साथ ही कोयलांचल क्षेत्र के है बेती, किचटो, बहेरा, कारो, कल्याणपुर, चिरैयाटांड़, बिलारी, बचरा बस्ती, हौसीर, पुरानी राय, बमने चुरी सहित अन्य जगहों पर धूमधाम और गाजे-बाजे के साथ शिव बारात निकाली गई। महाशिवरात्रि को लेकर सुरक्षा का पुख्ता इंतेजाम देखा गया। पिपरवार पुलिस के द्वारा थाना क्षेत्र के सभी शिव मंदिरों के बाहर पुलिस बल के जवानों की तैनाती की गई थी। साथ ही साथ शरारती तत्व और मनचलों पर कड़ी नजर रखी गई।

खबर एक नजर में

बिजली तार के चपेट में आने से युवक की मौत

अनगड़ा। बिजली के चपेट में आने से रेशम बनादाग निवासी बालचन्द मुन्डा नामक युवक की मंगलवार को मृत्यु हो गयी। बताया गया कि युवक बारी में लगे फसल का पटवन कर रहा था। इस बीच बिजली का नंगा तार के चपेट में आ गया। परिजनों ने तत्काल उसे अनगड़ा पीएचसी ले गए जहां चिकत्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

कूआं से एक अज्ञात महिला का किया शव बरामद

बेड़ो। नरकोपी पुलिस ने बुधवार को दोपहर करीब तीन बजे इसी थाना क्षेत्र के मुकुंदा गांव के एक कच्चा कूआं से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया है। घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इस संदर्भ में नरकोपी थाना प्रभारी नागेश्वर साव ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद वे सदल बल घटनास्थल पर पहुंचे। साथ ही घटनास्थल से शव बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि मृतका महिला काला रंग का जींस ,सफेद ब्लू रंग का टॉप व काला रंग का लेदर जैकेट पहनी हुई है। अभी मृतका की पहचान नहीं हुई है। पुलिस मृतका की पहचान करने में जुटी है। मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए गुरुवार को रिम्स भेजा जाएगा। पुलिस मामले की गहराई से तहकीकात कर रही है।

हनुमान मंदिर का भूमिपूजन कार्यक्रम सम्पन्न

ठाकुरगांव। थाना क्षेत्र के उरुगुद्धू महतोटोली गांव में बुधवार को हनुमान मंदिर का भूमिपूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। भूमिपूजन आचार्य अरविंद वैद्य के मंत्रोच्चारण के बीच यजमान जगु महतो व मनोज महतो सपत्नी ने संपन्न किया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि जिप सदस्य सुषमा देवी,आजसू के कांके प्रखंड अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव, आजसू प्रखंड सचिव रुपाश्री गाड़ी,मुखिया पूजा किस्पोट्टा, पंसस तारा देवी शामिल हुए। मौके पर जिप सदस्य ने अपने संबोधन में कहा कि नया मंदिर बन जाने से ग्रामीणों में आध्यात्म की ओर झुकाव होगा। साथ ही अतिथियों मंदिर निर्माण में समिति को हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। मौके पर समिति के मनोज महतो, धर्मनाथ महतो, बिनोद महतो, दिलीप ठाकुर, दीपक महतो, सरिता देवी, भोला महतो सहित अन्य मौजूद थे।

खलारी अंचल कार्यालय के समक्ष रैयत ग्रामीणों का धरना 3 मार्च को

खलारी। मजदूर नेता अब्दुल्ला अंसारी के नेतृत्व में रैयत ग्रामीण आगामी 3 मार्च को खलारी अंचल कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना देंगे। इसे लेकर अब्दुल्ला अंसारी ने खलारी सीओ को पत्र दिया है। अब्दुल्ला अंसारी ने बताया कि सीसीएल द्वारा रैयत ग्रामीणों का जमीन खनन कार्य के लिए अधिगृहित किया जा रहा है। अधिगृहित जमीन के सत्यापन के लिए सीसीएल प्रबंधन अंचल कार्यालय को आवेदन भेजती है। परंतु रैयत के जमीन को गलत बता कर सत्यापन नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण रैयतों को नौकरी व मुआवजा नहीं मिल पा रहा है।

टैंकर ने वाईक सवार को रौंदा हुई मौके पर ही मौत

अनगडा। अनगड़ा थाना और बीआईटी मेसरा आपी के बोर्डर पर रिंग रोड बुधिया बगान के पास बुधवार को एक तेज रफतार टैंकर ने एक बाईक सवार व्यक्ति को रौंदते हुए फरार हो गया। बाईक सवार की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई उसका सर बुरी तरह से कुचल गया था। टैंकर इतना बाय में था कि बाईक सवार को अपने वाहन के साथ करीब 50 फीट तक घसीट कर ले गया। मृतक की पहचान गिरजा कुमार शुक्ला 32 वर्ष के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के मधुबनी जिला के हरलाबी गांव का निवासी बताया गया है। वह वर्तमान में यहां बुटी मोड़ में अपने पत्नी और दो बच्चे के साथ रहता था तथा बूटी मोड़ में ही हाई पैथ लैब में काम करता था। पुलिस को दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद मेसरा ओपी पुलिस तत्काल घटना स्थल पहुँच कर शव को पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भेज दिया। पुलिस वाहन की पहचान करने का प्रयास में जुट गयी है।

बचरा खेल मैदान में एक मार्च को होगा वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह समापन समारोह का आयोजन

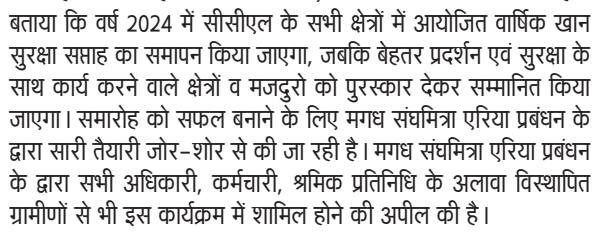

पिपरवार। सीसीएल के मगध संघमित्रा एरिया की मेजबानी में एक मार्च को पिपरवार क्षेत्र के बचरा चार नंबर खेल मैदान में सीसीएल स्तरीय वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह समापन सह पुरुस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर मगध संघमित्रा एरिया प्रबंधन के द्वारा सारी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। बुधवार को मगध संघमित्रा क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय में स्टाफ ऑफिसर पर्सनल संजय कुमार चौबे और स्टाफ ऑफिसर ईएंडएम नलिन चंद ने प्रेसवार्ता कर बताया कि कार्यक्रम को लेकर बचरा चार नम्बर खेल मैदान मे भव्य पंडाल और स्टैज का निर्माण कराया जा रहा है। पंडाल और स्टैज बनाने को लेकर कारीगर के द्वारा दिन रात काम किया जा रहा है। मगध संघमित्रा क्षेत्र के महाप्रबंधक नृपेंद्रनाथ के नेतृत्व में सभी अधिकारी और कर्मचारी इसकी तैयारी में लगे हुए हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खान सुरक्षा महानिदेशालय के महानिदेशक उज्जवल ताह, सीसीएल के अध्यक्ष प्रबंध निदेशक नीलेंदु कुमार सिंह, खान सुरक्षा महानिदेशालय के उप महानिदेशक डॉ एसएस प्रसाद, रांची क्षेत्र के खान निदेशक आफताब अहमद, कोडरमा क्षेत्र के खान निर्देशक एनपी देवरी, चाईबासा क्षेत्र के खान निर्देशक आरआर मिश्रा, सीसीएल के निदेशक वित्त पवन कुमार मिश्रा, निदेशक कार्मिक हर्षनाथ मिश्रा और निदेशक तकनीकी हरीश दुहन सहित कई अधिकारी शामिल होंगे।वही कार्यक्रम में सीसीएल के सभी क्षेत्रो की टीम व एनटीपीसी, डीवीसी, हिन्डाल्को और टाटा की टीम इस समारोह में शामिल होकर अपने-अपने एरिया का स्टॉल भी लगायेगें। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में सीसीएल के सभी क्षेत्रों में आयोजित वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह का समापन किया जाएगा, जबकि बेहतर प्रदर्शन एवं सुरक्षा के साथ कार्य करने वाले क्षेत्रों व मजदुरो को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। समारोह को सफल बनाने के लिए मगध संघमित्रा एरिया प्रबंधन के द्वारा सारी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। मगध संघमित्रा एरिया प्रबंधन के द्वारा सभी अधिकारी, कर्मचारी, श्रमिक प्रतिनिधि के अलावा विस्थापित ग्रामीणों से भी इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

खबर मन्त्र
रांची. गुरुवार. 27 फरवरी 2025

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

तेल का खेल

वैश्विक शोध संस्थान ने जानकारी दी है कि दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता और आयातक भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तीसरे वर्ष में रूस से 49 अरब यूरो मूल्य का कच्चा तेल खरीदा है। भारत पारंपरिक रूप से पश्चिम एशिया से अपना तेल खरीदता रहा है। हालांकि उसने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के तुरंत बाद रूस से बड़ी मात्रा में तेल आयात करना शुरू कर दिया। इसका मुख्य कारण तुलना में काफी छूट पर उपलब्ध था। कुल कच्चे तेल आयात के एक प्रतिशत से बढ़कर अल्प अवधि में 40 प्रतिशत तक पहुंच गया। ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, आक्रमण के तीसरे वर्ष में नए बाजारों पर रूस की पकड़ मजबूत हुई है। तीन सबसे बड़े खरीदार चीन (78 अरब यूरो), भारत (49 अरब यूरो) और तुर्किये (34 अरब यूरो) रहे। आक्रमण के तीसरे वर्ष में जीवाश्म ईंधन से रूस के कुल राजस्व में इनकी हिस्सेदारी 74 प्रतिशत रही। इसमें कहा गया भारत के आयात मूल्य में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। आक्रमण के तीसरे वर्ष में रूस की कुल वैश्विक जीवाश्म ईंधन आय 242 अरब यूरो तक पहुंच गई और यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से यह कुल 847 अरब यूरो हो गई है। भारत की कुछ रिफाइनरियों ने रूसी कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में परिवर्तित कर दिया, जिसे यूरोप तथा अन्य जी-7 देशों को निर्यात किया गया। रूसी तेल पर कीमत में छूट (जो कभी-कभी अन्य तेलों के बाजार मूल्य से 18-20 डॉलर प्रति बैरल कम होती है) ने भारत को बहुत सस्ती दर पर तेल खरीदने का मौका दिया। हालांकि, हाल के दिन में छूट घटकर तीन डॉलर प्रति बैरल से भी कम रह गई है। यह युद्ध वैश्विक व्यापार को अधिकाधिक प्रभावित कर रहा है।

कार्टून वर्ल्ड

मेष : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रु भय, चिंताए संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक.2.6.8

वृष : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक.4.6.8

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक.5.7.8

कर्क : राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक.4.6.7

सिंह : आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक.2.5.6

कन्या: 'आगे आगे गोरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक.4.5.7

तुला : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक.3.5.7

वृश्चिक : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक.2.4.6

धनु: जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यो का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक.4.6.7

मकर : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक.1.3.5

कुंभ : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक.3.4.6

मीन : राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यो में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक.2.4.6

खेती पर दिखने लगा है तापमान बढ़ोतरी का असर

जलवायु परिवर्तन का असर खेती किसानी पर साफ दिखाई देने लगा है। कहा जा रहा था कि 2024 की फरवरी सर्वाधिक गर्मी वाला माह रहा है पर 2025 में जनवरी में जिस तरह तापमान में बढ़ोतरी देखी गई है और फरवरी में ही देश के अधिकांश हिस्सों खासकर उत्तरी भारत में तापमान में लगातार तेजी देखी जा रही है वह चिंतनीय है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान सहित अनेक प्रदेशों में फरवरी में अधिकतम तापमान का आंकड़ा 30 डिग्री को छूने की तरफ अग्रसर है। देश के कई हिस्सों में दिन का तापमान 29 डिग्री को पार कर रहा है। यह कोई हमारे देश के ही हालात नहीं हैं अपितु दुनिया के अधिकांश देशों में जलवायु परिवर्तन का असर साफ-साफ दिखाई देने लगा है। बढ़ता तापमान बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। बढ़ते तापमान के कारण परिस्थिति तंत्र प्रभावित हो रहा है। बीमारियां तो फैल ही रही हैं, संपूर्ण तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। चिंता की बात यह है कि एक ओर हम निरंतर घटते भूजल स्तर से प्रभावित हो रहे हैं तो ग्लेसियरों के तेजी से पिघलने का असर दिखाई दे रहा है। असमय अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तूफान, जंगलों में आग आदि के रूप में इसका सीधा असर दिखाई दे रहा है।

जहां तक खेती-किसानी का प्रश्न है मौसम के अप्रत्याशित बदलाव से फसल चक्र पर नकारात्मक असर दिखने लगा है। फसल वपन का एक सिस्टम होता है। बुवाई से लेकर फसल के पक कर तैयार होने का चक्र होता है। दरअसल हो यह रहा है कि जिस समय फसल में फल-फूल आने का समय होता है उस समय तापमान बढ़ने से फल-फूल का विकास रुक जाता है और फसल पकने लगती है, इससे फसल में खराबी और उत्पादन में कमी स्वाभाविक है। दिसंबर, जनवरी की सर्दी और फरवरी में औसत तापमान से फसलों का सही ढंग से विकास संभव हो पाता है। एक अन्य चिंतनीय कारण यह भी बनता जा रहा है कि मावठ के समय मावठ नहीं होती, सर्दियों की बरसात के समय बरसात नहीं होती और जिस समय तापमान में बढ़ोतरी होनी चाहिए उस समय आंधी, तूफान और बरसात आकर फसल को चौपट करने में कोई कमी नहीं छोड़ती। इसका सीधा असर खाद्यान्न संकट के रुप में देखा जा सकता है। प्रायः देखा जाने लगा है कि जब फसल की कटाई का समय होता है उस समय आंधी-तूफान या ओला-बरसात होकर फसल को चौपट करने में कमी नहीं छोड़ती। इसी तरह से जनवरी-फरवरी में जब तापमान में गिरावट की आवश्यकता होती है उस समय तापमान में बढ़ोतरी चिंता का विषय बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जलवायु परिवर्तन के हालात यही रहे तो कुछ खाद्य वस्तुओं के भावों में कई गुणा तक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आलू, टमाटर, दालों, तिलहनों और अनाज के भावों में बढ़ोतरी साफ तौर से देखी जा सकती है।

\- राजेन्द्र शर्मा

> कृषि और आर्थिक क्षेत्र के विशेषज्ञों को मानना है कि तापमान की असामयिक उतार-चढ़ाव के चलते कृषि पैदावार पर सीधा नकारात्मक असर पड़ रहा है। कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। कृषि उत्पादों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इससे साफ हो जाता है कि खाद्य वस्तुओं के भाव बढ़ेंगे ही और उसका सीधा असर हमें महंगाई के रूप में देखने को मिलेगा।

कृषि और आर्थिक क्षेत्र के विशेषज्ञों को मानना है कि तापमान की असामयिक उतार-चढ़ाव के चलते कृषि पैदावार पर सीधा नकारात्मक असर पड़ रहा है। कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। कृषि उत्पादों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इससे साफ हो जाता है कि खाद्य वस्तुओं के भाव बढ़ेंगे ही और उसका सीधा असर हमें महंगाई के रूप में देखने को मिलेगा। मजे की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया के देशों में तेजी से बंजर होती भूमि को लेकर चिंता तो जताई जा रही है पर अभी तक इन हालातों से निपटने का ठोस आधार तैयार नहीं किया जा सका है। आज दुनिया के देश आसन्न खाद्यान्न संकट को लेकर चिंतित है। इसके लिए बड़े सम्मेलनों में चिंतन मनन हो रहा है। विश्व खाद्य संगठन सहित दुनिया की संस्थाएं इससे आसन्न संकट को लेकर तो परेशान है ही उनकी चिंता का कारण यह भी होता जा रहा है कि पौष्टिक भोजन नहीं मिलने से करोड़ों लोग कुपोषण के शिकार हैं। खाद्यान्नों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। दुनिया के देश खेती किसानी के महत्व को कोरोना काल में अच्छी तरह से समझ चुके हैं। कोरोना में मानवता को संबल देने में खेती किसानी ने प्रमुख भूमिका निभाई और सबकुछ बंद होने पर खेती किसानी ही लोगों का पेट भरने में सहायक रही।

जलवायु परिवर्तन का असर जब साफ साफ सामने आने लगा है तो उस हालात में मौसम विज्ञानियों और कृषि विज्ञानियों के सामने बड़ी चुनौती आ गई है। एक और जलवायु परिवर्तन को सर्वाधिक प्रभावित करने वाले कारकों का कोई ना कोई विकल्प खोजना ही होगा। होता यह है कि हम जिसे आज बेहतर विकल्प बताते हैं कुछ समय बाद ही उसमें भी खामियां नजर आने लगती है। जलवायु को नियंत्रित करने वाले जंगलों का स्थान कंक्रीट के जंगल लेते जा रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों व नई-नई खोजों ने हमारा जीवन आसान बनाया है पर उसके साइड इफेक्ट तेजी से असर दिखाने लगे हैं। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने भूमि की उर्वरा शक्ति को प्रभावित किया है। अत्यधिक जल दोहन से भूजल का स्तर साल दर साल नीचे जाता जा रहा है। भूक्षरण होने लगा है। भूमि तेजी से बंजर होती जा रही है।

खैर हालात हमारे सामने हैं। ऐसे कृषि विज्ञानियों को ऐसी किस्में विकसित करनी होगी जो बदलते मौसम के अनुकूल हो। शुष्क भूमि में खेती की किस्में खोजनी होगी। इसी तरह से कम जल में विकसित होने वाली फसलों की किस्मों पर ध्यान देना होगा। कंजरवेशन खेती को बढ़ावा देना होगा। परंपरागत खेती को चरणबद्ध तरीके से अपनाना होगा। प्रयास यह करना होगा कि जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे मौसक चक्र के बदलाव के अनुकूल फसलों की किस्में तैयार हो। क्योंकि प्रकृति से छेड़छाड़ करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी और उसका खामियाजा हमें आज भुगतना पड़ रहा है। तेज सर्दी के समय गर्मी से दो-चार होना पड़ रहा है। इस सबके साथ धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने के उपायों पर ध्यान देना होगा।

हालात गंभीर चिंतनीय होते जा रहे हैं और यही हालात रहे तो विशेषज्ञ कहने लगे हैं कि कृषि उत्पादन में कमी का असर सारी दुनिया को भुगतना होगा। हालात और भी गंभीर हो उससे पहले ठोस प्रयास करने होंगे। बदलते हालात में खेती किसानी के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे नहीं तो महंगाई तो है ही, दुनिया के कई देशों में भुखमरी के गंभीर हालात होने से कोई नहीं रोक सकेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लेटर टू एडिटर

जागरूकता और जीवनशैली

सरकार द्वारा गैर संक्रामक रोगों की समय पर पहचान और इलाज के लिए उठाए गए कदमों का स्वागत किया गया। 30 साल से अधिक उम्र के लगभग 90 करोड़ लोग शुगर, बीपी, कैंसर, मोटापा आदि से प्रभावित हैं। सरकार ने आशा वर्करों और एएनएम के माध्यम से घर-घर जाकर स्वास्थ्य जांच करने का प्रस्ताव रखा है, जो सराहनीय है।

-रविशंकर सिंह, रांची

अश्लीलता पर फटकार

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने यूट्यूबर रणबीर इलाहाबादिया और अन्य प्रतिभागियों की अश्लील टिप्पणियों पर कड़ी फटकार लगाई और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला गंभीर है और समाज को शर्म महसूस होनी चाहिए। महिला आयोग ने भी नोटिस जारी किया। सरकार को ओटीटी प्लेटफार्म पर अश्लील सामग्री के प्रसारण पर रोक लगानी चाहिए। **रवि रांची**

ट्वीट

तेलंगाना के निर्माणाधीन टनल में फंसे झारखण्ड के श्रमिकों के परिजनों को लेकर पदाधिकारी तेलंगाना रवाना हो गए।गुमला जिला प्रशासन के नेतृत्व में4 परिवारों के 1-1 सदस्य व पुलिस अधिकारी बिरसा मुंडा हवाई अड्डा से तेलंगाना के लिए प्रस्थान किया।

– हेमंत सोरेन सीएम

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, भारत में महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ साथ 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां लैंगिक समानता सिर्फ एक नीति नहीं, बल्कि सामाजिक मानदंड होगी।

– अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय मंत्री समाज कल्याण

वाहनों की पार्किंग की बड़ी समस्या से जूझते शहर और परेशान व्यापारी

-डॉ. सत्यवान सौरभ

समस्या

भारत में वाहन पार्किंग की समस्या महत्त्वपूर्ण शहरी चुनौती है, जो न केवल यातायात के प्रवाह को प्रभावित करती है, बल्कि शहरी जीवन के मूल ढांचे को भी प्रभावित करती है। यह समस्या तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बढ़ते वाहन स्वामित्व और पुराने शहरी नियोजन के घालमेल से पैदा होती है, जो महानगरीय क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन के लिए जटिल दुविधा पैदा करती है। शहरों के विस्तार और वाहनों के स्वामित्व के अधिक सुलभ होने के साथ भारतीय शहरी केन्द्रों को वाहनों की बढ़ती संख्या को समायोजित करने में संघर्ष करना पड़ रहा है। पर्याप्त पार्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी और आज के समय में वाहनों की संख्या के हिसाब से शहरों को डिजाइन न किए जाने के कारण बड़े पैमाने पर अवैध पार्किंग होती है। इससे न केवल सड़कें जाम होती हैं बल्कि पैदल चलने वालों के लिए बनी जगह भी कम पड़ जाती है। कई भारतीय शहरों की स्थापना प्राचीन या औपनिवेशिक काल में हुई थी और उनकी योजना आधुनिक यातायात की मांग को ध्यान में रखकर नहीं बनाई गई थी। संकरी गलियाँ और मिश्रित भूमि उपयोग के कारण पार्क किए गए और चलते वाहनों के भार से दबाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त, पार्किंग नियमों का ढीला-ढाला क्रियान्वयन तथा गैर-अनुपालन के प्रति सांस्कृतिक प्रवृत्ति स्थिति को और बिगाड़ देती है, जिससे शहरी स्थान अव्यवस्थित हो जाते हैं।

पार्किंग की समस्या का सीधा कई क्षेत्रों पर पड़ता है। बेशुमार गाड़ियों के जाम से यात्रा का समय बढ़ जाता है, प्रदूषण स्तर बढ़ता है तथा शहरी जीवन की गुणवत्ता में गिरावट आती है। पैदल चलने वालों को विशेष रूप से परेशानी होती है क्योंकि पार्क किए गए वाहन अक्सर पैदल चलने के रास्तों पर अतिक्रमण कर लेते हैं। उन्हें मजबूरन सड़कों पर आना पड़ता है और उनकी सुरक्षा से समझौता होता है। आर्थिक दृष्टि से पार्किंग की कमी स्थानीय व्यवसायों को भी प्रभावित करती है क्योंकि भीड़भाड़ वाली सड़कें ग्राहकों को आकर्षित नहीं करती। पार्किंग स्थल की उच्च मांग से अचल संपत्ति की लागत भी बढ़ जाती है, जिससे हरित स्थलों की कीमत पर पार्किंग अवसंरचना के विकास को बढ़ावा मिलने से शहरी विस्तार और पर्यावरण क्षरण को बढ़ावा मिलता है। भारत में मोटर वाहनों से सम्बंधित मामले केंद्र और राज्य दोनों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। हालांकि भारत के शहरों के लिए वाहनों की बढ़ती भीड़ एक बड़ी समस्या है लेकिन ऑटोमोबाइल उद्योग पर प्रतिबंध लगने की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि इसकी आर्थिक और रोजगार देने की क्षमता काफी ठीक है जो भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है। सभी पांच शहरों की पार्किंग नीतियाँ कुछ महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर सहमत होती दिखती हैं। वे इस बात पर एकमत हैं कि पार्किंग मुफ़्त नहीं हो सकती और जहाँ भी सार्वजनिक स्थान का उपयोग किया जाता है, वहाँ शुल्क लिया जाना चाहिए क्योंकि 'मुफ़्त पार्किंग' की अवधारणा टिकाऊ नहीं है।

पर्याप्त पार्किंग अवसंरचना का विकास, स्मार्ट पार्किंग प्रौद्योगिकियों को अपनाना और पार्किंग विनियमों का प्रवर्तन शामिल हो। उदाहरण के लिए, पार्किंग क्षेत्रों को परिभाषित करना और वाहन पहचान सेंसर और स्वचालित लाइसेंस प्लेट पहचान जैसी तकनीक का उपयोग करके पार्किंग प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया जा सकता है। इसके अलावा, भूमि मूल्य और भीड़भाड़ के आधार पर पार्किंग शुल्क को समायोजित करके भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अनावश्यक वाहन उपयोग को हतोत्साहित किया जा सकता है। बुनियादी ढांचे के समाधान के अलावा, सार्वजनिक परिवहन और टिकाऊ शहरी गतिशीलता प्रथाओं को बढ़ावा देने से पार्किंग दबाव कम हो सकता है। सार्वजनिक परिवहन, साइकिल और पैदल चलने के उपयोग को प्रोत्साहित करने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सकती है, जिससे पार्किंग स्थलों की मांग कम हो सकती है।

यह जरूरी नहीं है कि अच्छा सार्वजनिक परिवहन यातायात की भीड़ को काफी कम कर दे। भीड़भाड़ की स्थिति में सुधार करने के लिए, शहरों को निजी कारों के स्वामित्व और उपयोग के कार्यात्मक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक मूल्यों को लक्षित करने वाली गतिविधियों के साथ ही अपनी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों को बेहतर बनाने के प्रयासों को मिलाकर काम करना होगा। भारत में वाहन पार्किंग की समस्या जटिल मुद्दा है जिसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इसमें शहरी नियोजन, नीति सुधार, तकनीकी नवाचार और सांस्कृतिक परिवर्तन शामिल हैं। इस चुनौती से सीधे निबटकर भारत अपनी शहरी गतिशीलता को बढ़ा सकता है, अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है और टिकाऊ शहरी विकास के लिए एक मिसाल कायम कर सकता है।

विपरीत स्थितियों में महिलाओं ने हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई

रानी राज

सामयिक

पर्दे में रहकर भी और बाहर भी भारतीय समाज में महिलाओं ने हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। इनमें कई नाम आज भी गुमनाम हैं। इसी कड़ी में एक गुमनाम मुस्लिम महिला जिसने शिक्षा और मुस्लिम महिलाओं के सशक्तिकरण में 20वीं सदी के पूर्वार्ध में बेहतरीन प्रयास किया था , उनका नाम जेहन में आता है। बंगाली मुस्लिम महिलाओं में शिक्षा , महिला अधिकारों और सुधारवादियों में पहला नाम भले बेगम रोकिया सखावत हुसैन का रहा है मगर बंगाली महिलाओ में शिक्षा और महिला अधिकार की बात एक और महिला के बिना अधूरी है , वो है बेगम आयशा खातून₹। सबसे खास बात यह कि इन्होंने अपने अंतिम दिन झारखंड के रांची शहर में गुजारे । 1934 में 67 वर्ष की आयु में जब इनकी मृत्यु रांची में हुई तो , अमृत बाजार पत्रिका , द मुसलमान , यूनाइटेड प्रेस जैसे समाचार पत्रों ने इनके लिए श्रद्धांजलि सूचनाएँ प्रकाशित की थीं। इनके बारे में 1939 में प्रकाशित लाईफ ऑफ मौलवी अब्दुल करीमऔर मोहम्मद अली ने भी लिखा है।

बेगम आयशा खातून प्रसिद्ध नारीवादी विचारक, लेखिका, शिक्षिका और राजनीतिक कार्यकर्ता बेगम रोकिया सखावत हुसैन की सबसे अच्छी मित्र थीं। बेगम आयशा खातून पढ़ी लिखी और बुद्धिमान महिला थीं। इनके वालिद विद्वान हाफि ज मोहम्मद हातिम साहब थे जो सियालहट से कोलकत्ता आ बसे थे। बेगम आयशा खातून के शौहर मौलवी अब्दुल करीम(कौंसिल ऑफ स्टेट के सदस्य , स्कूल इंस्पेक्टर और मेंबर ऑफ लेजिस्लेटिव कौंसिल के सदस्य रह चुके थे) उच्च पदस्थ शिक्षा अधिकारी एवं उस समय के नामचीन लोगो में थे।

बेगम आयशा खातून बुद्धिमानी , उदारता और दयालुता के लिए प्रसिद्ध थीं। जब इनके पति ने अपनी आधी सम्पति गरीबो में बॉटनी चाही तो इन्होने पूछा पूरी सम्पत्ति दान क्यों न कर दी जाए ? इन्होने ताउम्र गरीबों के लिए काम किया । इनकी योग्यता की परख इनकी सखी बेगम रोकिया सखावत हुसैन को थी। जब 1916 में कोलकाता में बंगाली मुसलमान महिलाओं के संगठन अंजुमन-ए-ख्वातिन-ए-इस्लाम बंगला (इस्लामी वोमेंस एसोशिएशन) का गठन बेगम रोकिया सखावत ने किया ताकि महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जा सके तब इसकी पहली महिला अध्यक्ष के लिए बेगम आयशा खातून का नाम ही सामने आया। बेगम आयशा खातून इसकी पहली अध्यक्ष बनीं। यह एक सामाजिक और राजनीतिक संगठन था जो भारत में मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों के लिए बनाया गया था। इस संस्था द्वारा महिलाओं की शिक्षा और स्थिति पर वाद-विवाद और सम्मेलन आयोजित किए जाते थे। इस्लाम की मूल शिक्षाओं के आधार पर सामाजिक सुधारों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह संगठन महिलाओं की शिक्षा, रोजगार, सशक्तिकरण, कानूनी, राजनीतिक अधिकारों आदि के लिए लड़ने में सबसे आगे रहा इसने कई महिलाओं की शिक्षा का खर्च वहन किया और कई गरीब महिलाओं की शादियाँ करवाईं। इसने अनाथों, बेसहारा महिलाओं को आश्रय दिया और विधवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की। इसने महिलाओं को कमाने और आत्मनिर्भर होने के लिए कुछ व्यवसाय भी स्थापित किए। बेगम आयशा खातून का योगदान इन कार्यो में बखूबी था। एक घरेलू महिला होते हुए भी बेगम आयशा खातून सामाजिक कामो में काफी रूचि रखती थी , साथ ही अपनी बुद्धिमानी और पढ़ी लिखी के होने कारण उस समय के महिलाओ की सोच से आगे का मुकाम रखती थी।

इन्होने पति मौलवी अब्दुल करीम साहब के साथ काफी वकत रांची में गुजारे थे। इन्होंने अपनी जिंदगी मुस्लिम महिलाओं को जागृत करने में लगा दी । अभी भी ये महान महिला इतिहास की समय रेखा में कही खोई हुई है । लगभग आधी शताब्दी के वैवाहिक जीवन का आनंद लेने के बाद,14 सितंबर 1934 में 67 वर्ष की आयु में इनकी मृत्यु हो गई। इनकी मृत्यु पर, अंजुमन-ए-ख्वातीन-ए-इस्लाम द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया ₹अंजुमन-ए-ख्वातीन-ए-इस्लाम-बंगाल की यह बैठक अंजुमन की पहली अध्यक्ष श्रीमती अब्दुल करीम की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त करती है और शोक संतप्त परिवार के साथ अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है। श्रीमती अब्दुल करीम एक जनहितैषी महिला थीं, जो मुस्लिम महिलाओं के नैतिक और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए आंदोलनों से जुड़ी थीं। वह अंजुमन-ए-ख्वातीन-ए-इस्लाम की पहली अध्यक्ष थीं, जो शिक्षित मुस्लिम महिलाओं का पहला संगठन था। अमृत बाजार पत्रिका , द मुसलमान , यूनाइटेड प्रेस जैसे समाचार पत्रों में श्रद्धांजलि सूचनाएं प्रकाशित की तारीफ की थी । (लेखिका अंकेक्षण अधिकारी,बिहार सरकार)

स्पीड न्यूज

गुरुद्वारा में सिलाई प्रशिक्षण संपन्न

भुरकुंडा (रामगढ़)। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के देखरेख में श्री गुरु सिंह सभा भुरकुंडा गुरुद्वारा में कलसी बिल्डकॉन के सहयोग से 12 फरवरी से चल रहे उषा सिलाई सेंटर व प्रोडक्शन सेंटर का 15 दिवसीय प्रशिक्षिण शिविर का 26 फरवरी बुधवार को समापन हो गया। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू, विशिष्ट अतिथि बरका-सयाल प्रक्षेत्र के जीएम अजय कुमार सिंह, रांची स्थित गुरू गोविन्द सिंह विद्यालय के अध्यक्ष रंजीत सिंह हैप्पी, ऋषि सिंह और रोटेरियन परमजीत सिंह धामी मुख्य रूप से उपस्थित थे।अतिथियों ने 15 प्रशिक्षित महिलाओं को सिलाई स्वीकृति प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। मौके पर संजू देवी, उषा कौर, अमृता कौर, राष्ट्र अमरजित कौर, स्नेहा कौर, रानी कुमारी, रेखा कौर, सरबजीत कौर, लक्ष्मी कौर, दलविन्दर कौर, सुनीता कौर, गुरजीत सिंह रेखी, जसपाल सिंह, राजा सिंह आदि मौजूद थे।

सीपी चौधरी ने किया रूद्राभिषेक

रजरप्पा। देवाधिदेव महादेव की आराधना को समर्पित महाशिवरात्रि के पावन उपलक्ष्य पर गिरिडीह सांसद सीपी चौधरी एवं रामगढ़ की पूर्व विधायक सुनीता चौधरी ने रांची आवास पर सपरिवार भगवान नीलकंठ का रुद्राभिषेक किया। उन्होंने कहा कि त्रिभुवनपति भगवान भोलेनाथ की कृपा से समस्त क्षेत्र व प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का वास हो, यही मनोकामना की।

बुढ़वा महादेव मंदिर में उमड़ी भीड़

रामगढ़। गोलपार स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर में बुधवार को महाशिवरात्रि पर पूजा अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ व माता पार्वती की पूजा अर्चना कर उनसे खुशहाली की कामना की। इस दौरान श्रद्धालुओं को हर हर महादेव का उदघोष करते देखा गया। मंदिर प्रबंधन कमेटी ने व्यवस्थित तरीके से श्रद्धालुओं की पूजा अर्चना संपन्न कार्रवाई।

कुजू के शिवालयों में उमड़ी भीड़

कुजू। महाशिवरात्रि को लेकर कुजू कोयलांचल और आसपास के क्षेत्रो के शिवालयों में बुधवार की अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ से अपनी मनोकामना को लेकर उपवास रखकर पूजा अर्चना की। भगवान शिव को मनाने के लिए फल, फूल, बेल्वपत्र, दूध, भांग, धतूरा आदि चढ़ाया। इस दौरान क्षेत्र ओम नमः शिवाय के मंत्रो से गुंजायमान रहा। कई शिवालयों में पूजन समिति द्वारा पूजन अनुष्ठान के अलावा अखंड हरिनाम कीर्तन का आयोजन किया गया। वहीं कई स्थानों पर मंदिर के निकट भंडारे का भी आयोजन किया गया। साथ ही संध्या बेला में श्रद्धालुओं के बीच भांग शरबत का वितरण किया गया। पूजा अर्चना को क्षेत्र के प्राचीन शिव मंदिर टूटी झरना, कुजू शिव मंदिर, ट्रांसपोर्ट नगर बाबा कैलाशनाथ मंदिर, केबीगेट, कुजू कोलियरी, मुरपा, आरा, सारूबेड़ा, तोपा, ओरला, दिगवार, बोंगावार, सांडी स्थित टूटी झरना मंदिर आदि स्थानों के शिवालयों में दिन भर पूजा अर्चना होते रहा।

आरोपियों ने किया आत्मसमर्पण

रामगढ़। गोला थाना अंतर्गत ग्राम सोसोकला में सरस्वती पूजा विसर्जन के क्रम में दो समुदायों के बीच झड़प हुई थी। इस संबंध में गोला थाना काण्ड संख्या-17/25 दर्ज किया गया था। कांड के प्राथमिकी अभियुक्त शमशूल हक उर्फ शमशूल अंसारी पिता नूर मोहम्मद एवं शमीम खान उर्फ मो० शमीम, पिता सुल्तान सफी उर्फ तारो मालिक दोनों पता सोसोकला, थाना-गोला, जिला-रामगढ़ ले 25 फरवरी को न्यायालय, रामगढ़ में आत्मसमर्पण कर दिया है। कांड सं0-38/2025 के आरोपी मो मो० गालिब उर्फ राजा की गिरफ्तारी के लिए व्यवहार न्यायालय रामगढ़ से वारंट प्राप्त करने की प्रक्रिया चल रही है।

बलकुदरा में बेरोजगार युवाओं की बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। बलकुदरा पंचायत में बुधवार को विस्थापित-प्रभावित बेरोजगार नौजवानों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मुखिया विजय मुंडा ने किया। 21 जनवरी को विस्थापित-प्रभावित संघर्ष मोर्चा के बैनर तले 25 गांवों के हम ग्रामीण अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन कर पीवीएनएल प्रबंधन से अपनी मांगों को मनमाने में तो सफल हो गये। लेकिन हमारे की गांव से कुछ स्वार्थी लोग अलग से एक समिति की गठन कर मोर्चा के लड़ाई को विफल कर 25 गांव के बेरोजगार नौजवानों के अधिकार को छिनने का प्रयास कर रहे हैं जिसे पूरा नहीं होने दिया जायेगा।

रजरप्पा में हुयी शिवलिंग की पूजा

रजरप्पा। माँ छिन्नमस्तिके मंदिर प्रक्षेत्र स्थित 20 फीट के शिवलिंग में (शिव मंदिर) श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। इसके अलावा रजरप्पा कॉलोनी, बड़कीपोना, चितरपुर, सोढ, छोटकीपोना, कुन्दरूकला, सुकरीगढ़ा, लारीकलां दुलमी के सिकनी, सिकीदीरी घाटी स्थित झरना बाबा, सिरु, श्री श्री बड़की डेली पैइला इचातु आदि जगहों के शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने फल-फूल, बेलपत्र, दूध, आदि प्रसाद स्वरूप भोलेनाथ को चढ़ाया। पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की।

सदर विधायक ने फुटपाथ व्यवसायियों की सुनी समस्यायें

खबर मन्त्र संवाददाता

▸▸ कोई स्थायी समाधान नहीं निकलता, तब तक किसी को भी दुकान लगाने से रोका नहीं जायेगा : प्रदीप प्रसाद

हजारीबाग। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद एक्शन मोड में नजर आए और फुटपाथ व्यवसायियों की समस्याओं को हल करने के लिए खुद सड़कों पर उतर गए। अपने कार्यालय में व्यवसायियों के प्रतिनिधियों से बातचीत करने के बाद वे सीधे कचहरी चौक पहुंचे, जहां उन्होंने व्यापारियों से मुलाकात कर उनकी परेशानियों को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि उनके हक की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। विधायक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जब तक फुटपाथ व्यवसायियों के लिए कोई स्थायी समाधान नहीं निकलता, तब तक किसी को भी दुकान लगाने से रोका नहीं जाएगा। उन्होंने नगर निगम प्रशासन और ट्रैफिक इंचार्ज से इस मुद्दे पर चर्चा की और स्पष्ट किया कि छोटे व्यापारियों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उनका कहना था कि ये व्यवसायी अपनी रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे में उनकी समस्याओं की अनदेखी नहीं की जा सकती। सदर विधायक ने ट्रैफिक व्यवस्था को भी ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसा समाधान निकाला जाए जिससे न तो सड़क यातायात बाधित हो और न ही इन छोटे व्यापारियों को कोई परेशानी उठानी पड़े। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि एक संतुलित नीति अपनाई जाए, जिससे दोनों पक्षों का हित सुरक्षित रह सके। विधायक के इस हस्तक्षेप से फुटपाथ व्यवसायियों के चेहरे पर राहत की मुस्कान साफ झलकने लगी। उन्होंने प्रदीप प्रसाद के प्रयासों की सराहना की और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। व्यापारियों का कहना था कि पहली बार कोई जनप्रतिनिधि उनकी समस्या को इतनी गंभीरता से ले रहा है और उनके अधिकारों के लिए मजबूती से खड़ा है। अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि मैं आपका हूं और हर परिस्थिति में आपके साथ खड़ा हूं। जब तक आप सभी के लिए एक स्थायी समाधान नहीं मिल जाता, मैं आपके हक की लड़ाई लड़ता रहूंगा।₹ इस फैसले से न केवल फुटपाथ व्यवसायियों को राहत मिली है, बल्कि हजारीबाग के बाजार क्षेत्र में संतुलित व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

सड़क हादसे में भुरकुंडा के चार युवकों की मौत

▸▸ महाकुंभ से स्नान कर जा रहे थे अयोध्या, प्रतापपुर में हुआ हादसा और तीन युवक जख्मी
▸▸ घायल रूपेश सिंह, रोहित कुमार व आकाश कुमार रांची में रहते हैं
▸▸ प्रतापगढ़ सदर अस्पताल में चल रहा है सभी घायलों का इलाज

विन्ध्याचल में पूजा-अर्चना करते सभी दोस्त

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा से प्रयागराज महाकुंभ गए भुरकुंडा के चार युवको की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जबकि तीन युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सोमवार को भुरकुंडा से चालक सहित सात युवकों का जत्था एक्सयूभी महिंद्रा टीयूभी 300 गाड़ी से महाकुंभ में स्नान को लेकर प्रयागराज के लिए रवाना हुआ था। मंगलवार को स्नान व पूजा-पाठ करने के बाद भगवान राम लला के दर्शन के लिये अयोध्या जा रहे थे। इसी बीच प्रतापपुर में सड़क दुर्घटना में 4 युवको की मौत हो गई। जबकि तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में भुरकुंडा शालीग्राम निवासी विनोद गुप्ता के पुत्र सौरभ कुमार, भदानीनगर निवासी विद्या सागर ओझा के पुत्र अभिषेक ओझा, रांची के अभिषेक सिंह व गाड़ी का चालक भदानीनगर चिकोर निवासी नासिर अंसारी के पुत्र सन्नाउल्लाह अंसारी शामिल है। जबकि रूपेश सिंह, रोहित कुमार व आकाश कुमार गम्भीर रूप से घायल हो गए। ये तीनों घायल युवक वर्तमान में रांची में रह रहे थे। सभी घायलों का इलाज प्रतापगढ़ सदर अस्पताल में चल रहा है। मृतक व घायल सभी युवक 20-25 उम्र के है। इधर घटना की सूचना के बाद भुरकुंडा-भदानीनगर आसपास के क्षेत्रों में शोक का माहौल है। जबकि मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक व घायल के परिजन प्रतापगढ़ सदर अस्पताल के लिये रवाना हो गए है। वहीं कोयलांचल भुरकुंडा, भदानीनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में मातम का माहौल पसर गया है।

चटूपालू घाटी में ट्रेलर का ब्रेक फेल, एक की मौत और तीन घायल

रामगढ़। रामगढ़-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर चटूपालू घाटी में बुधवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। रांची से रामगढ़ की तरफ आने के क्रम में घाटी में एक ट्रेलर का ब्रेक फेल हो गया और वह अनियंत्रित होकर चार गाड़ियों से टकरा गया। इस हादसे में ब्रेक फेल हुए ट्रेलर चालक की मौत हो गई। इस दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गये। वहीं मृतक चालक की पहचान राजस्थान राज्य के अलवर जिला अंतर्गत सडौली गांव निवासी इरफान खान के रूप में हुई है। ट्रेलर (आरजे 02 जीबी 4948) खड़गपुर से लोहे का ब्लेड लेकर गाजियाबाद जा रहा था। पुनदाग टोल प्लाजा पार करने के बाद जैसे ही यह ट्रेलर घाटी में घुसा, गड़के मोड़ के पास उसका ब्रेक फेल हो गया। ट्रेलर ने सबसे पहले एक वेन्यू कार को टक्कर मारी। साथ ही एक बाइक और ट्रक को भी धक्का मारा। अंततः आगे जा रहे ट्रेलर को पीछे से जोरदार टक्कर मारकर वहीं रुक गया। इस हादसे में ड्राइवर इरफान खान केबिन में ही फंस गया। जबकि खलासी अलवर जिले के शीतलबेड़ा गांव निवासी मो अयूब खान किसी तरह गाड़ी से बाहर निकल गया।

हर-हर महादेव से गूंजा कोयलांचल

भुरकुंडा (रामगढ़)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बुधवार को भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल, सयाल-उरीमारी सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों में अहले सुबह से ही शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी रही। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का दर्शन कर फल-फूल, बेलपत्र, धूप-अगरबती व पूजन सामग्री से विधिवत पूजा-अर्चना की। साथ ही शिवलिंग पर जलाभिषेक कर अपने परिवार व क्षेत्र की सुख-समृद्धि और हरियाली-खुशहाली की कामना की। इधर महाशिवरात्री के अवसर पर प्राचीन श्रीश्री बुढ़वा महादेव मंदिर में बुधवार को पूजा-अर्चना के साथ 24 घंटे के अखंड-पाठ का शुभारंभ हुआ। इस दौरान हरे राम हरे कृष्ण के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गूंजायमान होता रहा। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने भोले बाबा के समक्ष मत्था टेक क्षेत्र की हरियाली-खुशहाली की कामना की। पूजा के दौरान ऊ नमः शिवाय, हर-हर महादेव सहित अन्य आराध्य देवी-देवताओं के भक्ति जयकारों से पूरा क्षेत्र गूजता रहा। इधर जवाहर नगर शिव मंदिर में महाशिवरात्री के अवसर पर भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें सेंकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न कराने में श्रीश्री बुढ़वा महादेव मंदिर समिति के मुख्य पुजारी अशोक तिवारी, गणेश साव, डब्लू पांडेय, रुदल राउत, विपुल पटेल, सौंदा डी मुखिया उपेंद्र शर्मा सहित दर्जनों लोग जुटे हैं।

शिव मंदिर से निकली बारात

भुरकुंडा (रामगढ़)। महाशिवरात्रि पर बुधवार को भुरकुंडा हॉस्पीटल कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में विशेष पूजा हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती से अपने परिवार व क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के दौरान मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं के बीच खीर प्रसाद का वितरण किया। तत्पश्चात संध्या में गाजे-बाजे और भगवा झंडे के साथ धुमधाम से भगवान शिव की बारात निकाली गई। बारात में श्रद्धालु भक्तगण भगवान शिव, नंदी, भूत प्रेत, राक्षस सहित अन्य का वेशभूषा धारण किये हुये थे। बारात हॉस्पीटल कॉलोनी शिव मंदिर प्रांगण से गाजे-बाजे के साथ निकलकर भुरकुंडा बाजार, सौंदा डी सहित विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए पुनः वापस मंदिर परिसर पहुंचा। इस दौरान श्रद्धालु शिव भक्त नाचते-झुमते नजर आयें।

रामगढ़ जिले में अवैध कोयले का कारोबार धड़ल्ले से जारी

खबर मन्त्र संवाददाता

पुलिस रिकार्ड में वांछित आरोपियों से कराया जा रहा है उत्खनन

▸▸ रजरप्पा, चितरपुर,कुजू, मांडू, घाटो के धंधेबाज उतर चुके हैं अवैध कारोबार के अखाड़े में
▸▸ रात में कुजू ओपी के करमा-मुरपा स्थित फैक्ट्रियों और मंडियों में भेजा जा रहा कोयला

कुजू के एक भूमिगत खदान से निकाला जा रहा है अवैध कोयला

रामगढ़। रामगढ़ जिले में एक बार फिर अवैध कोयले की कालिमा से मालामाल बनने का खेल पूरी हनक के साथ शुरू हो गया है। इस धंधे में ऊंची पहुंच पैरवी वाले गिने चुने कुछ लोगों को ही हरी झंडी मिली है। हरी झंडी मिलने के साथ ही धंधे के माहिर माने जाने वाले खिलाड़ी सीना तान कर मैदान में उतर चुके हैं। संबंधित थाने में स्थित बंद पड़ी भूमिगत खदानों से निर्बाध रूप से दिनभर कोयला उत्खनन कराने के बाद उसे रात के अंधेरे में ट्रकों से जिले के कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत दो प्लांटों में गिराने सहित मंडियों में भेजा जा रहा है। धंधे में कई ऐसे लोग भी जुड़े हैं, जिन्हें पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस रिकॉर्ड में वे आरोपी हैं। इनके विरुद्ध स्थानीय थाने में कई मामले दर्ज हैं। इसके बावजूद अवैध कोयले के कारोबार में पुलिस के साथ इनका गठजोड़ स्थानीय पुलिस की नीति पर प्रश्नचिन्ह उठा रहा है, जो लाजमी भी है।

यहां से आ रहा है अवैध कोयला : धंधे के संबंध में मिली पुष्ट जानकारी के अनुसार रामगढ़ जिले में फिलहाल रजरप्पा, चितरपुर, घाटो,कुजू, मांडू से काम शुरू हुआ है। रजरप्पा, चितरपुर,धवैया से घाटो क्षेत्र के परेज, गोसी,6 नंबर, लइयो, बसंतपुर,केदला से, मांडू थाना क्षेत्र के तोयरा,जोड़ाकरम, हेसागढ़ा तथा नोनिया बेड़ा से,कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत करमा,महुआटूंगरी, तोपा, पिंडरा, शिबू टोला से अवैध कोयले का उत्खनन बेरोकटोक जारी है। उक्त क्षेत्रों में सीसीएल की बंद पड़ी भूमिगत खदानों, जिनमें अधिकांश खदानें खतरनाक है।जो कभी भी धंस सकती हैं। ऐसे खदानों में स्थानीय बेरोजगार महिला पुरुष व बच्चों की जान को जोखिम में डालकर उनसे अवैध कोयले का उत्खनन कराया जा रहा है। उक्त सभी स्थलों से दिन भर कोयला उत्खनन कराने के बाद उसे रात के अंधेरे में ट्रकों के माध्यम से धंधेबाजों द्वारा कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत दो प्लांटों में गिराया जा रहा है। वहीं मंडियों में भी भेजा जा रहा है।जानकारी के अनुसार इन दोनों फैक्ट्रियों में प्रतिदिन 30 से 40 ट्रक कोयले के गिराए जाने की सूचना है। अवैध कोयला कारोबार कोयलांचल कुजू के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है। लेकिन आश्चर्यजनक बात यह है कि इस बार का धंधे दूजे किस्म का है।इस बार अवैध कोयला उत्खनन कराने वालों में अधिकांश वैसे धंधेबाज हैं,जो मांडू,कुजू,घाटो थाना के वांछित आरोपी हैं। इन लोगों पर अवैध कोयला कारोबार के कई मामले उक्त विभिन्न थाने में दर्ज हैं। यह धंधे के शुरू होने के पहले चूहा बने बैठे थे। लेकिन जैसे हीं अवैध कोयले का कारोबार शुरू हुआ, सभी दागी बरसाती मेंढक की तरह बाहर निकल कर अपने-अपने क्षेत्र में सीसीएल की बंद पड़ी खदानों से अवैध कोयला उत्खनन कराने में लगे हैं। लेकिन पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर रही है। पुलिस की इस मामले में क्या मजबूरी है यह पुलिस जानें लेकिन इसकी चर्चा आम है।जो कहीं न कहीं पुलिस की छवि को धूमिल कर रही है।

सीसीएल का डोजरिंग अभियान मात्र आई वाश : अवैध कोयला उत्खनन के विरुद्ध सीसीएल द्वारा समय-समय पर डोजरिंग अभियान चलाया जाता है। लेकिन यह अभियान सांप मर जाए लाठी भी न टूटे की तर्ज पर कभी कभार चलाकर इतिश्री कर ली जाती है। अवैध कोयला उत्खनन संबंधित परियोजना के सुरक्षा विभाग के मिली भगत के बिना संभव नहीं है।

एक नजर में

हजारीबाग में धूमधाम से मनी महाशिवरात्रि

हजारीबाग। जिले में महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। भोर से ही मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें लग गईं, हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस बल ने व्यापक प्रबंध किए थे। प्रमुख मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी, जिससे भक्तों को किसी तरह की असुविधा न हो। नगर निगम की ओर से सफाई और रोशनी की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को एक स्वच्छ और सुगम वातावरण मिल सके। महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर हजारीबाग पूरी तरह से शिवमय हो गया। हर गली-मोहल्ले में भगवान शिव के भजन गूंजते रहे।

बुढ़वा महादेव मंदिर से निकली शिव बारात

बड़कागांव। महाशिवरात्रि के अवसर पर करीब 500 फीट ऊंचे पहाड़ पर स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर में लगा मेला। हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस शुभ अवसर पर कांडतरी गांव से पारंपरिक शिव बारात निकाली गई, जिसमें श्रद्धालु भूत, पिशाच, भालू, बंदर आदि के रूप में वेशभूषा धारण कर नाचते-झूमते हुए बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण पहुंचे। मंदिर परिसर में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, पूर्व विधायक अंबा प्रसाद, जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी और उपप्रमुख बचनदेव कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भगवान शिव की पूजा कर आशीर्वाद लिया। रोशन लाल चौधरी ने कहा कि बुढ़वा महादेव मंदिर का ऐसा विकास किया जाएगा कि इसे झारखंड ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिले। उन्होंने कहा, ₹बाबा बुढ़वा महादेव की महिमा अपार है, और उन्हीं के आशीर्वाद से आज मैं आप सभी के बीच जनप्रतिनिधि के रूप में खड़ा हूं। मंदिर के विकास के लिए मैं 24 घंटे तैयार हूं।

हजारीबाग के कई होटलों में जारी है देह व्यापार

हजारीबाग । हजारीबाग जिले में पुलिस द्वारा बार-बार की जा रही छापेमारी के बावजूद देह व्यापार का धंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। शहर के कई होटलों में यह अवैध कारोबार चोरी-छिपे फल-फूल रहा है। स्थानीय लोग और सामाजिक कार्यकर्ता पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि इस गोरखधंधे को जड़ से खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। हाल ही में पुलिस ने शहर के कई होटलों में छापेमारी कर संदिग्ध गतिविधियों का पर्दाफाश किया था। इस दौरान कई संदिग्ध महिलाओं और ग्राहकों को पकड़ा भी गया, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि छापेमारी के कुछ ही दिनों बाद यह अवैध धंधा फिर से शुरू हो गया। ऐसा लग रहा है कि होटल संचालकों और दलालों को प्रशासन का कोई डर नहीं है, जिससे साफ जाहिर होता है कि या तो कानून-व्यवस्था कमजोर है या फिर कहीं न कहीं भ्रष्टाचार भी इस अवैध गतिविधि को पनपने में मदद कर रहा है।सूत्रों के अनुसार, यह धंधा शहर के कुछ प्रमुख होटलों खासकर सिंघानी फोरलेन में संचालित हो रहा है, जहां बाहर से लाई गई महिलाओं को ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया जाता है। होटल संचालक, दलाल और कुछ स्थानीय प्रभावशाली लोग इसमें शामिल बताए जा रहे हैं। ग्राहकों को ऑनलाइन और फोन के जरिए संपर्क किया जाता है, जिससे यह धंधा और भी गुप्त रूप से चलता रहता है।

राजा बने झामुमो के कटकमसांडी प्रखंड अध्यक्ष

कटकमसांडी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक के आदेशानुसार कटकमसांडी प्रखंड समिति का विस्तार किया गया। गठित नए प्रखंड समिति में राजा मोहम्मद को अध्यक्ष, शाहिद खन राजा, महेश विश्वकर्मा व मोहम्मद असलम को उपाध्यक्ष, जयप्रकाश केसरी को सचिव, शिवकुमार मेहता, अरसद खान व राजेंद्र माली को सह सचिव पद पर मनोनीत किया गया। वहीं राजेंद्र राणा को कोषाध्यक्ष, मो. इरशाद को संगठन सचिव, उपेंद्र सिंह को सह संगठन सचिव व अशरफ खान को मीडिया प्रभारी बनाया गया। जबकि कार्यकारिणी के सदस्यों में अनिल साव, मो. मुजफ्फर खान, इम्तियाज शेख, विशेश्वर राम, सगीर खान, खुशबू पांडेय, शबनम खातुन, नम्रता खेस, अर्जुन साव, जमां खान, मो.तबरेज, भुवनेश्वर यादव, मो. आरिज, मो. सद्दाम, बिरसा मुंडा, मो. फारूक, संजय मेहता, सकलदीप मेहता, मो. नौशाद, मो. सरफुद्दीन, वकील खान, विकास यादव आदि का नाम शामिल किया गया है।

विष्णुगढ़ में सहियाओं की बैठक संपन्न

विष्णुगढ़ । मंगरो क्लस्टर की सहियाओं की मासिक बैठक नावाटांड स्थित सामुदायिक भवन में संपन्न हुई। बैठक में क्लस्टर की सभी सहियाओं ने भाग लिया और अपने-अपने मासिक कार्यों की रिपोर्ट सहिया साथी अंजू देवी को सौंपी। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा की गई। इस दौरान बीटीटी नागेश्वर महतो ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के विभिन्न उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। बैठक में बीटीटी बेबी देवी, सहिया साथी अंजू देवी, एएनएम मंजू देवी सहित कई सहिया कार्यकर्ता मौजूद रहीं। इनमें मीना देवी, कविता देवी, पिंकी देवी, सुनीता देवी, दुलाली देवी, अंजनी देवी, झनवा देवी, अनीता देवी, पिंकी कुमारी, रीना देवी, शांति देवी, सरिता देवी, कौशल्या देवी सहित समाजसेवी सुरेश राम, तूलो महतो, धुर्वा देवी, लीला देवी व उर्मिला देवी भी शामिल थीं। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाना था, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

विकास की मांग और पर्यावरण

पर्यावरण के संबंध में एक महत्वपूर्ण उपागम सोशल इकोलॉजी का है। यह विचारधारा भौतिक पर्यावरण को फर्स्ट नेचर एवं संस्कृति को सेकंड नेचर का दर्जा देती है। फर्स्ट नेचर से सेकंड नेचर पैदा होता है। पर्यावरण की समस्याएं अंततः सामाजिक प्रश्नों के समाधान द्वारा हल होती हैं। मनुष्य सचेतन प्रकृति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो अपनी चेतना, बुद्धिमत्ता एवं सामाजिकता का उपयोग प्रकृति की सेवा और रक्षा के लिए कर सकने में समर्थ है। दरअसल प्रकृति का दमन, मनुष्य की आंतरिक प्रकृति के दमन के बाद ही संभव है।

मनोज शर्मा

यूनाइटेड नेशन्स कांफ्रेंस ऑन द ह्यूमन एनवायरनमेंट के प्रथम दिवस को संयुक्त राष्ट्र संघ की सामान्य सभा द्वारा 1972 में विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। 1974 से प्रत्येक वर्ष एक विशेष थीम को आधार बनाकर यह मनाया जाता है और 1987 से इसका कोई मेजबान देश चुने जाने की परंपरा रही है। इस वर्ष का मेजबान देश कनाडा है। जैसी कि परिपाटी है इस दिवस के अवसर पर पर्यावरण जागरूकता लाने के लिए प्रयास किए जाते हैं। बावजूद बढ़ते प्रचार के, लोगों में बढ़ती जागरूकता के और विश्व स्तर पर गंभीरता से होते दिखते प्रयत्नों के, पर्यावरण पर संकट गहराया है। कई बार ऐसा भी बोध होता है कि लोग तो पर्यावरण को बचाना चाहते हैं किंतु विभिन्न देशों की सरकारें इस संबंध में दोहरा मापदंड अपनाती हैं।

मार्च 2017 में जब नैनीताल हाइकोर्ट ने गंगा नदी और अन्य प्राकृतिक संरचनाओं को एक जीवित इकाई का दर्जा दिया तो गंगा न्यूजीलैंड की वानकुई नदी के बाद यह दर्जा पाने वाली केवल दूसरी नदी बनी। यह फैसला हम लोगों के लिए आश्चर्य का विषय हो सकता है लेकिन हमारे लिए यह जानना रोचक होगा कि क्रिस्टोफर स्टोन जो साउदर्न कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के प्राध्यापक थे 1972 में ही न्यायालय से वृक्षों और प्राकृतिक

संरचनाओं हेतु कम से कम कारपोरेशन के दर्जे की मांग कर चुके थे जो न्यायालय द्वारा एक नजदीकी फैसले में जजों के बहुत थोड़े बहुमत द्वारा तकनीकी कारणों से नामंजूर कर दी गई थी तथापि स्टोन के विचारों का ससम्मान उल्लेख फैसले में किया गया। लगभग इसी वर्ष में नेपाल के शेरपाओं की हिमालय पर्वत श्रृंखला के कतिपय पर्वतों को पवित्र मानकर उन पर आरोहण न करने की परंपरा से प्रभावित होकर कुछ स्कॅडिनेवियन बुद्धिजीवियों ने डीप इकोलॉजी की अवधारणा दी जिसके अनुसार प्रकृति अपने अंतस्थ मूल्य के कारण महत्वपूर्ण है न कि मनुष्य के लिए उपयोगिता के कारण। डीप इकोलॉजी के समर्थक प्रचलित पर्यावरणीय विमर्श को शैलो इकोलॉजी की संज्ञा देते हैं जो विकसित देशों के नागरिकों की सुख सुविधा के लिए प्रदूषण नियंत्रण व संसाधनों के प्रबंधन पर आधारित है।

प्रायोगिक दृष्टि से देखें तो वैश्विक स्तर पर पर्यावरण से सम्बंधित मामलों में विकसित देशों का बोलबाला रहा है। यही कारण है कि इस विचार का जन्म हुआ कि स्वच्छ पर्यावरण उच्च प्रतिव्यक्ति आय वाले खाते पीते लोगों की विलासितापूर्ण आवश्यकता है। इकोलॉजिकल फुटप्रिंट के द्वारा किसी देश द्वारा उपभोग किए जा रहे जैविक रूप से उत्पादक क्षेत्र एवं उसके लिए उपलब्ध जैविक रूप से उत्पादक क्षेत्र का अनुपात ज्ञात किया जा सकता है। इसके माध्यम से यह तथ्य सामने आता है कि विकसित देश अपने क्षेत्र में उपलब्ध जैविक रूप से उत्पादक क्षेत्र की तुलना में बहुत अधिक जैविक उत्पादक क्षेत्र का उपयोग कर रहे हैं। इनकी तुलना में अविकसित एवं विकासशील देशों द्वारा उपभोग किए जा रहे और उपलब्ध जैविक उत्पादक क्षेत्र में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। स्वयं हमारे ही देश में उद्योगों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने हेतु सड़कों व रेल मार्गों के निर्माण के लिए, उद्योगों को बिजली देने के लिए हाइड्रो पावर उत्पादनार्थ विशाल बांधों के निर्माण के नाम पर,पर्यटन उद्योग हेतु अधोसंरचना विकास के लिए, कोयले पर आधारित विद्युत उत्पादन और इस्पात संयंत्र हेतु हजारों वर्ष पुराने वन पारिस्थितिक तंत्र को मूर्खतापूर्ण ढंग से बड़ी निर्ममतापूर्वक उजाड़ दिया गया है। इन उद्योगों में महंगी प्रदूषण नियंत्रण तकनीकी का उपयोग मुनाफे के लालच में नहीं किया जाता, प्रदूषण नियंत्रण संस्थाएं या तो भ्रष्टाचार की शिकार हैं या राजनीतिक दबाव के आगे विवश हैं। फलतः इंडस्ट्रियल वेस्ट बिना उपचारित किए नदियों में प्रवाहित हो रहा है, फ्लाई ऐश को रिहायशी और कृषि क्षेत्रों में बड़ी बेरहमी के साथ डंप किया जा रहा है। भयानक कुहरा दिल्ली और उत्तर भारत की नियति है तो बंगलोर की झील विषैला झाग उगल रही है। उत्तराखंड में वनों के विनाश के बाद आई बाढ़ से हमने कुछ सीखा हो ऐसा नहीं लगता। गर्मी के मामले में छत्तीसगढ़ राजस्थान को मात दे रहा है। प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध होने की कीमत चुकाता यह धान का कटोरा घटते वन क्षेत्रों, उजड़ती कृषि भूमि और नीचे जाते भूजल स्तर के साथ घायल और क्षत-विक्षत पारिस्थितिक तंत्रों का समूह बन कर रह गया है।

आधुनिक युग में वायु प्रदूषण, जल का प्रदूषण, मिट्टी का प्रदूषण, तापीय प्रदूषण, विकरणीय प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, समुद्रीय प्रदूषण, रेडियोधर्मी प्रदूषण, नगरीय प्रदूषण, प्रदूषित नदियां और जलवायु बदलाव तथा ग्लोबल वार्मिंग के खतरे लगातार दस्तक दे रहे हैं। ऐसी हालत में इतिहास की चेतावनी ही पर्यावरण दिवस का सन्देश लगती है। पिछले कुछ सालों में पर्यावरणीय चेतना बढ़ी है। विकल्पों पर गंभीर चिंतन हुआ है तथा कहा जाने लगा है कि पर्यावरण को बिना हानि पहुंचाए या न्यूनतम हानि पहुंचाए टिकाऊ विकास सम्भव है। यही बात प्राकृतिक संसाधनों के संदर्भ में कही जाने लगी है।

कुछ लोग उदाहरण देकर बताते हैं कि लगभग 5000 साल तक खेती करने, युद्ध सामग्री निर्माण, धातु शोधन, नगर बसाने तथा जंगलों को काट कर बेवर खेती करने के बावजूद अर्थात विकास और प्राकृतिक संसाधनों के बीच तालमेल बिठाकर उपयोग करने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास नहीं हुआ था। तो कुछ लोगों का कहना है कि परिस्थितियां तथा आवश्यकताओं के बदलने के कारण भारतीय उदाहरण बहुत अधिक प्रासंगिक नहीं है।

हकीकत में समाज तथा व्यवस्था की अनदेखी और पर्यावरण के प्रति असम्मान की भावना ने ही संसाधनों तथा पर्यावरण को सर्वाधिक हानि पहुंचाई है। उसके पीछे पर्यावरण लागत तथा सामाजिक पक्ष की चेतना के अभाव की भी भूमिका है। इन पक्षों को ध्यान में रख किया विकास ही अंततोगत्वा विश्व पर्यावरण दिवस का अमृत होगा।

डायनासोर यदि आकस्मिक आसमानी आफत के शिकार हुए थे तो हम अपने ही द्वारा पैदा की आफत की अनदेखी के शिकार हो सकते है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यह अपेक्षा करना सही होगा कि रेत में सिर छुपाने के स्थान पर अपने अस्तित्व की रक्षा के लिये स्वच्छ तकनीकों को आगे लाया जाना चाहिए, गलत तकनीकों को नकारा जाना चाहिए या सुधार कर सुरक्षित बनाया जाना चाहिए। उम्मीद है, कम-से-कम भारत में जमीनी हकीकत का अर्थशास्त्र उसकी नींव रखेगा। शायद यही इतिहास का भारतीय सबक होगा।

पर्यावरण की रक्षा और हमारा दायित्व

डॉ उषा किरण

प्रकृति के साथ अनेक वर्षों से की जा रही छेड़छाड़ से पर्यावरण को हो रहे नुकसान को देखने के लिए अब दूर जाने की जरूरत नहीं है। विश्व में बढ़ते बंजर इलाके, फैलते रेगिस्तान, कटते जंगल, लुप्त होते पेड़-पौधे और जीव जंतु, प्रदूषणों से दूषित पानी, कस्बों एवं शहरों पर गहराती गंदी हवा और हर वर्ष बढ़ते बाढ़ एवं सूखे के प्रकोप इस बात के साक्षी हैं कि हमने अपनी धरती और अपने पर्यावरण की ठीक से देखभाल नहीं की। अब इसके होने वाले संकटों का प्रभाव बिना किसी भेदभाव के समस्त विश्व, वनस्पति जगत और प्राणी मात्र पर समान रूप से पड़ रहा है। आज दुनियाभर में अनेक स्तरों पर यह कोशिश हो रही है कि आम आदमी को इस चुनौती के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया जाए, ताकि उसके अस्तित्व को संकट में डालने वाले तथ्यों की उसे समय रहते जानकारी हो जाए और स्थिति को सुधारने के उपाय भी गंभीरता से किए जा सके। भारत के संदर्भ में यह सुखद बात है कि पर्यावरण के प्रति सामाजिक चेतना का संदेश हमारे धर्मग्रंथों और नीतिशतकों में प्राचीनकाल से रहा है। हमारे यहां जड़ में, चेतन में सभी के प्रति समानता और प्रकृति के प्रति सम्मान का भाव सामाजिक संस्कारों का आधार बिंदु रहा है। वर्ष 1984 में शताब्दी की सबसे बड़ी औद्योगिक दुर्घटना भोपाल गैस त्रासदी के बाद तो समाचार पत्रों में पर्यावरणीय खबरों का प्रतिशत यकायक बढ़ गया। पर्यावरण की अनदेखी मानव सभ्यता पर कालिख पोत रही हैं । इस दिशा में भागीरथी प्रयास जरूरी है। भागीरथ प्रतीक है उच्चतम श्रम का, मनुष्य के श्रम के पसीने का। मनुष्य के श्रम का पसीना गंगाजल से भी ज्यादा पवित्र है। गंगा और भागीरथ के मिथक से ही इसे समझा जा सकता है। भागीरथ जब अपने श्रम से गंगा को धरती पर लाये तो गंगा का नाम हो गया भागीरथी, भागीरथ का नाम गंगाप्रसाद नहीं हुआ। इस प्रकार अधिक परिश्रमी और असाध्य कार्य के लिए प्रतीक हो गया भागीरथी प्रयास। पर्यावरण के क्षैत्र में भी संरक्षण के भागीरथी प्रयासों की आवश्यकता है। सर्वप्रथम यह हमारा सामाजिक दायित्व है कि हम स्वयं पर्यावरण हितैषी बनें जिससे पर्यावरण समृद्ध भारत बनाया जा सके।

प्रकृति और मनुष्य के गहरे अनुराग के कारण दोनों के साहचर्य से प्रकृति का संतुलन बना रहता है। पिछले हजारों वर्षों से चले आ रहे प्रकृति संतुलन में पिछले एक शताब्दी में आये व्यापक बदलाव के लिए उत्तरदायी कारणों की खोज जरूरी है। मनुष्य के प्रकृति के साथ प्रेममूलक संबंधों में आ रही गिरावट और बढ़ती संवेदनशीलता के दायरों से बाहर निकलकर पुनः प्रकृति की ओर लौटने के लिये हमें हमारी परंपराओं, शिक्षाओं और संस्कृति की समृद्ध विरासत की ओर लौटना होगा। **(विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग विमेंस कॉलेज, रांची)**

औद्योगिक विकास से बढ़ता प्रदूषण और हम

डॉ शीतल

निश्चित रूप से टीवी खोलते ही कई चैनलों पर पर्यावरण की समस्याओं पर विशेषज्ञों के विचार एवं विवाद सुनाई देंगे। आखिर, पर्यावरण दिवस भी कोई चीज है और चूंकि इसको लेकर जितना शोर-शराबा होगा, व्यक्ति उतना ही पर्यावरण प्रेमी कहा जायेगा, इसलिए शोर खूब मचेगा, पर प्रश्न उठता है कि क्या वाकई पर्यावरण दिवस पर सिर्फ शोर से स्थिति में सुधार आ जायेगा? बीते कुछ सालों में मनुष्य ने बहुत प्रगति की है और अपने रहन-सहन को बेहतर बनने के लिए अंधाधुंध प्रकृति की अवहेलना भी की है, जिसका परिणाम ये हुआ है कि मनुष्य तथा अन्य वन-जीवों को अपने जीवन के प्रति संकट का सामना करना पड़ रहा है। मामला कई बार तो इस कदर खतरनाक दिखता है कि व्यक्ति तो व्यक्ति, देश और सम्पूर्ण विश्व के नेता भी कई बार इस पर गम्भीर चिंता जताते हैं, सम्मेलन करते हैं, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात! प्रदूषित पर्यावरण का प्रभाव पेड़ पौधों एवं फसलों पर पड़ा है। अक्सर ही असमय बरसात तथा सूखा फसलों को बुरी तरह से बर्बाद कर देते हैं। पानी के सारे श्रोत सूख रहे हैं या उनमें घुले रसायनों की वजह से पीने योग्य नहीं रह गए हैं और ऐसे में मानव जीवन पर संकट की चर्चा और उससे निकले समाधान पर कार्यान्वयन होना ही चाहिए। समुद्र तटों पर स्थित महानगरों को अब भयंकर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र के पानी का स्तर बढ़ रहा है, जिससे इसके किनारों पर बसे महानगरों के डूबने का खतरा नजर आता है। कहीं भूकम्प तो कहीं बाढ़ तो कहीं भूस्खलन ने तबाही मचा रखी है और यह नजारा पृथ्वी के हर एक कोने में देखने को मिल जाता है, वह चाहे नेपाल हो, पाकिस्तान हो, अमेरिका हो, चीन हो या फिर अपना देश भारत ही क्यों न हो! सड़कों पर दौड़ती गाड़ियों से निकलने वाले धुएं की वजह से आज सांस लेना दूभर हो गया है।

इस औद्योगिक विकास के युग में संसार के सभी विकासशील और विकसित देशों में हजारों लाखों फैक्टरियां दिन-रात चलती रहती हैं जिनसे निकलने वाला धुआं और विषैले पदार्थ हमारे पर्यावरण को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं। प्रदूषण की वजह से ही सूर्य की खतरनाक किरणों से रक्षा करने वाली ओजोन परत में छेद बढ़ता ही जा रहा है। पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ गया है कि मार्च-अप्रैल के महीने में ही तापमान 50 के आंकड़े को छूने को बेताब हो जा रहा है। अभी जून का महीना चल रहा है, और क्या दिन, क्या रात, आपको गर्मी से त्राहिमाम, त्राहिमाम के अतिरिक्त कुछ और सुनाई न देगा! हालांकि, इन समस्याओं के प्रति कई पर्यावरणविद सचेत हैं तो हमारे पर्यावरण को बचाने के लिए तथा लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए साल में एक दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' स्थापित किया गया था। ये लगभग 100 से अधिक देशों में मनाया जाता है तथा यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा चलाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का उद्देश्य है लोगों के मन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ाना तथा प्रकृति और पृथ्वी की रक्षा करने के साथ-साथ पर्यावरण को और बेहतर बनाना है। इस मौके पर विश्व भर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, लेकिन बेहद दुख की बात है कि ये आयोजन सिर्फ आयोजन तक ही सीमित रह जाते हैं। जन-मानस भी इसके प्रति दायित्व नहीं समझ पा रहे तो तमाम संस्थाओं के कागजी कार्यक्रमों पर सवाल तो उठते ही हैं। अगर हम ठान लें कि हमें पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कुछ करना है तो हमें इसके लिए ज्यादा मेहनत करने की जरुरत भी नहीं है। बस रोजमर्रा के कामों को करते हुए हम ये काम व्यक्तिगत स्तर पर भी आसानी से कर सकते हैं।

> हालांकि, बढ़ती जनसंख्या का पर्यावरण के ह्रास से सीधा सम्बन्ध है, इसलिए सरकार को भी इन मामलों की तरफ कड़ाई से ध्यान देना चाहिए। साथ ही साथ, बढ़ता शहरीकरण, जंगलों की कटाई इत्यादि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। विकसित और विकासशील देशों के बीच ग्रीन हाउस उत्सर्जन को लेकर हमेशा ही विवाद रहा है और अभी हाल ही में इसको लेकर कई सम्मेलन भी हुए है, जिस पर काफी हद तक सहमति भी बनी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र के पानी का स्तर बढ़ रहा है, जिससे इसके किनारों पर बसे महानगरों के डूबने का खतरा नजर आता है। कहीं भूकम्प तो कहीं बाढ़ तो कहीं भूस्खलन ने तबाही मचा रखी है और यह नजारा पृथ्वी के हर एक कोने में देखने को मिल जाता है, वह चाहे नेपाल हो, पाकिस्तान हो, अमेरिका हो, चीन हो या फिर अपना देश भारत ही क्यों न हो!

हमारी छोटी-छोटी, समझदारी भरी पहल पर्यावरण को बेहद साफ-सुथरा और तरोताजा कर सकती है, इस बात में दो राय नहीं। जैसे, जब भी हम बाजार जाते हैं तो प्लास्टिक के थैलों के बजाय हम घर से कपड़े का थैला ले जाएं या कागज का थैला प्रयोग करें जिससे बेवजह प्लास्टिक का कचरा फैलने से बचेगा।

हालांकि, बढ़ती जनसंख्या का पर्यावरण के ह्रास से सीधा सम्बन्ध है, इसलिए सरकार को भी इन मामलों की तरफ कड़ाई से ध्यान देना चाहिए। साथ ही साथ, बढ़ता शहरीकरण, जंगलों की कटाई इत्यादि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। विकसित और विकासशील देशों के बीच ग्रीन हाउस उत्सर्जन को लेकर हमेशा ही विवाद रहा है और अभी हाल ही में इसको लेकर कई सम्मेलन भी हुए है, जिस पर काफी हद तक सहमति भी बनी है।

देखना दिलचस्प होगा कि विश्व भर के देश और उनका नेतृत्व इन मामलों पर क्या रुख अपनाता है तो व्यक्तिगत स्तर पर नागरिक इसके प्रति क्या कदम उठाते हैं। कम से कम हर व्यक्ति यथासम्भव प्लास्टिक इस्तेमाल न करने की कसम ही खा ले, फिर तो पर्यावरण दिवस की सार्थकता जरूर होगी, अन्यथा हर साल की भांति खानापूर्ति तो चल ही रही है!

(सह संपादक स्कूल एरा शैक्षणिक पत्रिका रांची)

ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे

ई है टाटा नगरिया, देख बबुआ...

जनजातीय संस्कृति केंद्र (ट्राइबल कल्चरल सेंटर) जमशेदपुर में एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है जो संथाल, हो, ओरांव, मुंडा और अन्य जनजातियों की समृद्ध संस्कृति को संरक्षित करता है। केंद्र में लगी बाबा तिलका मांझी की प्रतिमा। तिलका माँझी, तिलका मांझी उर्फ जबरा पहाड़िया जिन्होंने राजमहल, झारखंड की पहाड़ियों पर 1784 ई. में मांझी विद्रोह का नेतृत्व करते हुए ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लिया। बाबा तिलका माझी के जन्म की तारीख और समय: 11 फरवरी 1750, सुल्तानगंज जबकि 13 जनवरी 1785, भागलपुर में अंग्रेजों ने उन्हें फांसी दे दी।

आम बजट मध्यम वर्ग, किसानों, युवाओं और उद्यमियों के सशक्तिकरण का दस्तावेज है : राजीव प्रताप रुडी

■ भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह सांसद ने गिनायी एनडीए सरकार के बजट की खुबियां

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सह सारण लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजीव प्रताप रूडी ने बुधवार को कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट समावेशी विकास, आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार जनता के हितों के लिए समर्पित है और यह बजट उसी का प्रमाण है।

राजीव प्रताप रूडी बुधवार को झारखंड प्रदेश भाजपा के आर्थिक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में जमशेदपुर महानगर अंतर्गत बिष्टुपुर में केंद्रीय बजट पर आधारित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते राजीव प्रताप रुडी।

बिस्टुपुर स्थित चैंबर भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि यह बजट मध्यम वर्ग, किसानों, युवाओं और उद्यमियों के सशक्तिकरण का दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूरा करने के लिए आर्थिक मजबूती और समावेशी विकास पर केंद्रित है। रूडी ने बताया कि मध्यम वर्ग को इस बजट में ऐतिहासिक कर राहत दी गई है। अब 12 लाख रुपये तक की आय टैक्स-फ्री होगी, जिससे 1 लाख मासिक कमाने वालों को कोई कर नहीं देना होगा। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज पर कर कटौती सीमा 1 लाख रुपये कर दी गई है, और किराए पर टीडीएस की सीमा 6 लाख रुपये कर दी गई है। उन्होंने बताया कि 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' शुरू की गई है, जिससे 100 जिलों के किसानों को लाभ मिलेगा। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की सीमा 5 लाख रुपये कर दी गई है। रूडी ने बताया कि युवाओं के कौशल विकास के लिए अगले पांच वर्षों में 50,000 अटल टिंकरिंग लैब स्थापित होंगी। आईआईटी और मेडिकल कॉलेजों में क्रमशः 6,500 और 75,000 नई सीटें जोड़ी जाएंगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शिक्षा के लिए 500 करोड़ रुपये का निवेश किया जायेगा। एमएसएमई क्रेडिट गारंटी को बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया गया है। स्टार्टअप्स के लिए फंड ऑफ फंड्स योजना लॉन्च की गई है, जिससे नई कंपनियों को वित्तीय सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्यों को 1.5 लाख करोड़ रुपये का ब्याज-मुक्त ऋण दिया जाएगा, जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। 10 लाख करोड़ रुपये का एसेट मोनेटाइजेशन प्लान भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राजीव प्रताप रूडी रूडी ने बताया कि सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी और परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन शुरू किया गया है। सरकार 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शहरी गरीबों और श्रमिकों के लिए नई योजना लाई गई है, जिससे सतत आजीविका के अवसर मिलेंगे। शहरों को विकास केंद्र बनाने के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का 'अबिन चैलेंज फंड' स्थापित किया गया है।

स्पीड न्यूज

अधिवक्ता विनोद शाह पर बागबेड़ा में हमला

जमशेदपुर। जमशेदपुर सिविल कोर्ट के अधिवक्ता विनोद कुमार शाह मंगलवार को कोर्ट से घर जा रहे थे। उनके साथ उनकी पत्नी भी थी, तब बागबेड़ा डीबी रोड चौक पर स्कूटी (जेएच 05 डी 6209) सवार दो अज्ञात लोगों ने उनकी गाड़ी में धक्का मार दिया। अधिवक्ता के विरोध करने पर उन्होंने उनपर जानलेवा हमला कर दिया। उनकी पत्नी जब बीच बचाव में आयी तो उनके कपड़े भी फाड़ दिये और उन्हें धक्का दे दिया। जिसके चलते अधिवक्ता घायल हो गये हैं। अधिवक्ता ने बागबेड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया है और उनकी गिरफ्तारी की मांग की है और इलाज के लिए अधिवक्ता सदर अस्पताल गए है।

डॉ जे एन दास बने विश्व हिंदू परिषद जिलाध्यक्ष

आदित्यपुर। आदित्यपुर निवासी हिंदूवादी नेता से वरिष्ठ चिकित्सक डॉ जे एन दास को विश्व हिंदू परिषद सरायकेला खरसावां का जिला अध्यक्ष मनोनीत गया। रामगढ़ में आयोजित विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय सम्मेलन में विधिवत्त घोषणा होने के उपरांत लौट के बाद गाजे बाजे के साथ नए जिला अध्यक्ष का अभिनंदन किया गया। आदित्यपुर के टीचर ट्रेनिंग मोड पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल से जुड़े कार्यकर्ताओं ने ए पूर्व टीचर ट्रेनिंग मॉड के पास ढोल नगाड़े के साथ उनका अभिनंदन किया। डॉ जे एन दास ने कहा कि जो दायित्व मिला है उसकी पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत गीता कथा ज्ञान यज्ञ शुरू

गम्हरिया। गम्हरिया के वार्ड-दो के धिराजगंज महावीर नगर मंदिर में बुधवार से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। इससे पूर्व प्रथम दिन प्रात:काल में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान काफी संख्या में शामिल महिलाओं ने शहरबेड़ा स्थित दोमुहानी नदी तट से कलश में जल लेकर गाजे-बाजे के साथ भ्रमण करते हुए मंदिरमें स्थापित किया। मौके पर कथावाचक वृंदावन के महाराज श्रद्धेय अनूपानंद

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

दोमुहानी घाट पर भव्य आरती देख लोग मुग्ध

मेजबान बन्ना गुप्ता ने कहा, मैं एक्स नहीं नेक्स्ट हूं, शिव भक्त हार नहीं मानता...

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता की अगुवाई में सोनारी दोमुहानी संगम घाट में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम से पूरा लौहनगरी कुंभमय हो गया। बनारस के अस्सी घाट के प्रसिद्ध आचार्य मोहित के नेतृत्व में पंडितो के समूह ने स्वर्णरेखा आरती के माध्यम से अद्भुत और भक्तिमय माहौल का निर्माण कर दिया, इससे पहले पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने पत्नी सुधा गुप्ता एवं पुत्र मयंक गुप्ता के साथ नदी पूजन कर मां स्वर्णरेखा की आराधना की।

स्वर्णरेखा आरती का भव्य दृश्य, शिव भक्तों पर फूलों की पंखुड़ियां बिखेरते पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता।

इस अवसर पर राकेशवर पाण्डेय, आनंद बिहारी दुबे, रामाश्रय प्रसाद, बबन राय, कमल अग्रवाल, मनोज झा, प्रभात ठाकुर, ईश्वर सिंह, बबुआ झा, बबन शुक्ला, अजय मिश्रा समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए झारखंड के पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि लोग कहते हैं कि वे एक्स मंत्री हैं लेकिन, मैं बता देना चाहता हूं कि मैं एक्स नहीं नेक्सट हूं। महादेव का भक्त कभी हार नहीं मानता लोगों की बेहतरी का उनका प्रयास सदैव जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि दो मोहानी को दिव्यता और भव्यता प्रदान करने का उनका प्रयास आखरी सांस तक चलता रहेगा।

इस मौके पर बनारस के पंडितों के नेतृत्व में बन्ना ने पत्नी सुधा गुप्ता के साथ गंगा की तर्ज पर विधि विधान से स्वर्णरेखा नदी की आरती की। मंच पर भगवान शंकर की भव्य आकृति बनी हुई थी। दो मोहानी का पूरा क्षेत्र शिव की भक्ति से सराबोर था। भारी तादाद में पुरुषों और महिलाओं ने इससे भव्य आयोजन में भाग लिया। श्रद्धालु अनुशासित और भक्ति भाव से ओत-प्रोत दिखे. आयोजकों की व्यवस्था सराहनीय थी।

एनपीएस बाय प्रोटीयन ऐप में बड़ा सुधार

युवा निवेशकों के लिए और भी आसान होगी रिटायरमेंट प्लानिंग

खबर मन्त्र संवाददाता

जमशेदपुर। प्रोटीयन ईगव टेक्नोलॉजिस लिमिटेड, (पूर्व में : एनएसडीएल ई-गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर) नेशनल पेंशन स्कीम और अटल पेंशन योजना के खातों को संचालित करने वाली सबसे बड़ी सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) ने अपने पेंशन मैनेजमेंट ऐप - ह्यएनपीएस बाय प्रोटीयनह्न को एक नया स्वरूप देते हुए इसमें कई नई विशेषताएं जोड़ी हैं, खास तौर पर आज की डिजिटली जागरूक नयी पीढ़ी के लिए जिसमें कई नए फीचर भी हैं। चाहे आप पहले से एनपीएस से जुड़े हैं या अपना रिटायरमेंट प्लानिंग का सफर एनपीएस के साथ अभी शुरू कर रहे हों, यह नया ऐप आपको एक स्थान पर सभी समाधान देगा। दोनों एंड्राइड और आईओएस ग्राहकों के लिए उपलब्ध उए नया आप बेहद यूजर फ्रेंडली इंटरफेस देने के साथ ही इंट्युइटिव नेविगेशन और बेहतर सुरक्षा फीचर्स देगा। आज की पीढ़ी के युवाओं के लिए खास तौर पर बनाया गया ये ऐप उनके लिए नया एनपीएस खाते बनाने, उसमें कॉन्ट्रिब्यूशन देने और उसका प्रबंधन करने की प्रक्रिया को पहले से कई गुना आसान बनायेगा।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ी भीड़, हर-हर महादेव के नारे गूंजे

खबर मन्त्र टीम

जमशेदपुर/ गम्हरिया। महाशिवरात्रि के अवसर बुधवार को जमशेदपुरख कांड्रा, गम्हरिया समेत कोल्हान प्रमंडल के आस-पास के क्षेत्रों में स्थित शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। खासकर महिला श्रद्धालुओं का हुजूम सभी मंदिरों में उमड़ पड़ी। उपस्थित महिला श्रद्धालुओं ने विधि विधान से भगवान शिव व पार्वती की पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया। कई मंदिरों में जल चढाने को लेकर श्रद्धालुओं की लंबी कतार देखी गई। गम्हरिया के एसकेजी

कदमा रंकिनी मंदिर शिवालय में उमड़े भक्त।

कॉलोनी, कांड्रा थाना परिसर, प्रखंड परिसर, सतवाहिनी, बड़ा गम्हरिया बस्ती में स्थित मंदिरों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ लगी रही। मौके पर बड़ा गम्हरिया के शिवपुरी कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में प्रातःकाल में पूजा अर्चना के बाद संध्या में बाबा भोलेनाथ की पालकी लेकर गाजे-बाजे के साथ भव्य बारात निकाली गई जो पूरे क्षेत्र का भ्रमण कर पुनः मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। इस दौरान कई स्थानों पर महिला श्रद्धालुओं द्वारा शिव बारात की आरती उतारकर स्वागत किया गया।

मिथिला विकस मंच, गम्हरिया ने किया सवा लाख पार्थिव शिवलिंग का पूजन

खबर मन्त्र संवाददाता

गम्हरिया। मिथिला विकास मंच की ओर से महाशिवरात्रि के अवसर पर छोटा गम्हरिया स्थित दूगार्पूजा मैदान में सवा लाख पार्थिव शिवलिंग पूजनोत्सव सह विद्यापति स्मृति पर्व समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में मिथिला समाज के लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर सर्वप्रथम उपस्थित महिला श्रद्धालूओं की ओर से देवघर से लाए गए मिट्टी व गंगाजल से सवा

लाख पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया गया। तत्पश्चात उन शिवलिंगों की मिथिला रीति-रिवाज से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान मौजूद पंडित आचार्य पं बद्री नारायण झा, आमोद पाठक, दिलीप ठाकुर, नवल चौधरी, बुलन पाठक आदि थे।

अर्का जैन यूनिवर्सिटी ने रस 10.0 @ आइआइएम रांची में चमक दिखायी

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। अर्का जैन यूनिवर्सिटी के छात्रों ने आइआइएम रांची के वार्षिक उत्सव रस 10.0 में शानदार प्रदर्शन किया है। अर्का जैन की टीम डैजलर्स ने ग्रोव अनलीश्ड डांस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिससे भीड़, जज और क्रूट प्रबंधन से अत्यधिक सराहना मिली। अरका जैन की एक और टीम ने संसद पे चर्चा (मॉक पार्लियामेंट) में फर्स्ट रनर-अप स्थान प्राप्त किया, कई आइआइएम टीमों को हराकर। विजेताओं को शानदार पुरस्कार राशि, प्रमाण पत्र और ट्रॉफी दी गयी।

पहली मार्च को कोच्चि में जमशेदपुर एफसी और केरला ब्लास्टर्स के बीच कांटे की टक्कर

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में रोमांच बढ़ रहा है और जमशेदपुर एफसी अपनी अगली चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। यह मैच हाई प्रेसर वाला मुकाबला होने का वादा करता है, जिसमें दोनों टीमें लीग तालिका में महत्वपूर्ण अंक हासिल करने की होड़ में हैं। यह मुकाबला 1 मार्च को शाम 7:30 बजे कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाला है। फैंस एक रोमांचक माहौल की उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि दोनों टीमें वर्चस्व की लड़ाई में भिड़ेंगी।

प्लेऑफ में जगह पक्की करने के बाद, मेन ऑफ स्टील अब सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। 1 मार्च को केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ उनका अगला मैच अहम है और टीम अपनी तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

जमशेदपुर एफसी ने 26 फरवरी को फ्लैटलेट में अपने अंतिम प्रशिक्षण सत्र का समापन किया और अहम मुकाबले से पहले अपनी रणनीति को दुरुस्त

जमशेदपुर में मैच के लिए पसीना बहाते जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ी।

किया। टीम 27 फरवरी को कोच्चि की यात्रा करेगी, जहां वह केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ अपनी पिछली जीत को आगे बढ़ाने और उन पर दोहरी जीत दर्ज करने के लिए उत्सुक है।

अपने पिछले मैच में जीत हासिल करने के बाद, मेन ऑफ स्टील जीत की राह पर बने रहने और सेमीफाइनल में अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए उत्सुक है. लीग चरण में तीन मैच शेष रह गए हैं, जमशेदपुर एफसी सेमीफाइनल के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करने के लिए अधिकतम अंक जुटाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

मुख्य कोच खालिद जमील गहन प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से टीम का मार्गदर्शन कर रहे हैं, उनकी खेल योजना को बेहतर बना रहे हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ा रहे हैं।

जमशेदपुर एफसी के लिए अपना मनोबल बनाए रखने के लिए जीत महत्वपूर्ण है, और वे अब केरल ब्लास्टर्स एफसी द्वारा पेश की गई चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, केरल ब्लास्टर्स एफसी मेन ऑफ स्टील के खिलाफ अपनी पिछली हार का बदला लेना चाहेगी और हिसाब बराबर करने के लिए उत्सुक होगी।

एक नजर में

पारडीह चौक के पास हाइवा ने बाइक सवार को रौंदा

जमशेदपुर। एनएच-33 पर पारडीह चौक के पास परमेश्वर कालोनी स्थित रॉयल इंफील्ड शोरुम के पास एक सडक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक स्पलेंडर बाइक जेएच 05 डीसी 0721 पर सवार था जिसे एक हाइवा ने अपनी चपेट में ले लिया। मृतक की पहचान नूर मोहम्मद 42 वर्ष के रुप में हुई जो जवाहरनगर,मानगो का निवासी था। थानेदार के अनुसार हाइवा को जब्त कर लिया गया है। नूर मोहम्मद टायर दुकान चलाते थे।

ह्यूमन रिलीफ ने 500 जरूरतमंदों को करवाया भोजन

जमशेदपुर। ह्यूमन वेलफेयर ने एमजीएम अस्पताल में 500 जरूरतमंदों के बीच भोजन का वितरण किया। जिसमें मुख्य अतिथि सीतारामडेरा थाना प्रभारी गुलाम रब्बानी खान एवं मोहम्मद सोहेल ने पिछले कई वर्षों से चल रहे भोजन वितरण जो की एमजीएम अस्पताल में होता आ रहा है उसमे में रह रहे मरीज के अभिभावक, रिश्तेदार और अटेंडर के बीच ब्रेड, केला, सेब, फ्रूट केक और बच्चों को चॉकलेट का वितरण अपने हाथों से किया। मुख्य अतिथि गुलाम रब्बानी खान ने आयोजन का हिस्सा बन कर अपने आप को बहुत गौरवान्वित महसूस किया और इस तरह के कामों में जुड़े रहने की बात कही और संस्था के काफी प्रसंशा की और इस तरह के कामों के सोच को सलाम किया। संस्था जरूरतमंद लोगों में खाना खिलाना और मरीजों की दवा की जरूरत को पूरा करना और असहाय लोगों की सहायता की काफी सराहना की और कहा के संस्था के ऐसे कामों को बढ़ावा देना बहुत ही पुण्य का काम बताया। उन्होंने संस्था के अध्यक्ष मतिनुल हक अंसारी, सेक्रेटरी मुख्तार आलम खान, पॉलीटेक्निक कॉलेज के सैयद आसिफ अख्तर, मास्टर खुर्शीद खान, मासूम खान, मोइनुद्दीन अंसारी एवं हाजी अयूब अली की इस तरह के कामों में जुड़े रहने की काफी सराहना की।

आयुष तिवारी बने कांग्रेस सहकारिता विभाग के साकची प्रखंड अध्यक्ष

जमशेदपुर। बुधवार को साकची पलंग मार्केट में कांग्रेस सहकारिता विभाग की एक बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। साथ ही साकची प्रखंड अध्यक्ष के रूप में आयुष तिवारी को उनकी कार्यशैली को देखते हुए मनोनीत किया गया। संगठन ने उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया। अध्यक्षता करते हुए सहकारिता विभाग के जिलाध्यक्ष चिन्ना राव ने कहा कि राज्य की महागठबंधन सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक प्रखंड की जनता तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि यदि सहकारिता विभाग से जुड़ी कोई समस्या आती है, तो उसे संगठन के माध्यम से हल किया जायेगा। बैठक में जिला महामंत्री वाशी हैदर, जिला महासचिव अविनाश यादव, महासचिव सोनू सोनकर, दीपक तिवारी, ऋतिक सिंह, मोहित महतो, रवि, जमशेद सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मो याहिया खान बने एआइआइटीए के अध्यक्ष

जमशेदपुर। ऑल इंडिया आइडियल टीचर्स एसोसिएशन, जमशेदपुर झारखंड में आज जमशेदपुर इकाई का चुनाव आईटा अध्यक्ष झारखंड डॉ सरफराज आलम के नेतृत्व में किया। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरान की तिलावत से की गयी। प्रो जावेद अख्तर अंसारी, केंद्रीय सचिव खालिद इकबाल साहब, केंद्रीय शिक्षा बोर्ड के सचिव अबरार अहमद अंसारी साहब, प्रोफेसर हसनैन साहब खुर्शीद अकरम नौशाद अंसारी आरिफ हुसैन और डॉ सरफराज अहमद समेत एआइआइटीए के कई सदस्य शामिल हुए। बहुमत से मो याहिया को जमशेदपुर इकाई का अध्यक्ष चुना गया, डॉ महफूज आलम को सचिव की जिम्मेदारी दी गयी और आपसी परामर्श से महिला संयोजक रजिया साहिन को एआइआइटीए में सचिव बनाया गया। हम अल्लाह से प्रार्थना करते हैं कि अल्लाह हमें धैर्य प्रदान करें। अबरार अंसारी ने दवाइयां कलमत के साथ पूरा की। मौके पर महजबी अख्तर सब पेकर, शहजाद परवेज, शदान मौजूद रहे।

झामुमो जिला संयोजक मंडली की बैठक संपन्न

जमशेदपुर। बुधवार को जमशेदपुर परिसदन (सर्किट हाउस) में समय 1 बजे जिला संयोजक मंडली पूर्वी सिंहभूम की एक आपातकालीन बैठक जिला संयोजक प्रमुख श्री बाघराय मार्डी जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में निम्नलिखित 6 प्रस्ताव पारित किया गया। जमशेदपुर नगर में 10 थाना (शाखा) को लिया गया है। जमशेदपुर नगर अंतर्गत 10 थाना (शाखा) कमिटी और 5,6 बूथ का एरिया कमिटी बनेगा। इसका रिपोर्टिंग जमशेदपुर नगर संयोजक एवं महानगर संयोजक मंडली एवं वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेकर 5 दिन के अंदर एरिया कमिटी बनाना सुनिश्चित करेंगे। सारे प्रखंड के संयोजक मंडली जो बना हुआ है उन सदस्यों के द्वारा पंचायत पुनर्गठन करने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त करते हुए पंचायत का गठन समय सीमा में ही करना होगा। पंचायत पदाधिकारी, वार्ड पदाधिकारी, शाखा पदाधिकारी, प्रखंड पदाधिकारी, नगर पदाधिकारी और जिला पदाधिकारी को सक्रिय सदस्य बनाना अनिवार्य है।

पठानों ने कराया अंग्रेजों को सरेंडर

अफगानिस्तान की आठ रन से जीत, इंग्लैंड चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर, उमरजई को मिले पांच विकेट

एजेंसी

लाहौर। आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बड़ा उलटफेर करते हुए अफगानिस्तान की टीम इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में रन से 8 हरा दिया। चैंपियंस ट्रॉफी में इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान ने सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को बरकरार रखा है। मैच में अफगानिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए करते हुए निर्धारित 50 ओवर के खेल में 325 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम जो रूट की शतकीय पारी के बावजूद 49.5 ओवर में 317 रन बनाकर सिमट गई। आइसीसी वनडे विश्व कप 2023 के बाद यह दूसरी बार है जब अफगानिस्तान की टीम ने इंग्लैंड को आईसीसी इवेंट में हराया है। अफगानिस्तान की इस जीत में टीम के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज इब्राहिम जादरान और अजमतुल्लाह ओमारजई हीरो रहे। जादरान ने टीम के लिए रिकॉर्ड 177 रनों की पारी खेली। अफगानिस्तान के लिए उन्होंने 143 गेंद की पारी में 12 चौके और 6 छक्के भी लगाए जादरान की यह पारी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का सबसे बड़ा निजी स्कोर भी बना है। जादरान के अलावा अफगानिस्तान के लिए ओमरजई ने अपना पंजा खोलकर इंग्लैंड को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

कपिल देव को पीछे छोड़ा

इब्राहिम जादरान अपनी इस पारी से भारत के पूर्व विश्व विजेता कप्तान कपिल देव को पीछे छोड़ दिया है। जादरान किसी आइसीसी वनडे टूर्नामेंट में 150 से अधिक रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। जादरान ने यह उपलब्धि 23 साल 76 दिन की उम्र में हासिल की, जबकि कपिल ने 1983 विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ 24 साल 163 दिन की उम्र में 150 से अधिक रन बनाए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर

- 177 इब्राहिम जादरान बनाम इंग्लैंड, लाहौर 2025
- 165 बेन डकेट बनाम आस्ट्रेलिया, लाहौर 2025
- 145* नाथन एस्टल बनाम यूएसए, द ओवल 2004
- 145 एंडी फ्लावर बनाम इंडिया, कोलंबो आरपीएस 2002
- 141* सौरव गांगुली बनाम दक्षिण अफ्रीका, नैरोबी 2000
- 141 सचिन तेंदुलकर बनाम आस्ट्रेलिया, ढाका 1998
- 141 ग्रीम स्मिथ बनाम इंग्लैंड, सेंचुरियन 2009

अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने दिखाया दम

इंग्लैंड के खिलाफ इस मुकाबले में अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने बाजी पलटने का काम किया। एक समय जब ऐसा लग रहा था कि जो रूट अफगानिस्तान से मैच को छीन लेगा तब अजमतुल्लाह ने विकेट लेकर खेल को पलट दिया। अजमत ने मैच में चार महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। अजमत के अलावा मोहम्मद नबी ने भी 2 झटके जबकि राशिद खान और गुलबदीन नईब ने भी 1-1 विकेट लिए।

दिग्गजों की सूची में शामिल हुए जादरान

शाहिदी के आउट होने के बाद भी जादरान अपनी पारी को संभाले रहे और उन्होंने शतक जड़ा। इसके बाद भी उन्होंने रन गति धीमी नहीं पड़ने दी। लियाम लिविंगस्टोन ने अंतिम ओवर में इब्राहिम जादरान को आउट कर अफगानिस्तान को छठा झटका दिया। जादरान 146 गेंदों पर 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से 177 रन बनाकर आउट हुए। यह चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास में किसी खिलाड़ी का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने इंग्लैंड के बेन डकेट को पीछे छोड़ा जिन्होंने पिछले मुकाबले में इसी मैदान पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ 165 रनों की पारी खेली थी।

रूट का शतक हुआ बेकार

इंग्लैंड के लिए इस मुकाबले जो रूट ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 120 रनों की दमदार पारी खेली। रूट ने 98 गेंद में अपना शतक भी पूरा किया था। आईसीसी इवेंट में जो रूट का यह 5वां शतक था। वहीं वनडे करियर में रूट का यह 17वां शतक था। रूट ने 120 रनों की सघर्षपूर्ण पारी खेलकर अपना विकेट गंवाया। रूट के विकेट का लिकेट अफगानिस्तान के लिए मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हो गया। रूट के विकेट बाद ही इंग्लैंड की अफगानिस्तान के सामने आसानी से सरेंडर कर दिया।

इतने केले तो बंदर नहीं खाते... अकरम ने किया पाकिस्तानी खिलाड़ियों को ट्रोल

एजेंसी

नयी दिल्ली। आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के खिलाफ हालिया हार मिलने से पाकिस्तानी समर्थकों में नाराजगी देखी जा रही है। न्यूजीलैंड ने जब बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया तो पाकिस्तान आइसीसी प्रतियोगिता से भी बाहर हो गया। पाकिस्तान की आखिरी बड़ी ट्रॉफी 2017 में आई थी जब उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत को हराया था। यह आखिरी वनडे मैच भी है जो पाकिस्तान ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ जीता था। वहीं, चैंपियंस ट्रॉफी में जब एक बार फिर से पाकिस्तान की टीम ने भारत से मैच गंवाया तो पूर्व कप्तान और तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भारत के खिलाफ मैच में लिए आहार के कारण आलोचना की। अकरम ने मैच के बाद एक शो में कहा कि मुझे लगता है कि यह पहला या दूसरा ड्रिंक्स ब्रेक था और खिलाड़ियों के लिए केले से भरी प्लेट थी। इतने केले तो बंदर भी नहीं खाते। और यह उनका खाना है। अगर हमारे कप्तान इमरान खान होते, तो वह मुझे इस पर डांट देते। अकरम ने पाकिस्तान टीम पर पुरातन क्रिकेट खेलने का भी आरोप लगाया। दुबई में भारत से अपनी टीम की हार के बाद वसीम अकरम ने कहा कि कठोर कदमों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसे बदलने की जरूरत है। निडर क्रिकेटरों, युवा खिलाड़ियों को टीम में लाओ। अगर आपको पांच-छह बदलाव करने हैं तो कृपया करिए।

भारत के आर प्रज्ञानन्दा पर होंगी नजरे

प्राग, चेक गणराज्य। दुनिया के प्रतिष्ठित सुपर ग्रांड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में से एक प्राग मास्टर्स शतरंज के सातवें संस्करण में भारत के नंबर 3 शतरंज खिलाड़ी आर प्रज्ञानन्दा पर सभी भारतीय प्रशंसको की नजरे होंगी, 10 खिलाड़ियों के बीच राउंड रॉबिन आधार पर 9 राउंड के इस टूर्नामेंट में भारत के प्रज्ञानन्दा को 2741 ईएलओ अंको के साथ दूसरी वरीयता दी गयी है, वहीं 2755 इएलओ अंको वाले चीन के वे यी प्रतियोगिता के शीर्ष वरीय खिलाड़ी होंगे। इन दोनों के अलावा वियतमान के लिम ले क्युयांग (2739), जर्मनी के विन्सेंट केमर (2731), भारत के अरविंद चितांबरम (2729), नीदरलैंड के अनीश गिरि (2728), चेक गणराज्य के डेविड नवारा (2677), यूएसए के सैम शंकलंद (2670),चेक गणराज्य के थाई डाइ वान नुज्ञेन (2668)और टर्की के एडीज गुरेल (2624) प्रतियोगिता का हिस्सा होंगे।

सातवें दौर में हम्पी कोनेरू की शानदार जीत

मोनाको। फीडे महिला ग्रां प्री 2024-25 के सातवें दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने बेहद रोमांचक अंदाज में जीत दर्ज की हालांकि इस मुकाबले में सबसे चर्चित क्षण हम्पी की विरोधी खिलाड़ी सारा खादेमालशरीह का हार स्वीकार करना रहा, जिन्होंने पांच घंटे से अधिक की कड़ी लड़ाई के बाद लगभग हारी हुई स्थिति से बराबर पर आ चुकी बाजी में गलती से हार मान ली। हम्पी नें सफेद मोहरो से क्वीन गैम्बिट डिक्लाइंड ओपनिंग में खेलते हुए मजबूत स्थिति हासिल की और खेल के मध्य में शानदार योजना के साथ सारा की स्थिति को मुश्किल में डाल दिया था। 41वें चाल में घोड़े के साहसिक बलिदान नें खेल को हम्पी नें अपने पक्ष में मोड़ दिया। हालांकि, खेल के अंतिम क्षणों में जब मुकाबला ड्रॉ की स्थिति में पहुंच गया था, खादेमालशरीह ने गलती से हार स्वीकार कर ली। यह टूर्नामेंट का सबसे नाटकीय क्षण था, जिसने दर्शकों को स्तब्ध कर दिया।

प्रतिष्ठा बचाने की लड़ाई में रावलपिंडी में उतरेंगे पाकिस्तान-बांग्लादेश

रावलपिंडी। पाकिस्तान और बांग्लादेश गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में गौरव की लड़ाई में आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 सेमीफाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी हैं। 25 साल बाद आइसीसी टूर्नामेंट के मेजबान के रूप में पाकिस्तान की वापसी निराशाजनक रही। टीम आधिकारिक तौर पर केवल पांच दिनों के भीतर ही बाहर हो गई। उनका अभियान बल्लेबाजी में गिरावट, अप्रभावी गेंदबाजी और घटिया क्षेत्ररक्षण के कारण प्रभावित हुआ है। दूसरी ओर बांग्लादेश ने संघर्ष किया है। गेंदबाजी आक्रमण में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद लगातार बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन उनके लिये विफलता का सबब बना है।

नैटली सिवर-ब्रंट

हेली-सिवर की हरफनमौला से मुबंई इंडियंस जीता

बेंगलुरु। हेली मैथ्यूज (59 रन और एक विकेट) और नैटली सिवर-ब्रंट (75 नाबाद और तीन विकेट) की हरफनमौला साझीदारी की बदौलत मुबंई इंडियंस ने बुधवार को वुमेंस प्रीमियर लीग के एक मुकाबले में यूपी वारियर्स को आसानी से आठ विकेट से हरा दिया। ग्रेस हेरी (45) और दिनेश वृंदा (33) के बीच 79 रन की बेशकीमती साझीदारी की मदद से यूपी वारियर्स ने नौ विकेट पर 142 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में मुबंई इंडियंस ने विजय लक्ष्य 18 गेंद शेष रहते दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। मुबंई की जीत में सिवर की भूमिका सबसे अहम रही जिन्होने यूपी के तीन अहम विकेट मात्र 18 रन देकर हासिल किये ।

विजेंदर सिंह ने की बीएफआइ के चुनावों को जल्द कराने की मांग, कहा- मैं खुद लड़ने को तैयार हूं

एजेंसी

नयी दिल्ली। ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के पहले और एकमात्र पुरुष मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआइ) के जल्द से जल्द नए सिरे से चुनाव कराने की अपील करते हुए कहा कि अगर मौका मिला तो वह चुनाव लड़ने में संकोच नहीं करेंगे। बीजिंग ओलंपिक 2008 के कांस्य पदक विजेता 39 वर्षीय विजेंदर अभी पेशेवर सर्किट में खेल रहे हैं हालांकि उन्होंने 2022 के बाद से कोई मुकाबला नहीं लड़ा है।

मैं चुनाव लड़ने को तैयार हूं'

विजेंदर सिंह ने कहा- जब भी चुनाव हों, मैं उनमें खड़ा होना चाहूंगा। मैंने पूरी जिंदगी संघर्ष किया है, यह मेरे लिए एक और लड़ाई होगी। मुझे नहीं पता कि मुझे समर्थन मिलेगा या नहीं, लेकिन मैं चुनाव लड़ने से नहीं डरता। अगर मुझे बदलाव करने का मौका मिलता है तो मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं एक खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेने जा रहा हूं। ऐसा मैं कभी नहीं करूंगा।

विजेंदर सिंह ने चुनाव कराने की अपील

इससे पहले इस स्टार मुक्केबाज ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय मुक्केबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए यह जरूरी है कि वे विदेश में अभ्यास करें। विजेंदर ने प्रधानमंत्री कार्यालय और खेल मंत्री मनसुख मांडविया को टैग करते हुए लिखा- इसके लिए हमें एक मजबूत महासंघ बनाने के लिए जल्द से जल्द नए और निष्पक्ष चुनाव कराने की जरूरत है। अगर सरकार हमें कोई जिम्मेदारी देती है तो मुझे अपने अनुभव से योगदान करने में खुशी होगी। उनकी यह टिप्पणी भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) द्वारा बीएफआइ के चुनावों में देरी का हवाला देते हुए महासंघ के कामकाज तदर्थ समिति को सौंपने के कुछ दिनों बाद आई है। अजय सिंह के नेतृत्व वाले बीएफआइ ने फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती देने का वादा किया है और आईओए के आदेश को अवैध बताया है। बीएफआइ पदाधिकारियों का कार्यकाल तीन फरवरी को समाप्त हो गया था।

विराट कोहली 3-4 साल और खेल सकते बनाएंगे 100 शतकों का रिकॉर्ड : जाफर

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मुंबई के धुरंधर वसीम जाफर का मानना है कि विराट कोहली अगले तीन चार साल और खेल सकता है और सचिन तेंदुलकर का सौ अंतरराष्ट्रीय शतकों का रिकॉर्ड भी तोड़ सकता है। 36 वर्ष के कोहली ने दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में पाकिस्तान पर छह विकेट से मिली जीत में अपना 82वां अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। इससे पहले वह खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। जाफर ने इंडिया कारपोरेट टी20 बैश के लांच के मौके पर कहा कि एक क्रिकेटप्रेमी के तौर पर आप विराट को ज्यादा से ज्यादा खेलते देखना चाहते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ वह जिस तरह खेल रहा था, कोई नहीं चाहता था कि वह आउट हो। वह रन बनाता है तो सभी को खुशी होती है और मुझे यकीन है कि सभी चाहते हैं कि वह 3-4 साल और खेलकर सारे रिकॉर्ड तोड़े। उन्होंने कहा कि वह शतकों का रिकॉर्ड तोड़ सकता है। जब सचिन तेंदुलकर ने 100 शतक बनाया तो लगा था कि इसे कोई नहीं तोड़ सकेगा लेकिन 2010 से जिस तरह से विराट ने रन बनाए हैं तो लगता है कि वह इस असंभव को संभव कर सकता है। अगर विराट रिकॉर्ड तोड़ता है तो सचिन तेंदुलकर को बहुत खुशी होगी।जाफर लीग की समिति के सदस्य हैं। उन्होंने शुभमन गिल की भी तारीफ की लेकिन कहा कि कोहली से तुलना करना उसके साथ ज्यादती होगी। लीग के ब्रांड दूत दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज हर्शल गिब्स ने कहा कि कोहली की फिटनेस और रनों की भूख को देखते हुए लगता है कि वह चार साल और खेल सकता है।

रणजी ट्रॉफी : मालेवार के शतक से विदर्भ मजबूत

एजेंसी

नागपुर। युवा बल्लेबाज दानिश मालेवार के नाबाद शतक और अनुभवी करुण नायर के साथ 215 रन की साझेदारी की मदद से दो बार के चैंपियन विदर्भ ने खराब शुरूआत से उबर कर केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन बुधवार को यहां चार विकेट पर 254 रन बनाए। मालेवार 138 रन बनाकर खेल रहे हैं जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। इस 21 वर्षीय बल्लेबाज का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में यह दूसरा शतक है। नायर भी शतक के करीब थे लेकिन दिन के खेल के अंतिम ओवरों में वह आपसी गफलत के कारण रन आउट हो गए। उन्होंने 86 रन बनाए। इन दोनों ने तब जिम्मेदारी संभाली जब विदर्भ तीन विकेट पर 24 रन के स्कोर पर संकट में दिख रहा था। मालेवार और नायर ने चौथे विकेट के लिए बड़ी साझेदारी के दौरान 414 गेंद खेली। जब लग रहा था कि यह दोनों दिन का खेल समाप्त होने तक नाबाद रहेंगे तब वे एक अनावश्यक रन के लिए दौड़ पड़े और नायर को अपना विकेट गंवाना पड़ा। उन्होंने अपनी पारी में 188 गेंद का सामना किया तथा आठ चौके और एक छक्का लगाया। मालेवार अभी तक 259 गेंद का सामना कर चुके हैं। उनकी पारी में 14 चौके और दो छक्के शामिल हैं। दिन का खेल समाप्त होने के समय उनके साथ यश ठाकुर पांच रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले केरल ने टॉस जीत कर विदर्भ को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और शुरू में ही उसे तीन झटके दिए। केरल की तेज गेंदबाजी के अगुआ एमडी निधिश ने दो विकेट लिए जबकि नई गेंद के उनके जोड़ीदार ईडन एप्पल टॉम ने एक विकेट लिया। निधिश ने मैच की दूसरी ही गेंद पर पार्थ रेखाडे (00) को आउट कर दिया लेकिन इसका श्रेय कप्तान सचिन बेबी को जाता है, जिन्होंने मैदानी अंपायर द्वारा पगबाधा की जोरदार अपील को ठुकराने के बाद रिव्यू लेने का फैसला किया।

विदर्भ पहला दिन 254/4 (86 ओवर)

खिलाड़ियों को असफल होता देखकर दिल दुखी होता है : गोपीचंद

एजेंसी

नयी दिल्ली। खेल की दुनिया में करोड़ों युवा हर रोज अपनी किस्मत आजमाते हैं। कुछ बुलंदियों को छू भी लेते हैं और कुछ गुमनामी की जिंदगी गुजारते रहते हैं। बैडमिंटन मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने खेल जगत की कड़वी सच्चाई सभी के सामने बयां कर दी है। उन्होंने भावुक होते हुए युवाओं को सलाह दी कि खेलों को तभी अपना करियर बनाएं जब उनका परिवार आर्थिक रूप से संपन्न हो।

मैं खिलाड़ियों की दुर्दशा से दुखी हूं

गोपीचंद ने जीरो से हीरो बनने की राह में खिलाड़ियों को किन कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है, इसकी हकीकत साझा की। उन्होंने कहा- मैं खिलाड़ियों को दिन-प्रतिदिन असफल होते देखता हूं। मेरा दिल उनके लिए दुखी है। आज जब मैं राष्ट्रीय चैंपियनों को देखता हूं, जब मैं राष्ट्रमंडल पदक विजेताओं को देखता हूं, जब मैं एशियाई खेलों के पदक विजेताओं को देखता हूं इन सभी के पास नौकरी नहीं है। मुझे दुख होता है कि उनका भविष्य क्या है? लेकिन मुझे पता है कि सौ लोगों में से कोई एक सफल हो सकता है। तो सुरक्षा जाल कहां है? और मुझे बस इसी बात की चिंता है।

इन दिक्कतों से जूझते हैं खिलाड़ी

पुलेला ने खिलाड़ियों के जीवन में आने वाली दिक्कतों का जिक्र करते हुए कहा कि 50 की उम्र में जब आके बच्चे पूछते हैं कि आपने क्या कमाया तो आपके पास कहने को कुछ नहीं होता है। उन्होंने आगे कहा- नौकरियां इसका जवाब नहीं हैं। उन्हें कौशल प्रदान करें, उन्हें शिक्षित करें, उनका मार्गदर्शन करें। उन्होंने खेल के वर्षों से परे स्थायी करियर योजना की आवश्यकता पर बल दिया। क्योंकि लोग थोड़े समय के लिए आते हैं। उनका विचार अगला ओलंपिक है। उनका विचार छोटा, छोटा, छोटा है और यह एक लंबा मुद्दा है। इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। 35 की उम्र में, जब आप सभी एक ही उम्र के होते हैं तो आप शायद उनसे बेहतर होते हैं। आपके पास उनसे बड़ी कार होती है, इससे कोई नुकसान नहीं होता। लेकिन 50 की उम्र में, जब आप अपने बच्चे से कहते हैं, मैं एक ओलंपियन हूं तो वह कहता है, आप किस बारे में बात कर रहे हो? आपने कुछ भी नहीं कमाया। तुम्हारे पास कोई सम्मान नहीं है। तुम्हारा अधिकारी तुम्हें बुलाता है, सर, मैं क्या करूं? हर बार जब आपको... किसी अधिकारी के साथ ऐसा करना पड़ता है तो इससे तुम्हें दुख होता है और यह दुख अगली पीढ़ी को खेल में शामिल होने से रोकेगा।

मेरे अंदर अब भी वह भूख हैं : पीवी सिंधू

एजेंसी

मुंबई। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने मंगलवार को खिलाड़ियों के लिए कड़ी मेहनत और निराशाओं से जल्दी आगे बढ़ने पर जोर दिया और साथ ही कहा कि उनमें अब भी उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भूख है। सिंधू ने कहा कि भले ही निराशा और थकान के कई दिन हों लेकिन एक खिलाड़ी को अनुशासन नहीं खोना चाहिए क्योंकि कोई नहीं जानता कि मैदान पर यह कब उसके काम आ जाए। सिंधू ने कहा कि आपको यह उम्मीद रखनी चाहिए कि आपको वहां टिके रहना है और आपको इसे हर एक दिन करते रहना है और यह एक दिन सामने आएगा। उन्होंने कहा कि लोग कह सकते हैं कि आपके पास सब कुछ है, आपको और क्या चाहिए? लेकिन मुझे लगता है कि खेल के प्रति जुनून और मेरे अंदर अब भी वह भूख है कि हां, मैं और बेहतर कर सकती हूं। सिंधू ने कहा कि ये जीत मुझे बहुत आत्मविश्वास देती हैं और अगले स्तर पर जाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं इसलिए मैं कहती हूं कि हर दिन एक नया दिन है और हर दिन एक प्रक्रिया है। भले ही कुछ बुरे दिन हों लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि आप उन्हें जाने दें तथा और भी अधिक मजबूत होकर वापस आएं।

पहले दौर के मुकाबले में हारे रुबलेव

दुबई। रूस के तीसरी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव कतर ओपन खिताब के तीन दिन बाद दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर क्वेंटिन हेलिस से 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हारकर बाहर हो गए। विश्व में 77वीं रैंकिंग के खिलाड़ी हेलिस की शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ यह पहली जीत है। उनका अगला मुकाबला रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट से होगा। एक अन्य मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4, 7-6 (4) से हराया। उनका अगला मुकाबला जियोवानी एमपेत्शी पेरिकार्ड से होगा। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर 2014 के अमेरिकी ओपन चैंपियन मारिन सिलिच से 6-2, 3-6, 6-3 से हार गए। नूनो बोर्जेस ने आठवीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 6-2, 6-1 से हराया। दूसरे दौर में पहुंचने वाले अन्य खिलाड़ियों में पांचवीं वरीयता प्राप्त उगो हम्बर्ट, माटेओ बेरेटिनी, फेलिक्स ऑगर अलियासिमे और क्वालीफायर क्रिस्टोफर ओकोनेल शामिल हैं।

रामकुमार-मायनेनी ने जीत के साथ की शुरूआत

बेंगलुरु। गत चैंपियन रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी ने बुधवार को केएसएलटीए कोर्ट में इटली के जैकोपो बेरेटिनी और एनरिको डल्ला वैले पर सीधे सेटों में जीत के साथ अपने 2025 दाफान्यूज बेंगलुरु ओपन अभियान की शुरूआत की। टूर्नामेंट के इतिहास में तीन खिताबों के साथ सबसे सफल भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ने के लिए एक घंटे और 14 मिनट में 6-3, 7-6(4) से जीत हासिल की।

महाशिवरात्रि पर बासुकीनाथ धाम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

बासुकीनाथ मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

खबर मन्त्र संवाददाता

बासुकीनाथ। महाशिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर अहले सुबह मंदिर का पट खुलते ही बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। शिव भक्त श्रद्धालु कतारबद्ध होकर जलार्पण के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। संपूर्ण मंदिर परिसर खचाखच श्रद्धालुओं से अटा पड़ा था। बोल बम और हर हर महादेव के नारे की गूंज सर्वत्र सुनाई दे रही थी। भक्तों के मुख से निकले जयकारे से श्रद्धालुओं की उत्साह देखते ही बनती थी। दिनभर भक्ति की सरिता में आस्था की डुबकी लगाने का सिलसिला चलता रहा। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालु अपने अभीष्ट इच्छा की पूर्ति के लिए पंडा पुरोहितों संग धार्मिक अनुष्ठान करते देखे गये। दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए मंदिर कार्यालय के समीप शीघ्र दर्शनम कूपन श्रद्धालुओं को बेचे जा रहे थे। वहीं महाशिवरात्रि महोत्सव को भव्य एवं दिव्य बनाने के लिए आकर्षक तरीके से मंदिर को दुल्हन की भांति सजाया गया था। रंग बिरंगी रोशनियों से पूरा मंदिर परिसर नहाया हुआ था। देवनगरी की पवित्रता बनाए रखने के लिए स्वच्छता पर विशेष नजर रखी गई थी। उधर मंदिर में श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक जलार्पण कराने के लिए भारी संख्या में पुरुष एवं महिला पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात नजर आए। इस दरमियान किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए डॉक्टर एवं एंबुलेंस के साथ फायर ब्रिगेड को मुस्तैद रखा गया था। शाम को गाजे बाजे के बीच शिव बारात की आकर्षक झांकी निकाली गई। जिसमें अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल थे। इस प्रकार डीसी ए दोड्डे के नेतृत्व में जिला प्रशासन महाशिवरात्रि महोत्सव को सफल बनाने की कवायद में जुटी रही।

शिव मंदिरों में दिन पर लगा रहा भक्तों का तांता

दुमका। शिवरात्रि के अवसर पर शहर के विभिन्न शिवालयों से देर शाम शिव-बारात निकली। गाजे-बाजे, ढ़ोल ताशे और साजों सज्जा के साथ मंदिरों से शिव बारात निकाली गई। शिव बारात विभिन्न मार्गो से होकर पुनः वापस मंदिर पहुंची। बुधवार की अहले सुबह से भक्तों की भीड़ मंदिरों में उमड़ी रही। श्रद्धालू शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना कर खुशहाली की कामना किया। शहर के शिव पहाड़ मंदिर, शिव-गोपाल मंदिर, गिलानपाड़ा शिव मंदिर, डंगालपाड़ा समेत अन्य शिव मंदिरों में दिन भर तांता लगा रहा। विधान से पुरोहित ने शिव-पार्वती का विवाह संपन्न होगा।

एक नजर में

बेरमो : आठ वर्षीय बच्ची का दुष्कर्म के बाद हत्या, मां समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

बेरमो। बोकारो जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र में 8 वर्षीय बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में बच्ची की मां समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मृतका के पिता ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि वे अपने 8 वर्षीय बेटी और बेटे के साथ रिश्तेदार के शादी समारोह में महलीजारा गांव गए थे। 5 मई 2024 की रात करीब 9 बजे उनकी बेटी शादी समारोह से लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। अगले दिन सुबह 6 बजे बच्ची का शव गाँव के बाहर झाड़ियों में पड़ा मिला। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बोकारो ने एसआईटी टीम का गठन किया। जांच के दौरान सामने आया कि मृतका की मां रीना देवी का फेसबुक के माध्यम से एक व्यक्ति बाबू दास मुर्मू से प्रेम संबंध था, जो बाद में अवैध रिश्ते में बदल गया। बच्ची इन संबंधों का विरोध करती थी, जिससे नाराज होकर रीना देवी और उसके प्रेमी ने साजिश रची। आरोपियों ने शादी समारोह में मौजूद शिवनारायण बेसरा को शराब और पैसों का लालच देकर बच्ची से दुष्कर्म कराया, जिसके बाद बाबू दास मुर्मू ने भी बच्ची के साथ घिनौनी हरकत की। घटना के बाद गला दबाकर बच्ची की हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंक दिया गया। जिसमें मृतिका की मां रीना देवी मृतिका की मां का प्रेमी बाबू दास मुर्मू शिवनारायण बेसरा मुख्य आरोपी, जिसने शराब के नशे में बच्ची से दुष्कर्म किया था। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच टीम ने घटनास्थल से सभी संदिग्ध साक्ष्यों को इकट्ठा कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

बेरमो विधायक की पहल से जम्मू कश्मीर से लाया गया प्रवासी मजदूर का शव

बेरमो/फुसरो। रोजगार की तलाश में गए बेरमो थाना क्षेत्र के करगली बाजार निवासी स्व धनेश्वर करमाली के 31 वर्षीय पुत्र कृष्णा करमाली का निधन शनिवार को जम्मू कश्मीर के कटरा में हो गया था। जिसका शव बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह के पहल पर मंगलवार कि देर रात्रि करगली बाजार लाया गया। मृतक कृष्णा करमाली विगत 12 फरवरी को अपने दोस्त पपलू, विक्की व अन्य दोस्त के साथ फुसरो से जम्मू कश्मीर रोजगार के लिए गया था। वहा उसकी मृत्यु हो गई। जिसकी जानकारी वहां के प्रशासन के द्वारा परिजन को मिला। परिजन ने बेरमो थाना में शव मांगवाने की गुहार लगाई। बेरमो थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह ने शव को मनाने के लिए जम्मू कश्मीर पुलिस से बात की। साथ ही सतपाल सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, संतोष गुप्ता, बिट्टू रवानी आदि ने शव को मांगवाने का अथक प्रयास किया। इन लोगों ने कांग्रेस नेता अरुण सिंह से शव को जम्मू कश्मीर से बेरमो मंगवाने हेतु बात की। अरुण सिंह ने फौरन बेरमो विधायक श्री सिंह से बात कर शव को मंगवाने की व्यवस्था की। जम्मू कश्मीर पुलिस ने शव को निजी वाहन से सड़क माध्यम से मृतक के दोस्तों के साथ भेजवाया। निजी वाहन का ड्राइवर ने बताया कि वाराणसी में सड़क जाम होने के कारण आने मे देर हो गई, अन्यथा मंगलवार की सुबह की हम लोग यहां पहुंच जाते। वही शव के पहुंचने से परिजन का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। शव का अंतिम संस्कार मंगलवार की ही देर रात्रि कर दिया गया। मृतक कृष्णा तीन भाईयों व तीन बहनों में सबसे छोटा था। वह अपने पीछे पत्नी आरती देवी सहित दो पुत्र आठ वर्षीय नैतिक व सात वर्षीय प्रतिक को छोड़ गया।

पूर्व विधायक बबीता ने होसिर में की डायग्नोस्टिक जांच केंद्र का उदघाटन

बेरमो/ललपनिया। बुधवार को मंत्री योगेंद्र प्रसाद की धर्मपत्नी सह गोमिया क्षेत्र की पूर्व विधायक बबीता देवी ने गोमिया प्रखंड के होसिर स्थित डायग्नोस्टिक जांच केंद्र उदघाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। यहां उन्होंने केन्द्र का विधिवत उदघाटन फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा आज के परिवेश में ऐसे जांच केंद्र समय की मांग हैं। साथ ही उन्होंने जांच केन्द्र उपकरणो का जायजा भी लिया। यहां मौके पर संचालक द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। बता दें कि डायग्नोस्टिक जांच केंद्र में सभी प्रकार के पैथोलॉजी सम्बंधित जांच व गुणवत्तापूर्ण तरीके से आधुनिक उपकरणों व अनुभवी टेक्नीशियन द्वारा किया जाएगा। संचालक ने बताया की यहां न्यूनतम दर पर ही सभी प्रकार के पैथोलॉजिकल जांच किया जाएगा। इसके बाद में उन्होंने होसिर खेल मैदान में आयोजित ओएनजीसी कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने विजेता व उप-विजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और सभी को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए यूथ सेंटर होसिर के सभी सदस्यों को बधाई दी। मौके पर उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेल हमें शारीरिक और मानसिकरूप से मजबूत करने के साथ ही एकजुटता का महत्व भी सिखलाता है। राज्य सरकार खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए कृतसंकल्पित है। इस कार्यक्रम में पंसस महेश रविदास, झामुमो के वरीय नेता संतोष साव, किशोर साव, हीरालाल यादव, दिलीप यादव, टुनटुन राम, पंकज प्रजापति, कुंदन कुमार सहित भारी संख्या में लोग थे।

धनबाद ने जामताड़ा क्रिकेट टीम को 273 रनो के विशाल रनों से हराया

दुमका। झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में खेले जा रहे जिला स्तरीय अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता के लीग मैच में बुधवार को धनबाद ने जामताड़ा को 273 रनों के बड़े अंतर से पराजित किया। एटीएम क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में धनबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मैन ऑफ द मैच कुनैन कुरैशी के धुआंधार 12 छक्के और 16 चौके की मदद से नाबाद 161 रनों का विशाल स्कोर जोड़ा। वहीं 12 चौके और एक छक्के की मदद से अनुराग सिंह के नाबाद 100 रनों के बदौलत 50 ओवर में तीन विकेट खोकर 353 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जामताड़ा की ओर से ऋतिक ने दो और आदित्य ने एक विकेट हासिल किए। जवाबी पारी में उत्तरी जामताड़ा की टीम 19 वे ओवर में महज 80 रनों पर ही ढेर हो गई। धनवाद की ओर से गेंदबाजी करते हुए मोहित ने तीन, चंदन, राजवीर और अमित ने दो-दो विकेट हासिल किए। इस मौके पर जेएससीए के टीआरडीओ बृजेश राय, निर्णायक अजय पाठक, अरबिंद कुमार सिंह, स्कोरर सौमित सामनता, जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारी के अलावा काफी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

बोकारो : जनता दरबार में डीआरडीए निदेशक ने प्राप्त आवेदनों पर लिया संज्ञान

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर डीआरडीए निदेशक मेनका ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 15 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई किया। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा कुछ मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया। जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण सामान्य शाखा भूमि पर कब्जा बीएसएल कार्यपालक अभियंता, राजस्व कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, सीओ नावाडीह आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। मौके पर अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, डीटीओ वंदना शेजवलकर, सहायक निदेशक पीयूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

दुमका : सास-बहु की लड़ाई में दोनों आग से झुलसी, सास की मौत

दुमका। जिला के काठीकुंड थाना के बड़ा भुईभंगा गांव में सास-बहु के बीच हुई विवाद में सास की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सास किसी बात को लेकर तकरार हो गई। आवेश में आकर सास रानी पहाड़िन ने बहु सुंदरी को लेकर एक कमरे में बंद हो गई। आरोप है कि सास ने बहु को बंद कमरे में आग लगाकर हत्या का प्रयास की। इस घटना में सास और बहु दोनों आग में झुलस गये। यह घटना मंगलवार रात की है। किसी तरह सास बहु को कमरे से निकाल कर इलाज के लिए मंगलवार देर रात फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान बुधवार को सास की मौत हो गई। सूचना पर नगर थाना की पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंपा। नगर थाना पुलिस काठीकुंड थाना को केस जांच को सौंपेगी।

बोकारो स्टील सिटी के पुस्तकालय मैदान में बसंत मेला का आयोजन

बोकारो। बोकारो स्टील सिटी के पुस्तकालय मैदान में दिनांक 08-09 मार्च को दो दिवसीय बसंत मेला का आयोजन किया जाएगा। बीएसएल द्वारा विभागीय स्तर पर इसकी तैयारी आरम्भ कर दी गई है। बसंत मेला में बोकारो स्टील प्लांट के विभिन्न विभाग की कार्यप्रणाली एवं अन्य जानकारी से लोगों को अवगत कराने के लिए स्टाल्स लगाए जाएंगे। इनमें प्लांट के प्रमुख शॉप्स बोकारो जेनरल अस्पताल उद्यान क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं अग्निशमन सेवाएं सीएसआर जन संपर्क जैसे विभागों की ओर से भी स्टाल्स लगाएं जाएंगें। बसंत मेला में पूरे देश की सभ्यता और संस्कृति की झलक को प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाएगी। महिला समिति बोकारो की ओर से विविध वस्तुओं की प्रदर्शनी के साथ कमर्शियल स्टाल तथा फूड स्टाल भी लगाया जाएगा। मेला में स्टॉल की बुकिंग के लिए नगर सेवा विभाग के डीजीएम पीएस सिंह-मो नंबर 8986872608 एवं एजीएम राकेश बाबू वेलपूरी मो नंबर 8986872452 पर संपर्क किया जा सकता है।

डीआइ ने सीओ एंड सीसी विभाग में सुरक्षा का लिया जायजा

बोकारो। बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने संयंत्र के सीओ एंड सीसी विभाग में सेफ्टी वॉक कर सुरक्षा पहलुओं का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ अधिशासी निदेशक संकार्य सीआर महापात्रा सीजीएम सुरक्षा बीके सरतापे सीजीएम तकनीकी लक्ष्मी दास सीओ एंड सीसी विभाग के विभागाध्यक्ष जीएम पीएस कुमार सहित विभाग के वरीय अधिकारी उपस्थित थे। निदेशक प्रभारी श्री तिवारी ने सेफ्टी वॉक के दौरान विभाग के अधिशासियों तथा कर्मियों से सुरक्षा पहलुओं पर चर्चा की। साथ ही उन्हें पीपीई के इस्तेमाल और सुरक्षा नियमों के अनुपालन का निर्देश दिया। निदेशक प्रभारी ने शॉप फ्लोर में बेहतर हाउस कीपिंग पर भी बल दिया तथा सुरक्षा पहलुओं को और पुख्ता बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बोकारो : अवैध कॉलोनी बसाने के खिलाफ नोटिस तीन दिनों में खाली नही करने पर चलेगा बुलडोजर

मेडिकल कॉलेज के निर्माण में लगी कंपनी द्वारा सेक्टर-12 डी स्थित रणविजय स्मारक कॉलेज के समीप अवैध और अनाधिकृत रूप से बसायी गई लेबर कॉलोनी का मामला

NOTICE

This construction is being carried out without any permission. It is therefore instructed to remove the illegal and unauthorized construction by you within 03 days, failing which the same will be demolished by Town Administration Department and for any losses you will be only responsible.

अखिलेश कुमार सिंह

बोकारो। बोकारो में मेडिकल कॉलेज के निर्माण में लगी कंपनी द्वारा सेक्टर-12 डी स्थित रणविजय स्मारक कॉलेज के समीप अवैध और अनाधिकृत रूप से बसायी गई लेबर कॉलोनी बनाये जाने के मामले पर संज्ञान लेते हुए बोकारो स्टील प्रबंधन ने उसे तीन दिनों के अन्दर खाली करने का आदेश दिया है। इस आशय का नोटिस कॉलोनी में चिपका दिया गया है जिसमें कहा गया है कि अगर तीन दिनों के भीतर अवैध निर्माण को खाली नहीं किया गया तो प्रबंधन की ओर से उसे ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि बोकारो में मेडिकल कॉलेज बनाने के कार्य में लगी कंपनी ने सेक्टर 12 डी में न सिर्फ अवैध रूप से बड़ी कॉलोनी का निर्माण कर लिया बल्कि एक बड़े भू-भाग पर टीन की चादरों से ऊंची दीवार खड़ी कर दी और सेक्टर 12 की ओर से रणविजय स्मारक कॉलेज तथा नेशनल हाईवे पर जाने वाली सड़क को भी अपने घेरे में ले लिया है। दरअसल कोरोना महामारी के समय में नागरिकों की सुविधा के लिए बीएसएल प्रबंधन ने सेक्टर 12 में जिस जगह सब्जी मार्केट लगवाई थी उस जगह को भी मेडिकल कॉलेज बनाने वाली कंपनी ने अपने कब्जे में लेकर उसकी घेराबंदी कर दी है। इसके चलते अब नेशनल हाईवे के किनारे सब्जी विक्रेता अपनी दुकान सजाते है और इससे आसपास में दुर्घटनाओं की संभावना हमेशा बनी रहती है।

नगर सेवा विभाग के अधिकारियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में इस मामले में बीएसएल के नगर प्रशासन विभाग के अधिकारियों की संलिप्तता पर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का मानना है कि जब बोकारो स्टील प्लांट के सुरक्षा विभाग के पास इतनी बड़ी फौज है तो फिर सेक्टर 12 डी में उसकी कई हेक्टेयर जमीन पर कब्जा कैसे हो गया और टीन की चादरों के पीछे सैकड़ों हरे-भरे पेड़ काटकर इतनी बड़ी कॉलोनी का निर्माण कैसे हो गया? इस अवैध निर्माण की ओर आखिर किसी का ध्यान आज तक क्यों नहीं गया? देश की महारत्न कंपनी सेल-बीएसएल को करोड़ों रुपए के राजस्व की हानि पहुंचाने में आखिर किसकी भूमिका रही? बोकारो स्टील प्लांट के संचार प्रमुख मणिकांत धान ने की गई कार्रवाई के संबंध में पूछने पर बताया कि नगर प्रशासन विभाग की ओर से वहां तीन दिनों के भीतर उस क्षेत्र से सभी अस्थायी निर्माण हटाने का नोटिस दिया गया है। अगर तीन दिनों के भीतर वे नहीं हटाते हैं तो बीएसएल द्वारा उसे ध्वस्त कर दिया जाएगा।

बोकारो : हल्का क्षेत्रों व सीएचसी में लग रहा शिविर, हो रहा ऑन स्पॉट निष्पादन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। डीसी विजया जाधव के निर्देश पर जिले के विभिन्न अंचलों के हल्का क्षेत्र में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया जा रहा है जो 3 मार्च तक जारी रहेगा। इस क्रम में जिले के सभी अंचलों के विभिन्न हल्का क्षेत्रों में शिविर का आयोजन किया गया। जहां खतियानी रैयत के उत्तराधिकारियों एवं आपसी बंटवारा के आधार पर दाखिल झ खारिज के लिए आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर में भूमि संबंधित अन्य समस्याओं का भी निराकरण संबंधित अंचल के अंचलाधिकारियों द्वारा किया गया। साथ ही अग्रतर कार्रवाई के लिए आवेदन प्राप्त किया गया। शिविर में काफी संख्या में आमजन शामिल हुए। वहीं जिले में दिव्यांगता जांच - पेंशन शिविर का भी आयोजन शुरू हुआ। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोमिया एवं चास में शिविर का आयोजन किया गया है जहां काफी संख्या में ग्रामीण आमजनों ने पेंशन से संबंधित समस्याओं को रखा। वहीं दिव्यांगजनों ने अपनी दिव्यांगता की जांच कराई।

शिविर में आम जनों का स्वास्थ्य जांच भी स्थानीय चिकित्सक एवं टीम द्वारा किया गया। शिविर में दिव्यांगजनों ने पंजीकरण कराया। अनेक लोगों ने आयुष्मान कार्ड बनवाया तथा अनेक ने मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता राशि व पेंशन आवेदन दिया एवं स्वास्थ्य जांच करवाया।

बेरमो कोयलांचल में महाशिवरात्रि धूमधाम से मना

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। महाशिवरात्रि का पर्व आज श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। हर हर महादेव के जयकारा से बेरमो कोयलांचल गूंजमान रहा। भगवान शिव के जलाभिषेक को ले शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। सुबह होते ही शिवालयों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने लगी। फुसरो नगर परिषद के प्रमुख शिव मंदिरों को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया है। फुसरो, शारदा कॉलोनी, ढ़ोरी कांटा, करगली गेट स्थित झारखंड व गांधी चौक शिव मंदिर, कुरपनीया, चलकरी बस्ती के शिव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। भक्त कतार में खड़े होकर भगवान शिव का जलाभिषेक पूजा अर्चना करने को लेकर अपनी बारी का इन्तेजार करते पाए गए।

इस महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की बारात भी निकाली जाती है। बेरमो के कई मंदिर हैं जहां से हर साल आकर्षक झांकी के साथ शिव बारात निकलती है। भगवान शिव की भव्य बारात फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में निकली जाएगी। इसमें देव मुनियों के साथ भूत-बेताल शामिल होंगे।

पहाड़ी शिव मंदिर में अखंड हरिकीर्तन का आयोजन

बेरमो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत शारदा कॉलोनी स्थित पहाड़ी शिव मंदिर में सुबह से बाबा भोलेनाथ के श्रद्धालुओं की लगी लंबी कतार और अखंड हरिकीर्तन का आयोजन। कार्यक्रम को सफल आयोजन मे मंदिर कमिटि के साधु बाउरी, भोला दिगार, ललन मल्लाह, राजू दिगार, जयदेव बाउरी, गांधी बाउरी, राकेश दिगार, अमृत दिगार, सूरज दिगार, अजय जयसवाल, दीपक बाउरी, अजय दिगार, गुडडु दिगार, विवेक दिगार आदि जुटे हुए है।

एसकेएमयू के नेट समेत अन्य परीक्षाओं में आठ छात्रों ने किया सफलता हासिल

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कमाल प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय के एक साथ आठ छात्रों ने नेट की परीक्षा में सफलता हासिल किया है। जिसमें तीन छात्रों ने जेआरएफ, एक ने नेट एवं तीन छात्रों ने पीएचडी में नामांकन के लिए अर्हता प्राप्त किया।

यूजीसी नेट की परीक्षा में स्नातकोत्तर संथाली विभाग विश्वविद्यालय, दुमका के सत्र-2022-24 के छात्रों में जितेश टुडू, संजय एक्समस हेंब्रम और प्रीतम मुर्मू ने जेआरएफ की परीक्षा में सफलता हासिल किया है। जबकि पुष्पा मुर्मू ने असिस्टेंट प्रोफेसर एवं पीएचडी में नामांकन के लिए नेट की परीक्षा उत्तीर्ण हुई है। वहीं सत्र-23-25 तो देवलाल मुर्मू, कुलदीप सोरेन, सचिन कुमार सोरेन और मिरूनी हांसदा ने पीएचडी में नामांकन के लिए नेट की परीक्षा सफलता हासिल किया है। छात्रों ने इसका श्रेय अपने शिक्षक डॉ सुशील टुडू, डॉ शर्मिला सोरेन, डॉ निर्मल मुर्मू, डॉ अमित मुर्मू, डॉ होलिका मरांडी एवं प्रो सनातन मुर्मू को दिया है। छात्रों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत, सतत प्रयास और निर्धारित लक्ष्य सफलता का मंत्र है। इस संबंध में विभागाध्यक्ष डॉ सुशील टुडू ने बताया कि विभाग में सिलेबस की पढ़ाई के साथ छात्रों को सभी दिशा में सफलता का मार्गदर्शन नियमित रूप से करते रहते हैं।

इसी का परिणाम ही है कि इस बार सर्वाधिक संताली विभाग के छात्रों ने नेट की परीक्षा में सफलता प्राप्त किया है। केवल यही नहीं विभाग की छात्र-छात्राएं अन्य दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं।

कोल इंडिया इंटर कंपनी एथलेटिक्स चैंपियनशिप

बीएंडके के 4 प्रतिभागी ने जीता मेडल

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। सीसीएल बीएंडके एरिया की चार कर्मी दीपक कुमार, खुर्शीद हुसैन व दीपक कुमार यादव और महिला कर्मी पुष्पांजलि तिवारी ने कोल इंडिया इंटर कंपनी एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बीएंडके को गोल्ड, सिल्वर और कास्य पदक दिलाया है। बीएंडके के एकेकेओसीपी मे कलर्क ग्रेड, दीपक हाई जंप मे गोल्ड, जीएम यूनिट जूनियर डीईओ पुष्पांजलि हाई जंप मे कास्य, जीएम यूनिट जूनियर डीईओ दिनेश यादव पोल वोल्ट मे सिल्वर और करगली ओसी मे माईनिंग खुर्शीद हुसैन 400 मीटर दौड़ मे कास्य पदक स्पर्धा में मिला है। यह प्रतियोगिता 22-23 फरवरी को सिंगरैनी कोलियरीज, कोठागुडम में आयोजित की गई है। इस उपलब्धि ने बीएंडके के सभी कर्मचारियों को गौरवान्वित किया है। सीसीएल के 14 सदस्यीय दल ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और अच्छा प्रदर्शन किया है। बीएंडके जीएम चितरंजन कुमार सहित कई अधिकारियों ने उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

स्पीड न्यूज

अब व्हाइट हाउस तय करेगा ट्रंप के दौरे में कितने पत्रकार होंगे

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस दशकों पुरानी परंपरा को तोड़ने जा रहा है।अब वह ही यह तय किया करेगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के देश-विदेश के दौरे में कितने पत्रकार जाएंगे और कौन सवाल पूछेगा। इससे पहले व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन ही यह तय करता रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन 111 साल पुराना संगठन है। वह लंबे समय से स्वयं ही यह निर्धारित करता रहा है कि कौन से पत्रकार राष्ट्रपति की दैनिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को कहा कि वह जल्द ही इसका चयन करेगा कि किन मीडिया आउटलेट्स को राष्ट्रपति प्रेस पूल में भाग लेने की अनुमति दी जाए।

प्रीति जिंटा ने तीसरी बार लगायी संगम में डुबकी

प्रयागराज। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने तीसरी बार प्रयागराज में संगम में डुबकी लगाई। जिंटा तीसरी बार महाकुंभ पहुंची,जहां उन्होंने संगम में डुबकी लगाई। प्रीति जिंटा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी मां के साथ महाकुंभ गई। उन्होंने वहां प्रार्थना करने और संगम में डुबकी लगाने की कई तस्वीर शेयर की। प्रीति ने पोस्ट के साथ लिखा, यह कुंभ मेले में मेरी तीसरी यात्रा थी और यह जादुई, दिल को छू लेने वाला और थोड़ा दुखद भी था। जादुई इसलिए क्योंकि मैं कितनी भी कोशिश करूं, मैं यह नहीं बता सकती कि मुझे कैसा महसूस हुआ। दिल को छू लेने वाला इसलिए क्योंकि मैं अपनी मां के साथ गई थी और यह उनके लिए खास महत्व रखता है मैं जीवन और मृत्यु के चक्र से मुक्त होना चाहती थी, लेकिन मुझे जीवन और आसक्ति के द्वंद्व का एहसास हुआ।

दो मई को खुलेंगे केदारनाथ के कपाट

उखीमठ। विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट इस वर्ष ग्रीष्मकालीन दर्शनार्थ आगामी दो मई को प्रातः सात बजे, बैशाख, मास, मिथुन राशि, वृष लग्न में विधि- विधान से खुलेंगे। इससे पूर्व, 27 अप्रैल को भगवान भैरवनाथ जी की पूजा होगी। जबकि बाबा केदार की पंच मुखी डोली 28 अप्रैल को श्री ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ से केदारनाथ धाम प्रस्थान करेगी।

दिल्ली : कैग की रिपोर्ट सार्वजनिक हो : कांग्रेस

नयी दिल्ली । कांग्रेस ने दिल्ली की आबकारी नीति पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट विधानसभा की पटल पर पेश करने का स्वागत किया है, लेकिन कहा है कि इसे सार्वजनिक कर लोक लेखा समिति (पीएसी) से इसकी जांच कराई जानी चाहिए। कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव तथा वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने कैग की 14 में से एक रिपोर्ट ही विधानसभा के पटल पर रखी है और साफ है की शराब नीति घोटाले में भाजपा शामिल है इसलिए रिपोर्ट को सार्वजनिक कर इस घोटाले को सबके सामने लाया जाना चाहिए। उन्होंने घोटाले की व्यापक जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस को पहले से संदेह था कि इस नीति में बहुत सारी अनियमितताएं हैं जिससे सरकार के राजस्व पर असर पड़ने वाला है। दिल्ली कांग्रेस ने जांच एजेंसियों को शराब नीति से जुड़ी शिकायत भी की थी, जिसमें भाजपा के संलिप्त होने के भी सबूत थे।

महाकुंभ में लड़ाकू विमानों ने श्रद्धालुओं को दी महासलामी

जांबाज पायलटों ने हवा में दिखाई कलाबाजियां

खबर मन्त्र संवाददाता

महाकुंभ नगर। महाकुंभ पर महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने श्रद्धालुओं को महासलामी दी। बुधवार दोपहर वायुसेना के विमानों की तेज गर्जना सुन श्रद्धालुओं ने आसमान की ओर देखा तो गर्व और उत्साह से तालियां बजानी शुरू कर दीं। इस दौरान लोग जय श्री राम, हर हर गंगे, हर हर महादेव के साथ मोदी-योगी के भी जयकारे लगाने लगे। इसी के साथ वायुसेना के एयर शो के फोटो और वीडियो बनाकर श्रद्धालु सोशल मीडिया पर शेयर करने लगे। वायुसेना के अधिकारी के अनुसार महाकुम्भ में आए श्रद्धालुओं का अंतिम स्नान पर्व पर संगम क्षेत्र के ऊपर भव्य एयर शो से अभिवादन किया गया। इस पावन अवसर पर जहां गंगा तट पर डेढ़ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु डुबकी लगा रहे थे, वहीं आकाश में सुखोई, एएन-32 और चेतक हेलीकॉप्टर आसमान से श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ा रहे थे। इस ऐतिहासिक पल ने श्रद्धालुओं को रोमांचित कर दिया। महाकुम्भ के समापन अवसर पर भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलटों ने हवा में अद्भुत कलाबाजियां दिखाईं। विमानों की तेज गर्जना सुन श्रद्धालुओं ने आसमान की ओर देखा, जहां सुखोई और एएन-32 और चेतक का शानदार प्रदर्शन चल रहा था। इस रोमांचक नजारे को श्रद्धालुओं ने अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया और सोशल मीडिया पर साझा किया। लोगों ने इसे महाकुम्भ का यादगार पल बताया। जिस वक्त महाकुम्भ में संगम के ऊपर एयर शो चल रहा था, उसे देख श्रद्धालु गर्व और उत्साह से तालियां बजाने लगे। महाकुम्भ के अंतिम दिन गंगा के तट पर जहां साधु-संतों और श्रद्धालुओं की आस्था की दिव्यता नजर आई, वहीं आकाश में वायुसेना की शौर्य और पराक्रम भी देखने को मिला। दोनों ने मिलकर इस महापर्व के समापन को ऐतिहासिक बना दिया।

जय श्री राम, हर हर गंगे, हर हर महादेव के साथ मोदी-योगी के भी लगे जयकारे

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को स्वागत करते पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए संत समाज करे प्रयास

बागेश्वर धाम में 251 जोड़ों का हुआ सामूहिक विवाह

- राष्ट्रपति ने उपहार देकर नव दंपतियों के सुखमय जीवन की कामना की
- गुरुनानक, संत रविदास, कबीरदास, मीरा बाई जैसे कई संतों ने महिलाओं को समाज में उचित स्थान देने का संदेश दिया था : मुर्मू

एजेंसी

भोपाल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमारा देश महिलाओं के विकास से महिलाओं के नेतृत्व में विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में बेटियों को सबल और सशक्त बनाने में सहयोग करना समाज और सरकार का कर्तव्य है। बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान देना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करने के लिए जन-जन को प्रतिबद्ध होना होगा। बेटियों के सशक्त होने से परिवार, समाज और देश सशक्त होगा। 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ हम अग्रसर हैं। हम ऐसे भारत का निर्माण करें, जो न केवल आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर हो अपितु सामाजिक समरसता से भी परिपूर्ण हो। देश पर्यावरण की दृष्टि से समृद्ध हो और आध्यात्म से विश्व को राह दिखाने में सक्षम हो। ऐसे राष्ट्र निर्माण में संतों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने संत समाज से मानव कल्याण की भावना के साथ देश में सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति बुधवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति मुर्मु, राज्यपाल मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में बागेश्वर धाम में 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह हुआ। भव्य समारोह में राष्ट्रपति ने दाम्पत्य सूत्र में बंध रहे जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। राष्ट्रपति के सम्मुख जोड़ों की वरमाला रस्म संपन्न हुई। उन्होंने प्रतीक स्वरूप तीन जोड़ों को उपहार भेंट किए। श्री बागेश्वर धाम जन सेवा समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुईं 251 बेटियों में से 108 बेटियां जनजातीय समुदाय की हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि समकालीन समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और समाज को जागरूक करने के लिए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पहल सराहनीय है। गुरुनानक देवजी, संत रविदास, कबीरदास, मीरा बाई जैसे कई संतों ने अपने उपदेशों से महिलाओं को समाज में उचित स्थान दिलाने का संदेश दिया है। समाज को सन्मार्ग दिखाने की संत परंपरा के इस उद्देश्य को बागेश्वर धाम प्रभावी रूप से आगे बढ़ा रहे हैं।

पेट्रोल में 20 फीसदी से अधिक होगा एथनॉल का मिश्रण : हरदीप पुरी

गुवाहाटी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि भारत पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण के अपने लक्ष्य को बढ़ाकर 20 प्रतिशत से अधिक होगा। उन्होंने कहा कि इस पर विचार करने के लिए नीति आयोग के तहत एक समिति गठित की गई है। एडवांटेज असम 2.0 व्यापार शिखर सम्मेलन में पुरी ने कहा कि 19.6 प्रतिशत मिश्रण पहले ही हासिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हम 20 प्रतिशत से अधिक जैव ईंधन मिश्रण पर विचार कर रहे हैं। नीति आयोग समूह का गठन पहले ही किया जा चुका है और वे इस पर विचार कर रहे हैं। पुरी ने कहा कि हमने 2026 तक 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य रखा था, हम पहले ही 19.6 प्रतिशत हासिल कर चुके हैं। मुझे यकीन है कि अगले महीने 20 फीसदी तक पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि देश में 1700 करोड़ लीटर मिश्रण की क्षमता है और 1,500 करोड़ लीटर का इस्तेमाल किया जा रहा है।

भाजपा के सात विधायक बने मंत्री

बिहार में नीतीश कुमार ने किया कैबिनेट का विस्तार

- संजय सरावगी, डॉ. सुनील कुमार, जीवेश मिश्रा, राजू सिंह, मोतीलाल प्रसाद, विजय मंडल और कृष्ण मंटू ने ली मंत्री पद की शपथ

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर मंत्रिमंडल का विस्तार करते हुए भाजपा कोटे से सात विधायकों को मंत्री बनाया है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री पद की शपथ लेने वालों में दरभंगा नगर से विधायक संजय सरावगी, बिहारशरीफ से डॉ. सुनील कुमार, दरभंगा के जाले विधानसभा क्षेत्र से विधायक जीवेश मिश्रा, मुजफ्फरपुर के साहेबगंज से विधायक राजू कुमार सिंह, सीतामढ़ी के रीगा से विधायक मोतीलाल प्रसाद, अररिया के सिकटी से विधायक विजय कुमार मंडल और अमनौर से विधायक कृष्ण कुमार मंटू शामिल हैं।

राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आरिफ खां से मिलते नीतीश कुमार।

डीएमके सरकार राष्ट्र विरोधी और भ्रष्टाचार का प्रतीक : अमित शाह

चेन्नई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु की डीएमके सरकार को राष्ट्र विरोधी और भ्रष्टाचार का प्रतीक बताया है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि स्टालिन और उनके परिवार के सदस्य अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए ही हिंदी विरोधी अभियान चला रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन पूरे राज्य में अभियान चला रहे हैं कि केंद्र सरकार गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोप रही है। उन्होंने घोषणा की है कि डीएमके सरकार राज्य में हिंदी को अनुमति नहीं देगी। अमित शाह ने कोयंबटूर में भाजपा के एक कार्यक्रम में स्टालिन के आरोपों पर कहा कि भाजपा-नीत राजग सरकार ने हिंदी को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए बहुत कुछ किया है। शाह ने कहा कि स्टालिन और उनके बेटे ने भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दिया है। शाह ने कहा कि स्टालिन सरकार को 2026 के विधानसभा चुनाव में उखाड़ फेंका जाएगा और भाजपा-नीत एनडीए तमिलनाडु में अगली सरकार बनाएगा, जो राज्य को विकास के पथ पर ले जाएगी।

अमेरिका को खनिज भंडार सौंपेंगे जेलेंस्की

- युद्ध से तबाह हुए यूक्रेन को पुनर्निर्माण में मदद करेंगे ट्रंप

एजेंसी

कीव। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूक्रेन एक बड़े समझौते पर सहमत हो गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की अमेरिका को देश का खनिज भंडार सौंपने को तैयार हो गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बदले युद्ध से तबाह हुए यूक्रेन को पुनर्निर्माण में यथासंभव सहयोग करेंगे। सीएनएन ने सूत्र के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। इसमें कहा गया है कि समझौते के मसौदे से वह हर चीज हटा दी गई, जिस पर दोनों पक्षों में से किसी एक को भी आपत्ति हो सकती थी। हालांकि अभी तक अमेरिकी ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की आने वाले दिनों में वाशिंगटन की यात्रा कर सकते हैं। ऐसे संकेत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को खुद दिए। उन्होंने ओवल ऑफिस से कहा कि सुना है वह शुक्रवार को आ रहे हैं। जेलेंस्की का आना अच्छा रहेगा। हम दोनों मिलकर समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहेंगे। वाकई अमेरिका के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। इससे पहले सोमवार को भी कहा गया था कि यूक्रेन एक ऐसे समझौते पर सहमत होने के लिए तैयार है जो पुनर्निर्माण निधि में अमेरिका की भागीदारी चाहता है। वह इसके बदले संयुक्त राज्य अमेरिका को अपने दुर्लभ खनिज भंडार का बड़ा हिस्सा सौंप सकता है। सूत्र ने कहा था कि अमेरिकी अधिकारियों ने समझौते के मसौदे में शामिल सुरक्षा गारंटी का विरोध किया था। बताया गया है कि ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन से पहले की सहायता के बदले उसके खनिजों में 500 बिलियन डॉलर की हिस्सेदारी मांगी थी। जेलेंस्की ने इसे अस्वीकार कर दिया था। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन के पास दुनिया के लगभग पांच प्रतिशत महत्वपूर्ण खनिज हैं। इनमें 19 मिलियन टन से भी अधिक ग्रेफाइट के भंडार हैं। यूक्रेन ग्रेफाइट का उत?पादन करने वाले शीर्ष पांच देशों में है। ग्रेफाइट का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बनाने में किया जाता है। इसके अलावा यूरोप के सभी लिथियम भंडारों का एक तिहाई हिस्सा भी यूक्रेन में है। यह भी बैटरी में इस्तेमाल होता है। रूस के आक्रमण से पहले यूक्रेन वैश्विक स्तर पर 7 फीसद टाइटेनियम का उत्पादन करता था। यह हवाई जहाजों से लेकर बिजली संयंत्रों तक, विभिन्न प्रकार के उत्पादों के निर्माण में उपयोग की जाने वाली एक हल्की धातु है। यूक्रेन में दुर्लभ धातुओं के भी महत्वपूर्ण भंडार हैं। यह 17 तत्वों का एक समूह है। इनका उपयोग आधुनिक हथियारों, पवन टर्बाइनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उत्पादों के उत्पादन में किया जाता है। हालांकि, कुछ खनिज भंडारों पर रूस ने कब्जा कर लिया है। यूक्रेन के वित्तमंत्री यूलिया स्विरीडेन्को के अनुसार, रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों में अब 350 बिलियन डॉलर के खनिज शामिल हैं।

सरकार ने पेटीएम के साथ किया समझौता

नयी दिल्ली। भारत में फिनटेक और मैन्युफैक्चरिंग स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) और पेटीएम ने हाथ मिलाया है। इसके तहत कंपनी स्टार्टअप को मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचा समर्थन, बाजार पहुंच तथा वित्त पोषण के अवसर उपलब्ध कराएगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि सरकार ने भारत में नवाचार को बढ़ावा देने और विनिर्माण तथा फिनटेक स्टार्टअप के विकास में तेजी लाने के लिए पेटीएम (वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते पर डीपीआईआईटी के निदेशक सुमीत कुमार जारंगल और पेटीएम के संस्थापक एवं सीईओ विजय शेखर शर्मा ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। मंत्रालय ने कहा कि इस सहयोग के तहत पेटीएम स्टार्टअप को मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचा सहायता, बाजार पहुंच और वित्त पोषण के अवसर प्रदान करेगा।